"अन्तराष्ट्रीय आपदा न्युनीकरण दिवस" के अवसर पर सेमिनार का आयोजन

दिनांक- 13.10.2020

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में "अन्तराष्ट्रीय आपदा न्युनीकरण दिवस" के अवसर पर सेमिनार का आयोजन किया गया कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मगध विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति-सह-इस कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) राजेन्द्र प्रसाद तथा सभी सम्मानित अतिथि गण ने दीप प्रज्जवलित कर आरम्म किया।अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य प्रो (डॉ.) एम. शमशुल इस्लाम ने पुष्प गुच्छ, अंग-वस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान प्रो.(डॉ.) राजेन्द्र प्रसाद, विशिष्ट अतिथि प्रो.(डॉ.) हरिद्वार सिंह एवं सम्मानित अतिथि प्रो. (डॉ) सुशील कुमार सिंह का स्वागत किया। प्राचार्य महोदय ने कार्यक्रम के विषय पर प्रकाश डालते हुए आपदा से बचने हेतु महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर अपने विचार रखे जो जनमानस के हित में लाभकारी सिद्ध होंगे। इस अवसर पर कुलपति महोदय द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के सर्वांगीण विकास हेतु महाविद्यालय पत्रिका "प्रतिभा-सृजन" एवं कलात्मक उत्थान के लिए "कला-संगम" सांस्कृतिक समूह की शुरूआत की।कार्यक्रम के विषय वस्तु को पावरप्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से दाउदनगर कॉलेज के सहायक प्राध्यापक (डॉ0) दीपक कुमार एवं (डॉ0) ज्योतिष कुमार ने सरल शब्दों में विद्यार्थियों से साझा किया तथा आपदा की स्थिति आने पर इससे निपटने के तरीकों से अवगत कराया।अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य (डॉ0) हरिद्वार सिंह ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण करते हुए ही आपदाओं का न्यूनीकरण संभव है। अत: अपनी जिम्मेवारी को समझते हुए वृक्षारोपण इत्यादि कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देना होगा। माननीय कुलपति महोदय ने सभा को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम सतत्पोषणीय विकास पर श्रोताओं का ध्यान आकृष्ट किया क्योंकि जिस प्रकार शहरीकरण एवं संसाधनों का दुरुपयोग मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए कर रहे हैं वह भावी पीढियों के लिये खतरे की घंटी के समान है। अतः उन्होंने सहकार एवं समन्वय से परिस्थितियों को बदलने की चेष्टा की । बी0एड संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो0 (डॉ0) एम एम शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन किया । कार्यक्रम का समापन वृक्षारोपण एवं नुक्कड़ नाटक के साथ किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो0(डाॅ0) श्वेता सिंह तथा जागृति मालवीय ने किया ।

कैंपस प्रभात

कार्यक्रम. अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में आयोजित सेमिनार में बोले वीसी

संसाधनों का दुरुपयोग भावी पीढ़ी के लिए खतरे की घंटी

वरीय संवाददाता, बोधगया

अनुग्रह मेमोरियल (एएम) कॉलेज में मंगलवार को 'अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस' के अवसर पर सेमिनार का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मगध विश्वविद्यालय के कुलपति सह इस कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो राजेंद्र प्रसाद व सभी सम्मानित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया. कॉलेज के प्राचार्य प्रो एमएस इस्लाम ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न भेंट कर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद प्रो राजेंद्र प्रसाद, विशिष्ट अतिथि प्रो हरिद्वार सिंह एवं सम्मानित अतिथि प्रो सुशील कुमार सिंह का स्वागत किया. प्राचार्य ने कार्यक्रम के विषय पर प्रकाश डालते हुए आपदा से बचने के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अपने विचार रखे, जो जनमानस के हित में लाभकारी सिद्ध होंगे. इस अवसर पर कुलपति द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय पत्रिका 'प्रतिभा-सृजन' व कलात्मक उत्थान के लिए 'कला-संगम' सांस्कृतिक समूह की शुरुआत की गयी. कार्यक्रम के विषय वस्तु को पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से दाउदनगर कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ दीपक कुमार व डॉ ज्योतिष कुमार ने सरल शब्दों में विद्यार्थियों से साझा किया व आपदा की स्थिति में इससे निबटने के तरीकों से अवगत कराया. एएम कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ हरिद्वार सिंह ने बताया कि पर्यावरण का संरक्षण करते हुए ही आपदाओं का न्यूनीकरण संभव है.अतः अपनी जिम्मेदारी को समझ पौधारोपण कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देना होगा.

कुलपति ने किया पौधारोपण

कुलपति राजेंद्र प्रसाद का स्वागत करते शिक्षक.

सहकार व समन्वय से परिस्थितियों को बदलने की चेष्टा करें

कुलपति ने सभा को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम सतत् पोषणीय विकास पर श्रोताओं का ध्यान आकृष्ट किया. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शहरीकरण एवं संसाधनों का दुरुपयोग मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए कर रहा है, वह भावी पीढ़ियों के लिए खतरे की घंटी के समान है. अत: उन्होंने सहकार एवं समन्वय से परिस्थितियों को बदलने की चेष्टा करने की अपील की. बीएड संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो एमएम शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम का समापन पौधारोपण एवं नुक्कड़ नाटक के साथ किया गया. कार्यक्रम का संचालन प्रो श्वेता सिंह तथा जागृति मालवीय ने किया. कार्यक्रम में एमयू के सीसीडीसी विकास मोहन सहाय, प्रोक्टर जयनंदन प्रसाद सिंह, नोडल पदाधिकारी संजय कुमार सहित कई कॉलेजों के प्रधानाचार्य शामिल हुए.

प्रभात खबर Wed, 14 October 2020
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/55652179

दैनिक भास्कर गया भास्कर 14-10-2020

दैनिक भास्कर शेरघाटी • इमामगंज • बाराचट्टी आ

हिदायत • एएम कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस पर विचार गोष्ठी का किया गया आयोजन

कुलपति ने कहा-भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय खुद को अलौकिक करें विद्यार्थी

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज गया में अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेमिनार हॉल में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे और पॉवर प्वाईंट प्रेजेंटेशन के जरिए आपदा प्रबंधन पर लोगों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि समस्याओं का समाधान द्वंद से नहीं बल्कि सहकार व समन्वय से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्र भीड़ का हिस्सा नहीं बनें बल्कि खुद को अलौकिक करें। कुलपति ने कहा कि देश में एक हजार से अधिक विश्वविद्यालय और 47 हजार से अधिक महाविद्यालय है लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी है।

कहा कि यह युग ज्ञान का है लेकिन ज्ञान आज खुद उद्योग बन गया है। वीसी ने कहा कि जिस प्रकार शहरीकरण और संसाधनों का दुरुपयोग मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए कर रहे हैं, वह भावी पीढ़ियों के लिये खतरे की घंटी के समान है। कॉलेज के पूर्व प्राचार्य सह विशिष्ट अतिथि डॉ. हरिद्वार सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण करते हुए ही आपदाओं का न्यूनीकरण संभव है। अतः अपनी जिम्मेवारी को समझते हुए वृक्षारोपण इत्यादि कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने इस कॉलेज में प्रो. शम्सुल इस्लाम के रूप उर्जावान प्राचार्य की नियुक्ति पर वीसी के प्रति आभार व्यक्त किया।

14 नवंबर को कॉलेज की पत्रिका 'प्रतिभा सृजन' का किया जाएगा विमोचन

मोमेंटो देकर वीसी का स्वागत करते प्राचार्य व प्राध्यापकगण।

सांस्कृतिक समूह की हुई शुरुआत

प्राचार्य प्रो. इस्लाम ने पुष्प गुच्छ, अंग-वस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट कर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सम्मानित अतिथि सह एमयू के एजुकेशन डिपार्टमेंट के डायरेक्टर प्रो. (डॉ) सुशील कुमार सिंह का स्वागत किया। वीसी ने छात्र-छात्राओं के कलात्मक उत्थान के लिए "कला-संगम" सांस्कृतिक समूह की शुरूआत की। बीएड संकाय के एचओडी प्रो. एम एम शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन और प्रो0 श्वेता सिंह व जागृति मालवीय ने संचालन किया। कार्यक्रम का समापन वृक्षारोपण व नुक्कड़ नाटक के साथ किया गया।

नैक से ए ग्रेड दिलाना प्राथमिकता

अपने स्वागत भाषण में एएम कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शम्सुल इस्लाम ने कहा कि कॉलेज में शैक्षणिक सुधार व विकास के कार्य लगातार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नैक से इस कॉलेज को सी ग्रेड मिला है। अब इसे ए ग्रेड दिलाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कॉलेज की पत्रिका प्रतिभा सृजन का 14 नवंबर को विमोचन किया जाएगा। कार्यक्रम के विषय पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने आपदा से बचने को महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विचार रखे।

हादसा के बाद एक्शन की जरूरत

दाउदनगर कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपक कुमार और डॉ. ज्योतिष कुमार ने आपदा की स्थिति आने पर इससे निपटने के तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस साल अंतरराष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस का थीम है गर्वनेंस यानी आपदा की स्थिति आने पर कैसा गर्वनेंस देना है। डॉ. दीपक ने कहा कि आपदा की स्थिति आने पर रिएक्शन से अधिक एक्शन की आवश्यकता है। इस दौरान उन्होंने आपदा प्रबंधन अधिनियम की भी जानकारी दी।

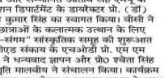

कार्यक्रम को संबोधित करते वीसी ।

"विजिलेंस जागरूकता सप्ताह"

दिनांक- 31.10.2020

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में "विजिलेंस जागरूकता सप्ताह" विषय अंतर्गत एक वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से छात्र-छात्राओं को सतर्कता के प्रति जागरूकता और इसकी भूमिका के संदर्भ में परिचर्चा आयोजित हुई। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में भाग ले रहे डॉ० अमृतेंदु घोषाल ने बताया कि विजिलेंस जागरूकता आज के समय में अत्यंत ही महत्वपूर्ण है, खासकर शैक्षणिक संस्थानों में भ्रष्टाचार और अनैतिक गतिविधियां देश के सही नहीं हैं, जिसके लिए हम सभी को जागरूक होने की बहुत जरूरत है। साथ ही उन्होंने युवाओं को इस विषय पर सकारात्मक रूप से पहल करने की भी बात कही। डॉ० श्वेता सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध सतर्कता के साथ-साथ इसके विरुद्ध कठोर कदम उठाने की भी जरूरत है, जिसके लिए शिक्षित युवा वर्ग को जरूर आगे आना चाहिए, ताकि भ्रष्ट और निरंकुश व्यवस्था पर अंकुश लग सके।

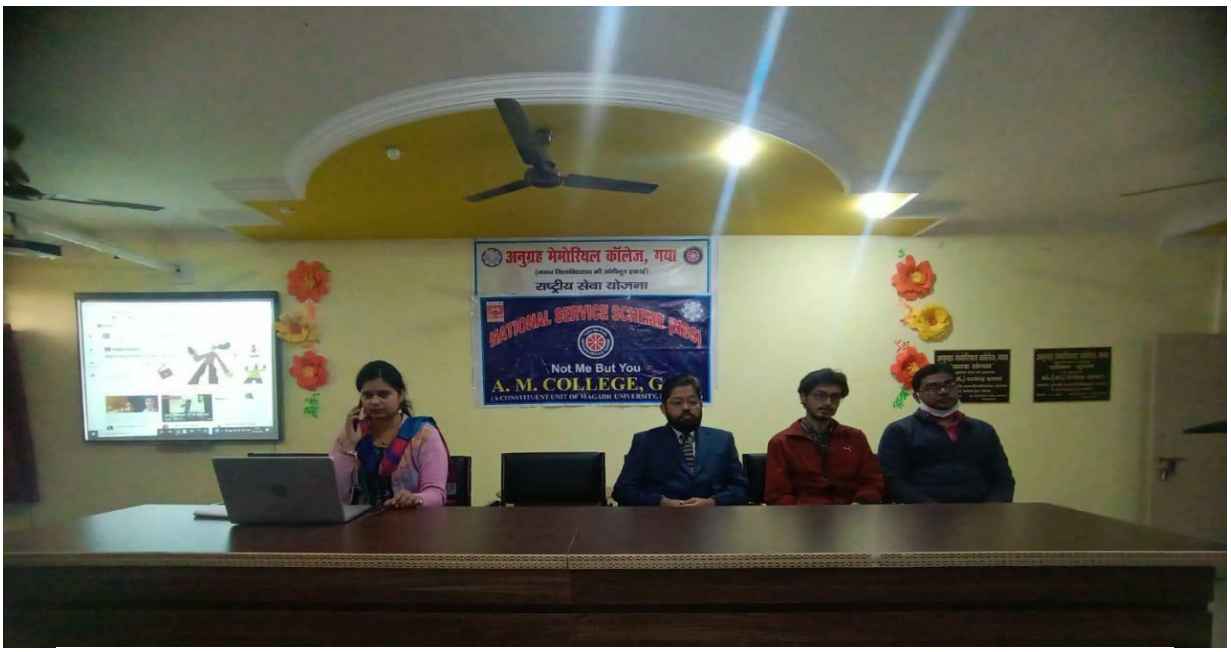

। शमा समत कइ चिकत्सक,

गया के अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में विजिलेंस जागरुकता सप्ताह के तहत वेबिनार का आयोजन

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सशक्त हथियार बन सकता है इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

विजिलेंस जागरूकता सप्ताह अंतर्गत शनिवार को अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में वेबिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को सतर्कता के प्रति जागरूकता और इसकी भूमिका के संदर्भ में परिचर्चा हुई। प्रधानाचार्य डॉ. एम. शमशुल इस्लाम ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा विकास की संचालिका है, लेकिन भ्रष्टाचार उसकी भूमिका को संकीर्ण करती है। साथ ही उन्होंने सामाजिक विश्वास की बात पर भी बल दिया और कहा कि सामाजिक विश्वास ही सामाजिक सद्भाव की रीढ़ है। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ-साथ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एक सशक्त हथियार के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है। जिसके माध्यम से सामाजिक परीक्षण, सामाजिक भागीदारी, बजट और वित्तीय व्यवस्था में सामाजिक संयोजन आवश्यक है।

कहा-शैक्षणिक संस्थानों में भ्रष्टाचार देश के लिए सही नहीं

वेबिनार को संबोधित करते हुए डॉ. अमृतेंदु घोषाल ने बताया कि विजिलेंस जागरूकता आज के समय में अत्यंत ही महत्वपूर्ण है, खासकर शैक्षणिक संस्थानों में भ्रष्टाचार और अनैतिक गतिविधियां देश के लिए सही नहीं हैं।

डॉ. श्वेता सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध सतर्कता के साथ-साथ कठोर कदम उठाने की भी जरूरत है। डॉ. निधि त्रिपाठी ने अपने अभिभाषण में कहा कि सरकार की ओर से चलाए जा रहे कई प्रकार के कार्यक्रम जैसे स्वच्छता अभियान, आदि मूल रूप से धरातल पर नहीं पहुंच पाते, जिसके लिए भ्रष्टाचार कहीं न कहीं दोषी है। भ्रष्टाचार के खिलाफ कदम उठाने की जरूरत है।

वेबिनार को संबोधित करते प्रधानाचार्य

व्यवस्था बेहतर बनाने में सरकार के साथ लोगों की भी जिम्मेवारी

वक्ताओं ने कहा कि व्यवस्था को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी जितनी सरकार की है उतनी हमारी भी है। इसलिए हम इन विषयों पर सजगता से कार्य करते हुए, देश को नई ऊंचाई देने में अपना योगदान दें। डॉ. राजेश रंजन पांडे, बीएड विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एमएम शुक्ला आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन सुशील कुमार सिन्हा और धन्यवाद ज्ञापन अध्यापक प्रवीण कुमार ने किया। नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन द्वारा "विजिलेंस जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है जो दिनांक 27 अक्टूबर, 2020 से लेकर 2 नवंबर, 2020 तक चलेगा। इस वर्ष का विषय सतर्क भारत, समृद्ध भारत' रखा गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

दिनांक- 11.11.2020

भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी और प्रथम शिक्षा मंत्री के जन्मदिवस जो राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है इसके अंतर्गत एक वेबीनार का आयोजन अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के बी0 एड0 विभाग द्वारा किया गया। इस वेबीनार के अंतर्गत महाविद्यालय शिक्षकों एवं छात्रों ने मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन दर्शन एवं उनके विचारों की प्रासंगिकता पर अपने वक्तव्य रखे। वक्ताओं ने देश तथा राज्य के तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था पर भी अपने विचार रखते हुए उच्चतर शिक्षा और प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान में जो विसंगतियां उत्पन्न हुई है उसके निराकरण संबंधित भी चर्चा की।

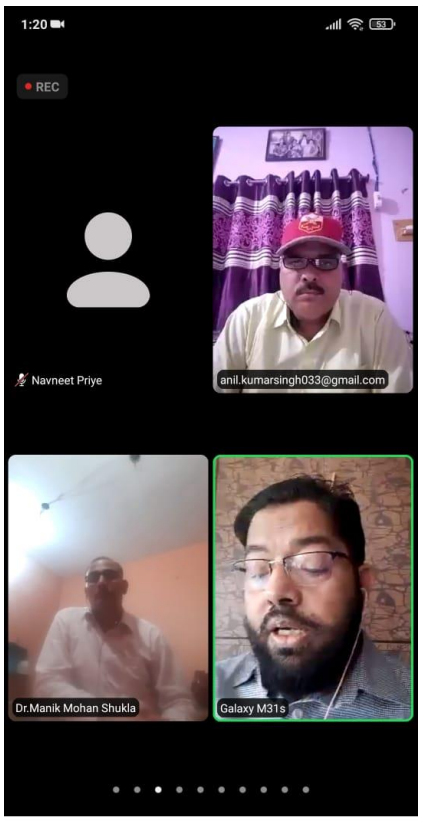

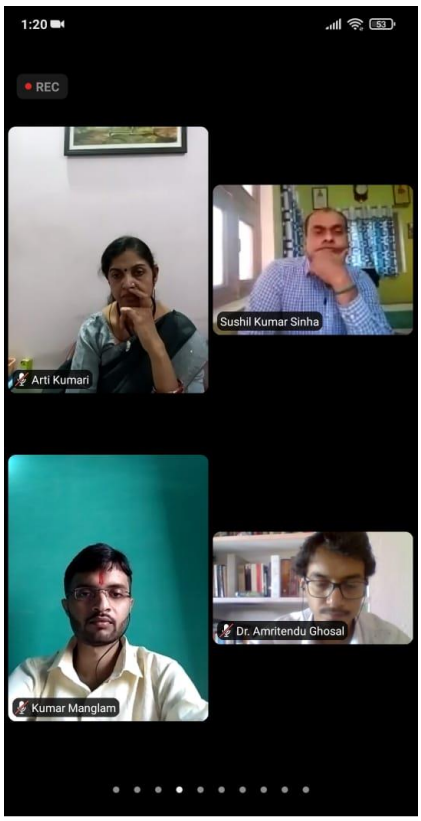

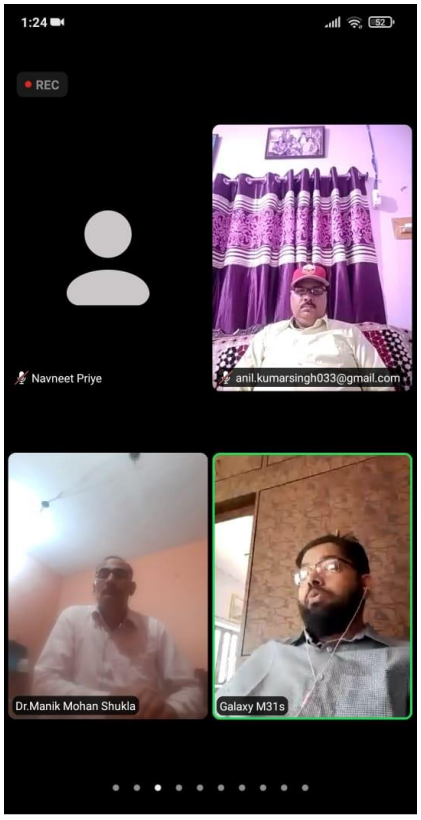

दैनिक भास्कर

शेरघाटी • इमामगंज • बाराचट्टी आसपास

याद किए गए देश के प्रथम शिक्षामंत्री • मौलाना आजाद की जयंती पर जिलेभर में हुए कार्यक्रम, लोगों ने उनके बताए रास्ते पर चलने का लिया संकल्प

मौलाना आजाद के व्यक्तित्व व विचार आज भी प्रासंगिक

वीफ रिपोर्टर|गया

महान स्वतंत्रता सेनानी और देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम की जयंती पर जिले भर में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने उनके जीवन दर्शन और विचारों की प्रासंगिकता पर अपने वक्तव्य रखे। अनुग्रह मेमोरियल कॉलिज के बीएड डिपार्टमेंट के द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने देश और राज्य के तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था पर अपने विचार व्यक्त किए और उच्चतर व प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में उत्पन्न विसंगतियों पर चर्चा की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम शमशुल इस्लाम ने कहा कि मौलाना आजाद के दर्शन, व्यक्तित्व और विचार आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि उनकी नीतियों व दर्शन से समाज और शिक्षा व्यवस्था लाभान्वित हो सकती है।

कहा कि वर्तमान समय में रोजगार परक शिक्षा के साथ-साथ यह आवश्यक है कि मानवीय मूल्यों का भी प्रेषण व्यक्तित्व में किया जाए ताकि सही मायने में शिक्षित व्यक्ति समाज कल्याण की दिशा में कार्य कर सकें और राष्ट्र को एक नई ऊंचाई तक ले जा सकें। रसायन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राजेश रंजन पांडे ने कहा कि उनकी दूरदर्शिता और शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए कदम अनुकरणीय है। जिसका सकारात्मक प्रभाव आज हम देख रहे हैं। अंग्रेजी विभाग के डॉ. अमरितेंदु घोषाल ने मौलाना आजाद के शिक्षा दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा कौशल के विकास के लिए मौलाना आजाद के विचार पर हमें चिंतन करने की आवश्यकता है। बताया कि नई शिक्षा नीति में भी इस विषय को प्रमुखता दी गई है।

'महिला-शिक्षा' विषय पर चर्चा करते हुए मौलाना अबुल कलाम आजाद के विचारों को किया प्रस्तुत

अबुल कलाम को श्रद्धांजलि देते शिक्षक।

मौलाना आजाद की जीवनी से सीखने की जरूरत

वजीरगंज|भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती वजीरगंज प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों व विभिन्न शिक्षण संस्थानों में शिक्षा दिवस के रूप में मनायी गई। इस अवसर पर मौलाना आजाद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का निर्णय लिया गया। शिक्षा विभाग के निर्देश के आलोक में विभिन्न सरकारी स्कूलों में मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती मनायी गई। वजीरगंज प्रखंड के मध्य विद्यालय दक्षिन गांव में प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार की अध्यक्षता से जयंती समारोह आयोजित की गई। मौलाना आजाद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम एक प्रसिद्ध कवि, लेखक, पत्रकार और भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। वे भारत के पहले शिक्षा मंत्री बने। 1992 में उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। 2008 में भारत सरकार ने उनके जन्म दिवस 11 नवंबर को शिक्षा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। इस मौके पर शिक्षक प्रभाकर कुमार, आशा कुमारी, कुमारी सरिता सिन्हा, ज्योत्स्ना शाही, मधु कुमारी, सुनीता कुमारी मौजूद थे।

महिला शिक्षा पर भी की गई चर्चा

अर्थशास्त्र विभाग के प्रशांत श्रीवास्तव ने बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप बिहार में महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं की आवश्यकताओं पर ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए युवा निर्माण आवश्यक है। बी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. माणिक मोहन शुक्ला ने भी अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षिका आरती कुमारी ने भी महिला-शिक्षा के विषय में चर्चा करते हुए मौलाना आजाद के विचारों को प्रस्तुत किया। मीता कुमारी, दीपक कुमार मिश्रा, छात्र कुमार मंगलम व अनिल कुमार सहित अन्य विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम के दौरान अपने विचार प्रस्तुत किए। संचालन सुशील कुमार सिन्हा ने किया।

स्वतंत्रता संग्राम में अबुल कलाम ने निभाई भूमिका

गया|गया कॉलेज के बीएड डिपार्टमेंट में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी शिक्षक और कर्मचारियों ने मौलाना अबुल कलाम आजाद साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय धीरज ने कहा कि मौलाना आजाद के विचार आज भी प्रासंगिक है। कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी की जीवन शैली और उनके विचारों से प्रभावित होकर कई स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलनों में अग्रणी भूमिका निभाई। कहा कि उनकी दूरदर्शिता से ही आईआईटी, आईआईएम और यूजीसी जैसे महत्वपूर्ण संस्थान अस्तित्व में आया। कहा कि भारत सरकार ने सन 1992 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से उन्हें अलंकृत किया। विभागाध्यक्ष ने विद्यार्थियों व शिक्षकों से मौलाना अबुल कलाम के जीवन व आदर्शों को आत्मसात करने और एक नए भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की।

श्रद्धांजलि देते एचओडी।

संविधान दिवस के अवसर पर "हमारे कर्त्तव्य-हमारे अधिकार" विषय पर संगोष्ठी

दिनांक- 26.11.2020

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज गया के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर "हमारे कर्त्तव्य-हमारे अधिकार" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो० डॉ० एम० एस० इस्लाम, रसायनशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो० अजित कुमार सिन्हा, राजनितीशास्त्र के प्राध्यापक डॉ० के० के० पासवान, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ० एस० के० मुखर्जी तथा विशेष वक्ता के रूप में उपस्थित सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के अधिवक्ता श्री मुन्ना कुमार शुभम ने दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात बी० एड संकाय के विद्यार्थी जीतेन्द्र पांडेय , अनिल कुमार, सोनी कुमारी तथा शाइस्ता परवीन ने महाविद्यालय गौरव गान प्रस्तुत किया।

कैंपस/गया प्रभात

कार्यक्रम. संविधान दिवस पर एएम कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

संविधान व भाषा का सदैव करें सम्मान

संवाददाता,गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज गया के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर 'हमारे कर्त्तव्य-हमारे अधिकार' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो डॉ एमएस इस्लाम, रसायनशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो अजीत कुमार सिन्हा, राजनीति शास्त्र के प्राध्यापक डॉ केके पासवान, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ एसके मुखर्जी तथा विशेष वक्ता के रूप में उपस्थित सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के अधिवक्ता मुन्ना कुमार शुभम ने दीप प्रज्वलित कर किया. इसके बाद बीएड संकाय के विद्यार्थी जितेंद्र पांडेय, अनिल कुमार, सोनी कुमारी व शाइस्ता परवीन ने महाविद्यालय का गौरव गान प्रस्तुत किया. संविधान दिवस के महत्व को समझाते हुए इस संगोष्ठी के संचालक शिवेंद्र कुमार मालवीय ने भारतीय संविधान के उद्देशिका का पाठ सभागार में उपस्थित सभी विद्यार्थियों व अतिथियों के साथ किया. कार्यक्रम का स्वागत भाषण अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ अमृतेंदु घोषाल ने किया. संगोष्ठी के विषय हमारे कर्तव्य हमारे अधिकार पर बीएड संकाय के छात्र कुमार मंगलम, प्रबंधन विभाग के सहायक प्राध्यापक नवनीत प्रिये, राजनीति शास्त्र के प्राध्यापक डॉ केके पासवान, मगध विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. रहमत जहां व कानून विभाग के प्राध्यापक डॉ एसके मुखर्जी ने विचार व्यक्त किया. कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में आये अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के कानून विभाग के पूर्व छात्र व सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के अधिवक्ता मुन्ना कुमार शुभम ने सभागार में उपस्थित श्रोताओं को महत्वपूर्ण अधिकारों से अवगत कराया.

कार्यक्रम में शामिल प्रधानाचार्य व अन्य.

अधिकारों के प्रति सजग रहने की जरूरत

कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो डॉ एमएस इस्लाम ने संविधान दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में कहा कि वर्तमान में नागरिकों को अपने अधिकार के प्रति सजग व कर्तव्यों के प्रति कर्तव्यनिष्ठ होना अति आवश्यक है. उन्होंने कहा कि कर्तव्य व अधिकार एक-दूसरे के पूरक हैं. प्रधानाचार्य ने संविधान व अपनी भाषा का सदैव सम्मान करने के लिए लोगों को प्रेरित किया. इस कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा किया गया, जिसके कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ श्वेता सिंह ने संविधान के विशेषताओं को विशेष व सरल रूप से प्रस्तुत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया. इस को सफल बनाने में डॉ राजेश रंजन पांडेय,डॉ धनंजय कुमार, डॉ आरिफ सतार, डॉ नरेंद्र कुमार, प्रो अनंत सिंह, प्रो एमएम शुक्ला, आरती कुमारी, मिन्हाजुल हसन व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों सहित कई विभागों के छात्र-छात्राओं ने भूमिका निभायी.

संविधान न होता, तो देश में कानून नहीं होता

गया. चेरकी बाजार में सनलाइट एकता फाउंडेशन के द्वारा संविधान दिवस मनाया गया. जीशान प्रिंस ने कहा कि अगर संविधान न होता, तो इस देश में कानून न होता. भ्रष्टाचार पर हमेशा रोक लगाने वाला कानून न होता. कार्यक्रम में शिब्बी खान, सहबाज खान, गजाली इमाम , सुनील सिंह ,शहंशाह अकबर, संजीव यादव, अभिषेक सिंह, फैजान मुजफ्फर, प्रिंस खान, साजिद, इकबाल, विनय, हस्मत अली खान व अन्य मौजूद थे.

एमयू में शिक्षकों व कर्मचारियों ने संविधान का लिया संकल्प

बोधगया. मगध विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में संविधान दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. शुरुआती सत्र में सहायक प्रो परवेज अख्तर ने कहा कि संविधान सभा के सभी सदस्यों, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर और डॉ राजेन्द्र प्रसाद को उत्कृष्ट, कुशल और अति परिश्रम के लिए उन्हें आज याद करना ही उनके लिए भावभीनी श्रद्धांजलि होगी. उन्होंने संविधान की प्रस्तावना को सभी के समक्ष पढ़ा. डॉ पर्वत कुमार धल ने सभी को संविधान दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश को प्रगति के रास्ते पर ले जाने और को एक धागे में पिरोने के लिए संविधान अति आवश्यक है और सभी को देश के संविधान के मुताबिक जीवन जीने का आज संकल्प लेना चाहिए. डॉ नरेन्द्र पांडेय ने कहा कि जब प्रस्तावना में 'हम' है तब देश के एकता में ही सारी शक्ति है और संविधान यह बताता है कि पूरा भारत एक है और मैं नहीं हम में ही सभी कुछ है. उन्होंने खुद से न्याय करने के लिए कहा. इस अवसर पर शिक्षा विभाग के निदेशक प्रोफेसर सुशील कुमार सिंह के संदेश को परवेज अख्तर ने पढ़ा. संदेश में उन्होंने सभी को आज के महत्व को समझने, ईमानदारी के साथ अपने दायित्व को निभाने और संविधान के प्रति श्रद्धा व आस्था रखने की अपील की थी. शिक्षकों में डॉ नरगिस नाज, डॉ विवेकानंद, प्रोफेसर जयदेव, कामरान हसन, अशफाक अहमद, मुनीरा जबीन, ओमप्रकाश, मैनेजर तारिक अमीन, कर्मचारियों में शादाब हुसैन, नासिर खान, रूपेश कुमार, राजेश कुमार व अन्य उपस्थित थे. एमयू के नोडल अफसर संजय कुमार ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रति यह सच्ची श्रद्धांजलि है.

संविधान दिवस पर शपथ लेते रेल कर्मचारी.

अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर परिचर्चा कार्यक्रम

दिनांक- 05.12.2020

अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका विषय था " कौशल विकास के लिए स्वयंसेवक बनें।" आज के परिचर्चा का कार्यक्रम सेमिनार हॉल में किया गया था जिसमें सर्वप्रथम राष्ट्रीय सेवा योजना गीत "उठें समाज के लिए उठें, स्वयं सजें वसुंधरा सवार दें" गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ एम शमशुल इस्लाम की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रबंध संकाय के प्राध्यापक श्री नवनीत प्रिये ने अपने उद्बोधन में कहा कि कौशल विकास के लिए स्वयंसेवक के रूप में कार्य करना एक अद्भुत अवसर है। वर्तमान में सरकारी तथा प्राइवेट क्षेत्र में उपलब्ध अवसर युवाओं की कौशल दक्षता पर आधारित है क्योंकि शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ स्किल्ड होना आज के समय की महत्वपूर्ण मांग है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों में कुणाल, विश्वजीत, विपिन, रोहित, राहुल, अविनाश, रमेश, निशा, शिवानी, आदि उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

गया आसपास

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस • इस अवसर पर अनुग्रह कॉलेज में परिचर्चा आयोजित

समाज के वंचित व पिछड़े तबके के लिए हमेशा करते रहें कामः डॉ. शम्सुल

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर शनिवार को विभिन्न कॉलेजों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने जीवन भर गरीब व लाचारों की सेवा करते रहने का संकल्प लिया। अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज गया के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कौशल विकास के लिए स्वयंसेवक बनें यह परिचर्चा का विषय था। सेमिनार हॉल में कार्यक्रम हुआ। जिसमें सर्वप्रथम एनएसएस की गीत "उठें समाज के लिए उठें, स्वयं सजें वसुंधरा सवार दें" गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। प्रधानाचार्य डॉ. एम शमशुल इस्लाम ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में ही नहीं बल्कि जीवन पर्यंत स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए समाज के वंचित और पिछड़े तबके के लिए काम करना चाहिए जो कि हमारे सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। मुख्य वक्ता के रूप में प्रबंध संकाय के प्राध्यापक नवनीत प्रिये ने अपने उद्बोधन में कहा कि कौशल विकास के लिए स्वयंसेवक के रूप में कार्य करना एक अद्भुत अवसर है।

स्वयंसेवक बनकर विकसित करें अपनी कौशल दक्षता को विषय पर हुई परिचर्चा

परिचर्चा में शामिल प्राचार्य व प्राध्यापक।

शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ स्किल्ड होना समय की मांग

वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र में उपलब्ध अवसर युवाओं की कौशल दक्षता पर आधारित है क्योंकि शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ स्किल्ड होना आज के समय की महत्वपूर्ण मांग है। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सेवा देने वाले स्वयंसेवकों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में सहयोग के साथ-साथ सामाजिक शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्र में अपना योगदान देना होता है, जिसके माध्यम से वह विभिन्न प्रकार के कौशल जैसे समूह में कार्य करने की भावना, नेतृत्व कौशल, वक्तृत्व कौशल और विषम परिस्थितियों में सकारात्मक ऊर्जा के साथ कार्य करने की विशेष क्षमता स्वयंसेवकों में विकसित होती है।

सेवा देने की महत्ता की की मिली जानकारी

कहा कि विद्यार्थियों से राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ-साथ अन्य संस्थानों में भी स्वयंसेवक के रूप में सेवा देने की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। प्रबंध संकाय के ही वरीय प्राध्यापक डॉ. सुशांत कुमार मुखर्जी ने अपने उद्बोधन में समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व का वर्णन करते हुए स्वयंसेवक के रूप में कार्य करने की विशेषताओं और साथ ही साथ उसे मानवीय गुणों के विकास में होने वाले लाभों की विस्तार में चर्चा की। रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ. निधि त्रिपाठी ने समाज कल्याण की भावना के साथ देश सेवा करने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए स्वयंसेवक के गुणों पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ श्वेता सिंह ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों में कुणाल, विश्वजीत, विपिन, रोहित, राहुल, अविनाश, रमेश, निशा, शिवानी, आदि उपस्थित थे।

स्वयंसेवकों ने स्लम एरिया में बांटे गर्म कपड़ें

गया कॉलेज,गया राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने गोद लिए हुए स्लम एरिया के लोगों के बीच गर्म कपड़ों का वितरण किया। विशाल राज ने इसका नेतृत्व किया। बताया कि पिछले साल की तरह इस साल भी एनएसएस के स्वयंसेवकों ने ठाना है कि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण तकलीफ में ना रहे, इसलिए में हफ्ते में दो दिन कपड़े वितरण का सिलसिला जारी रहेगा। अनुराग कुमार, सावन अभिषेक,रौनित पासवान उर्फ बंटी,गौतम प्रकाश, प्राची गुप्ता, हरदीप कुमार, भीम सिंह ने इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया।

फैकल्टी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम का आयोजन

दिनांक- 02.02.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में फैकल्टी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम का आयोजन महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में आई सी टी के माध्यम से ऑनलाइन पठन- पाठन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और ट्रेनिंग हुई। डॉ अमृतेंदु घोषाल सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी सह आई क्यू ए सी कोऑर्डिनेटर ने शिक्षकों से ऑनलाइन पठन पाठन के माध्यमों पर चर्चा की एवं अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस पद्धति से जोड़ने पर बल दिया। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य प्रो (डॉ) एम् शम्सुल इस्लाम के साथ सभी शिक्षक उपस्थित थे।

ऑनलाइन स्टडी से अधिक से अधिक छात्रों को जोड़ने पर बल

स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल शिक्षक.

संवाददाता, गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में फैकल्टी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम का आयोजन मंगलवार को स्वामी विवेकानंद सभागार में किया गया है. इस कार्यक्रम में आइसीटी के माध्यम से ऑनलाइन पठन-पाठन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा व ट्रेनिंग हुई. अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक सह आइक्यूएसी को-ऑर्डिनेटर डॉ अमृतेंदु घोषाल ने शिक्षकों से ऑनलाइन पठन-पाठन के माध्यमों पर चर्चा की एवं अधिक-से-अधिक विद्यार्थियों को इस पद्धति से जोड़ने पर बल दिया. बीसीए विभाग के अध्यक्ष आरिफ मोहम्मद सत्तार ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से जूम एप पर ऑनलाइन क्लास लेने के पद्धति पर प्रकाश डाला. बीसीए विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ नरेंद्र कुमार ने गूगल क्लास रूम पर प्रेजेंटेशन देकर ऑनलाइन पठन-पाठन को सुचारू रूप से चलाने के तरीके बताये. इस कार्यक्रम में प्रेजेंटेशन के साथ हैंड्स ऑन ट्रेनिंग से शिक्षकों को विभिन्न ऑनलाइन टीचिंग प्लेटफॉर्म के उपयोग से अवगत कराया गया. इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य प्रो (डॉ) एम शम्सुल इस्लाम के साथ सभी शिक्षक उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Wed, 03 February 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/61

आईसीटी पद्धति से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ने पर दिया बल

फैकल्टी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम में ऑनलाइन पठन-पाठन पर हुई चर्चा

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के स्वामी विवेकानंद सभागार में मंगलवार को फैकल्टी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आईसीटी के माध्यम से ऑनलाइन पठन- पाठन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई और इसकी ट्रेनिंग भी दी गई। डॉ. अमृतेंदु घोषाल सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी सह आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर ने शिक्षकों से ऑनलाइन पठन-पाठन के माध्यमों पर चर्चा की।

फैकल्टी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम में शामिल शिक्षक

ऑनलाइन क्लास लेने की पद्धति पर डाला प्रकाश

साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस पद्धति से जोड़ने पर बल दिया। बीसीए विभाग के अध्यक्ष आरिफ मोहम्मद सत्तार ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से जूम एप्प पर ऑनलाइन क्लास लेने की पद्धति पर प्रकाश डाला। डॉ नरेंद्र कुमार, सहायक प्राध्यापक, बीसीए विभाग ने गूगल क्लास रूम पर प्रेजेंटेशन देकर ऑनलाइन पठन-पाठन को सुचारु रूप से चलाने के तरीके बताए। इस कार्यक्रम में प्रेजेंटेशन के साथ साथ हैंड्स ऑन ट्रेनिंग से शिक्षकों को विभिन्न ऑनलाइन टीचिंग प्लेटफार्म के उपयोगों से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ) एम शम्सुल इस्लाम के समेत सभी शिक्षक उपस्थित थे।

21 वर्ष सेवा देकर शारीरिक शिक्षक हुए सेवानिवृत्त

बोधगया। खजवती उच्च विद्यालय में शारीरिक शिक्षक के रुप में शिक्षा देने वाले विजय कुमार यादवेंदु 31 जनवरी को सेवानिवृत हो गए है। खजवती में स्थित श्री अच्युतानंद आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय में 11 जनवरी 1999 में वे शारीरिक शिक्षक के पद में कार्यरत हुए थे।

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन

दिनांक- 14.02.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के स्वामी विवेकानंद सभागार में पर्सनैलिटी डेवलपमेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता बिहार विधान परिषद सदस्य, डॉ० संजीव श्याम सिंह ने की जिसमें चीफ रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रो० (डॉ०) जावेद अशरफ, प्राध्यापक मनोविज्ञान विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया सह प्रधानाचार्य, गौतम बुद्ध महिला कॉलेज गया थे। डॉ मुकेश कुमार, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया एवं प्रो० दीपक कुमार, प्राध्यापक, भूगोल विभाग दाउदनगर कॉलेज, दाउदनगर रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित थे। प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने स्वागत भाषण और आगत अतिथियों को पुष्पगुच्छ, मोमेंटो, शाल, आदि प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने अपने स्वागत भाषण में सभी के प्रति आभार एवं स्नेह व्यक्त करते हुए कहा की सभी के सहयोग से ही अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज उत्तरोत्तर प्रगति के विकास पर अग्रसर है। आज के इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य सहित प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि शिक्षक, सहित अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के की भी सक्रिय भूमिका रही।

शिक्षकों में प्रभावशाली व्यक्तित्व रहना जरूरी, ताकि छात्र कर सकें आत्मसात

एएम कॉलेज में 'पर्सनालिटी डेवलपमेंट' विषय पर कार्यशाला आयोजित

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के स्वामी विवेकानंद सभागार में रविवार को पर्सनालिटी डेवलपमेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बिहार विधान परिषद सदस्य डॉ. संजीव श्याम सिंह ने इसकी अध्यक्षता की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए एमएलसी डॉ. सिंह ने व्यक्तित्व विकास के संदर्भ में महत्वपूर्ण चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षक ही समाज का निर्माण करते हैं इसलिए शिक्षकों के व्यक्तित्व में प्रभाव होना चाहिए ताकि विद्यार्थी उसे आत्मसात कर एक अच्छे नागरिक बन सकें। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए उन्होंने प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम शम्सुल इस्लाम का आभार व्यक्त किया। चीफ रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रो. (डॉ.) जावेद अशरफ, प्राध्यापक मनोविज्ञान विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया सह प्रधानाचार्य, गौतम बुद्ध महिला कॉलेज गया थे। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व में गत्यात्मकता के साथ-साथ परिस्थिति के अनुसार संतुलन महत्वपूर्ण विषय है।

कार्यशाला को संबोधित करते प्रधानाचार्य डॉ एम शम्सुल इस्लाम

शिक्षक अपने समावेशी ज्ञान विद्यार्थियों के बीच में बांटे

प्रधानाचार्य प्रो. इस्लाम ने आगत अतिथियों को पुष्पगुच्छ, मोमेंटो, शाल, आदि प्रदान कर सम्मानित किया। दाउदनगर कॉलेज से आए वक्ता दीपक कुमार ने विषय से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए यह बहुत आवश्यक है कि वह अपनी क्षमता और योग्यता में वृद्धि करते हुए समावेशी ज्ञान विद्यार्थियों के बीच में बांटे। डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. मुकेश कुमार आदि ने अपने विचार रखे। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमृतेंदू घोषाल ने धन्यवाद ज्ञापन और प्रबंध विभाग के डॉ. सादात करीम ने मंच का संचालन किया।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस कार्यशाला आयोजन

दिनांक- 21.02.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के स्वामी विवेकानंद सभागार में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गान के द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के बरसर डॉ० राजेश कुमार सिंह ने भी सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी भाषा को महत्व देने कि जरूरत है। इस कार्यक्रम के समन्वयक बी. एड. विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री अनिल कुमार सिंह थे। सभी अतिथियों का स्वागत डॉ. बृजमोहन सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में वाद-विवाद और कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक मंडल के रूप में श्री नवनीत प्रिय, प्रो० ईश्वर सिंह, श्री आरिफ मोहम्मद सत्तार थे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान-प्रिया कुमारी, द्वितीय स्थान- पंकज कुमार तृतीय स्थान- उजाला केसरी रही। इसी प्रकार कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान-सौरभ झा, द्वितीय स्थान- सर्वोत्तम कुमार तृतीय स्थान- रागनी रंजन रही।

मातृभाषा दिवस • वाद-विवाद और कविता प्रतियोगिता का भी किया गया आयोजन

सांस्कृतिक और भाषाई विविधता पर हुई चर्चा

एजुकेशन रिपोर्टर | गया।

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के स्वामी विवेकानंद सभागार में रविवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। स्वागत गान से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विशिष्ट अतिथि सह महाविद्यालय के बर्सर डॉ. राजेश कुमार सिंह ने सांस्कृतिक व भाषाई विविधता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी भाषा को महत्व देने की जरूरत है। बीएड विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक सुशील कुमार सिन्हा ने अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस के ऐतिहासिक पक्षों को बहुत ही प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया। प्रवीण कुमार ने भाषावाद पर चर्चा की और एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। जिसका विषय स्ट्रेटजी एंड प्रॉब्लम्स एनकाउंटर्ड बाई टीचर्स इन इंप्लीमेंटिंग मदर टंग इन मल्टीलिंगुअल क्लासरूम था। उन्होंने भाषा एवं सांस्कृतिक विविधता वाले कक्षा- कक्ष में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया करते समय कौन -कौन सी समस्याएं आती है, इसके समाधान की जानकारी दी। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने इस कार्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत करने के लिए सभी को बधाई दी है। इस कार्यक्रम के दौरान वाद-विवाद और कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वाद विवाद में प्रथम स्थान-प्रिया कुमारी, द्वितीय पंकज कुमार और उजाला केसरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कविता प्रतियोगिता में सौरभ झा ने पहला, सर्वोतम ने दूसरा और रागनी रंजन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। नवनीत प्रिय, प्रो. ईश्वर सिंह व आरिफ मोहम्मद सत्तार निर्णायक मंडल में थे। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. विभाग के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी स्मृति और अंकुर राज ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वरीय प्राध्यापक अनिल कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय, डॉ. प्रियंवदा गौड़, डॉ. अमृतेंदु घोषाल, आरती कुमारी, सादात करीम आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करती प्रतिभागी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित नेतृत्व में नारी विषय पर सेमिनार

दिनांक- 07.03.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत नेतृत्व में नारी विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ। आज के कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र पर प्रस्तुति दी एवं विद्वत जनों ने संबंधित विषय पर अपने उद्गार व्यक्त किए। आज के कार्यक्रम का शुभारंभ अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज स्थित विवेकानंद सभागार में राष्ट्रगान गाकर प्रारंभ हुआ जिसके पश्चात ने नेतृत्व में नारी एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में गया कॉलेज गया कि अंग्रेजी विभाग के वरीय प्राध्यापिका डॉ० रुनू रवि सहित परीक्षा नियंत्रक डॉ० अजय कुमार सिंह, कार्यक्रम आयोजन सचिव डॉ० अमरितेंदु घोषाल मंचासीन थे। शोध पत्र प्रस्तुति में डॉ० पार्थ सारथी, विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, ने महिला सशक्तिकरण के विभिन्न ऐतिहासिक आयामों का संदर्भ देते हुए वर्तमान समय की समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करवाया वहीं गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ० रूनू रवि, ने मीडिया के माध्यम से स्त्रियों को सशक्त करने और उसके सकारात्मक प्रभाव की विस्तृत चर्चा की।

एएम कॉलेज गया में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी विषय पर हुआ सेमिनार

मेंहदी प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी

आरजू व प्रिया को मिला पहला स्थान

मेंहदी प्रतियोगिता में आरजू सिंह और प्रिया सिंह को पहला, मोहनी पाठक व प्रिया को दूसरा और कौशकी और अनिशा दांगी ने तीसरा स्थान प्राप्त किए। कार्यक्रम में प्रियंका कुमारी, प्रीति कुमारी, मिशु गुप्ता, शिवांगी कुमारी, शिकला कुमारी, साक्षी शर्मा, अर्चना गुप्ता, पूजा कुमारी, भारती कुमारी, रूपम कुमारी,आशा कुमारी आदि मौजूद थीं।

एएम कॉलेज के सेमिनार में शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र की प्रस्तुति की

गया | एएम कॉलेज गया में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत रविवार को नारी विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ। इसमें विभिन्न महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र पर प्रस्तुति दी और विद्वानजनों ने संबंधित विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कॉलेज स्थित विवेकानंद सभागार में नारी व महिला सशक्तिकरण विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में गया कॉलेज गया की अंग्रेजी विभाग के वरीय प्राध्यापिका डॉ. रुनू रवि सहित परीक्षा नियंत्रक डॉ. अजय कुमार सिंह, कार्यक्रम आयोजन सचिव डॉ. अमरितेंदु घोषाल ने महिला सशक्तिकरण के विभिन्न ऐतिहासिक आयामों का संदर्भ देते हुए वर्तमान समय की समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करवाया।

शिक्षित होंगी जब महिलाएं, शिक्षित होगा सकल समाज ...

ओजस्विनी की काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

गया | अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की सहयोगी संस्था ओजस्विनी की ओर से महिला दिवस के मद्देनजर रविवार को एक ऑन लाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगठन की जिलाध्यक्ष डॉ. कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी के निर्देशन में युवाओं ने शिक्षित महिलाएं, शिक्षित समाज विषय पर अपने विचार रखे। स्वरचित काव्य पाठ की श्रृंखला में प्रथम कड़ी के रूप में युवा कवयित्री दिव्या मिश्रा ने अपनी कविता, बंदिशों की बेड़ियों को तोड़कर उड़ना है हमें, पुरुषों की बराबरी नहीं, उनसे आगे बढ़ना है हमें" का पाठ किया। कवयित्री डॉ. प्रियदर्शनी ने कहा कि शिक्षित होंगी जब महिलाएं, शिक्षित होगा सकल समाज। नूतन संस्कृति, नयी सभ्यता का होगा नवीन आगाज। शोषण होगा बंद, हमें होगा नव परिवर्तन पर नाज। निखरेगा आने वाला कल, निखर-निखर जाएगा आज। आदर्श मध्य विद्यालय, चिरैली की विज्ञान शिक्षिका कवयित्री डॉ ज्योति प्रिया, हेमा कुमारी, प्रीति, ईशान सिन्हा आदि ने अपने विचार रखे।

ऑन लाइन काव्य गोष्ठी में शामिल वक्ता

डॉ० भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के शुभ अवसर पर वेबीनार का आयोजन

दिनांक- 14.04.2021

कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से भारत रत्न डॉ० भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के शुभ अवसर पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार दिन में 11:00 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने बाबासाहेब के जीवन के विभिन्न आयामों सहित उनके योगदान की विस्तृत चर्चा की एवं भारत के विकास के लिए उनके द्वारा लिए गए दूरदर्शी निर्णयों के परिणामों पर विचार रखते हुए कहा कि आज उनके द्वारा लिए गए निर्णय के सकारात्मक प्रभाव हम देख सकते हैं। प्रधानाचार्य ने अपने उद्बोधन में युवाओं को प्रेरणा लेने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आज के युवाओं को यह बात सीखने की आवश्यकता है कि विषम परिस्थितियों में भी राष्ट्र निर्माण की दिशा में हम कैसे सार्थक प्रयास कर सकते हैं।

जागरण-15-4-21

आंबेडकर की 130वीं जयंती पर वेबिनार का आयोजन

जागरण संवाददाता, गया : अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की130 वीं जयंती के पर वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो.डॉ. एम. शमसुल इस्लाम ने बाबासाहेब के जीवन के विभिन्न आयामों सहित उनके योगदान की विस्तृत चर्चा की एवं भारत के विकास के लिए उनके द्वारा लिए गए दूरदर्शी निर्णयों के परिणामों पर विचार रखते हुए कहा कि आज उनके द्वारा लिए गए निर्णय के सकारात्मक प्रभाव हम देख सकते हैं।

कार्यक्रम में मंच संचालन प्रबंध विभाग के प्राध्यापक नवनीत प्रिय ने किया एवं कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग का दायित्व मुकेश कुमार ने निभाया। इस वेबीनार के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं शिक्षकों सहित शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की सहभागिता रही। साथ ही विद्यार्थियों ने भी बड़ी संख्या में वेबीनार में भाग लिया।

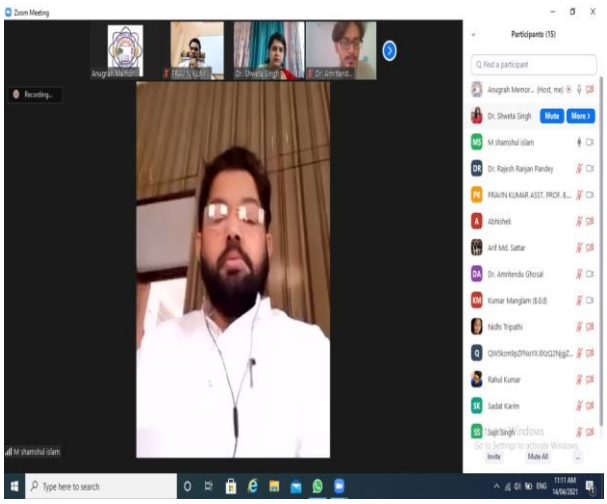

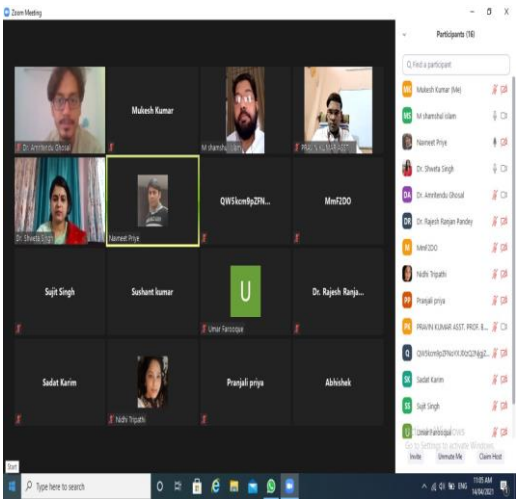

वेबिनार • एनएसएस इकाई और दर्शनशास्त्र विभाग की ओर आयोजित वेबिनार में वक्ताओं ने कहा

आज देखा रहा बाबा साहब के दूरदर्शी निर्णय का प्रभाव

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

एएम कॉलेज की एनएसएस इकाई और दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती के शुभ अवसर पर बुधवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने बाबा साहेब के जीवन के विभिन्न आयामों सहित उनके योगदान की विस्तृत चर्चा की। भारत के विकास के लिए उनके द्वारा लिए गए दूरदर्शी निर्णयों के परिणामों पर विचार रखते हुए कहा कि आज उनके द्वारा लिए गए निर्णय के सकारात्मक प्रभाव हम देख सकते हैं। प्रधानाचार्य ने कहा कि आज के युवाओं को यह

बात सीखने की आवश्यकता है कि विषम परिस्थितियों में भी राष्ट्र निर्माण की दिशा में हम कैसे सार्थक प्रयास कर सकते हैं। दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष सह राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. श्वेता सिंह ने अंबेडकर जी के मानववाद दर्शन की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय संविधान में उनके जीवन दर्शन के सिद्धांत का प्रत्यक्षीकरण होता है। महाविद्यालय के नोडल अधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि संविधान निर्माण में बाबा साहब का योगदान और देश के आर्थिक विकास का ढांचा जो उनके दिशा निर्देशन के सहयोग से निर्मित किया गया, वह आज भी प्रभावोत्पादक सिद्ध हो रहे हैं।

लोकतांत्रिक व्यवस्था की रखी मजबूत नींव

महाविद्यालय के सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. अमरितेंदु घोषाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के लिए उनके संघर्ष एवं भारत वापसी के पश्चात संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होकर उनके द्वारा किए गए कार्य चिरस्मरणीय है। उन्होंने यह भी कहा कि बाबा साहेब ने लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण तत्व सामाजिक समरसता एवं समानता को प्रमुखता देते हुए सक्षम एवं प्रतिमान स्वरूप भारतीय संविधान को भारतीयों के लिए प्रस्तुत करने में अहम योगदान दिया।

उनके विभिन्न आयामों को किया प्रस्तुत

रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ. निधि त्रिपाठी ने संविधान निर्माण में उनकी भूमिका और गांधीवादी विचारों पर प्रकाश डाला। डॉ. त्रिपाठी ने मानव धर्म को सर्वोपरि मानते हुए अपने जीवन मूल्यों में इसका प्रत्यक्षीकरण कराते हुए जनसामान्य के कल्याण का विचार को क्रियान्वित करना बाबा साहब आंबेडकर की देन बताया। कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष आरिफ मोहम्मद सत्तार ने पावर प्वाईंट प्रेजेंटेशन से बाबासाहेब के जीवन के विभिन्न आयामों, संघर्षों, आदि को प्रस्तुत किया।

"इंटरनेशनल मदर अर्थ डे" के अवसर पर "भूजल संसाधनों का संरक्षण" विषय पर वेबीनार

दिनांक- 22.04.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में "इंटरनेशनल मदर अर्थ डे" के अवसर पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का विषय "भूजल संसाधनों का संरक्षण" रखा गया था। कार्यक्रम में प्रबंध विभाग के प्राध्यापक श्री नवनीत प्रिये ने कार्यक्रम संचालन करते हुए सभी वक्ताओं एवं अध्यक्ष का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का प्रारंभ किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने भूजल की सीमित उपलब्धता एवं इसके महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि सभी जीवो के लिए जल की महत्ता सर्वविदित है। उन्होंने यह भी बताया कि हम भूजल संसाधनों का समुचित प्रयोग नहीं कर पा रहे जो कि उचित नहीं है। प्रधानाचार्य ने भूजल संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों में हम सभी की सहभागिता को सुनिश्चित करने का आवाहन करते हुए कहा कि भावी पीढ़ी और भविष्य के लिए सभी जीवो के जीवन उद्देश्य पूर्ति के लिए इस विषय पर गंभीरता से विचार करने एवं कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने भूजल संसाधनों के संरक्षण के विभिन्न उपायों और देश-विदेश में किए गए शोधों पर भी प्रकाश डाला।

भू-जल संरक्षण में हो सभी की सहभागिता

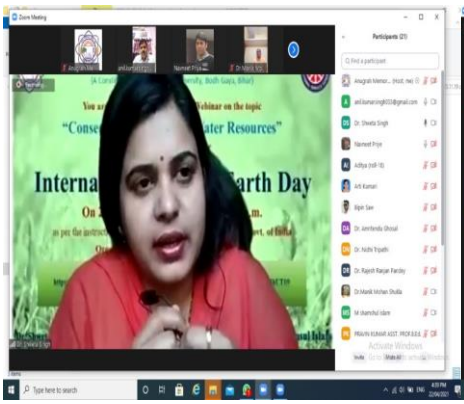

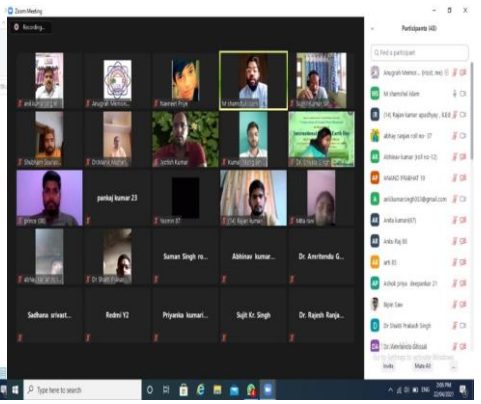

एएम कॉलेज में वेबिनार का हुआ आयोजन

संवाददाता,गया

इंटरनेशनल मदर अर्थ डे के मौके पर अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में वेबिनार का आयोजन किया गया. वेबिनार का विषय भूजल संसाधनों का संरक्षा रखा गया. अध्यक्षीय भाषण देते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ एम शमशुल इस्लाम ने भू- जल की सीमित उपलब्धता एवं इसके महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि सभी जीवों के लिए पानी की जरूरत सर्वविदित है. उन्होंने यह भी बताया कि भू-जल संसाधनों का समुचित प्रयोग होना जरूरी है. प्रधानाचार्य ने भूजल संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों में सभी की सहभागिता को सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए कहा कि भावी पीढ़ी और भविष्य के लिए सभी जीवों के जीवन उद्देश्य पूर्ति के लिए इस विषय पर गंभीरता से विचार करने व कार्य करने की आवश्यकता है.कॉलेज के सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० अमरितेंदु घोषाल ने भारतीय परंपरा में भूजल एवं जल संरक्षण की प्रवृत्तियों पर पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति देते हुए बताया

वेबिनार में शामिल वक्ता.

कि हमारी संस्कृति एवं सभ्यता के विकास के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं सदुपयोग के महत्व को अपनाया गया है. उन्होंने वेद, उपनिषद एवं अन्य शास्त्रों में वर्णित प्रकृति की महत्ता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए सभी लोगों को इस विषय पर संवेदनशीलता से क्रियाशील होने की बात कही. डॉ घोषाल ने प्राचीन जल संरक्षण की व्यवस्था को भी चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए लोगों को इस विषय पर संवेदनशील होने के लिए प्रेरित किया.

प्रकृति प्रति सजग होने की जरूरत

शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एमएम शुक्ला ने कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस के मनाने के मूलभाव में प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्व के प्रति सजग होना है . मानव में ही प्रकृति के संसाधनों का समुचित प्रयोग न करते हुए अनेक प्रकार की समस्याओं को जन्म दिया है . हमारे रीति-रिवाजों में प्रकृति को पूजन करने की पद्धति जो आज भी चल रही है इस विषय का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि प्रकृति और मनुष्य का संबंध कितना महत्वपूर्ण है . इन के पश्चात अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षा विभाग के प्राध्यापक सुशील कुमार सिन्हा ने कहा कि आज के कार्यक्रम का उद्देश्य है प्रकृति और पृथ्वी की रक्षा और उसके संसाधनों के प्रति अपने उत्तरदायित्व का वहन करते हुए समुचित उपयोग करें . हमें आज प्रकृति से संबंधित सिद्धांतों को व्यवहार में लाने की आवश्यकता है तभी हम सभी का अस्तित्व संरक्षित हो पायेगा. कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे.

छोटी कोशिश से बदलाव संभव

वेबिनार में नोडल अधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ राजेश रंजन पांडेय ने अपने उद्बोधन में अपने दैनिकादिनी के क्रियाकलापों में व्यावहारिक परिवर्तन के माध्यम से जल संरक्षण के विषय पर प्रकाश डाला . उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी बातों से हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं जल संरक्षण के लिए और कई स्थानों पर इस तरह के प्रयोग हुए हैं जिसके माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में सकारात्मक बदलाव आया है . रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधि त्रिपाठी ने भू जल संरक्षण की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विषय आज के समय में ही गंभीर समस्या बन चुका है . लेकिन दुर्भाग्य है कि वर्तमान में हम सभी इसके प्रति गंभीर रूप से सचेत नहीं हो पाये हैं . बड़ी संख्या में लोग पेयजल से वंचित हैं और शुद्ध जल अनुपलब्धता एक बड़ी समस्या के रूप में हम सभी के सामने हैं इसलिए समय की मांग है कि हम इस विषय पर गंभीरता से विचार करते हुए यथोचित प्रयास करें . उन्होंने कहा कि प्रकृति से हम उतना ही लें जितना आवश्यक हो और साथ ही प्रकृति को समुचित प्रकार से लौटाने का भी प्रयास करें .

वेबिनार • एएम कॉलेज की एनएसएस इकाई की ओर से इंटरनेशनल मदर अर्थ डे पर वेबिनार आयोजित

भूजल संरक्षण के लिए हो रहे प्रयासों में हम सब की सहभागिता आवश्यक: डॉ. शम्सुल

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में गुरुवार को "इंटरनेशनल मदर अर्थ डे" के अवसर पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें भूजल संसाधनों का संरक्षण विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। प्रबंध विभाग के प्राध्यापक नवनीत प्रिये ने कार्यक्रम संचालन करते हुए सभी वक्ताओं और अध्यक्ष का स्वागत किया।कार्यक्रम में सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने भूजल की सीमित उपलब्धता और इसके महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि सभी जीवो के लिए जल की महत्ता सर्वविदित है। उन्होंने यह भी बताया कि हम भूजल संसाधनों का समुचित प्रयोग नहीं कर पा रहे जो कि उचित नहीं है। प्रधानाचार्य ने भूजल संरक्षण के लिए हो रहे प्रयासों में हम सभी की सहभागिता को सुनिश्चित करने का आवाह्न करते हुए कहा कि भावी पीढ़ी और भविष्य के लिए सभी जीवों के जीवन उद्देश्य पूर्ति के लिए इस विषय पर गंभीरता से विचार करने और कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने भूजल संसाधनों के संरक्षण के विभिन्न उपायों और देश-विदेश में किए गए शोधों पर भी प्रकाश डाला।

संस्कृति व सभ्यता के विकास में प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण महत्वपूर्ण : महाविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमरितेंदु घोषाल ने भारतीय परंपरा में भूजल व जल संरक्षण की प्रवृत्तियों पर पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि हमारी संस्कृति एवं सभ्यता के विकास के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व सदुपयोग के महत्व को अपनाया गया है। उन्होंने वेद, उपनिषद और अन्य शास्त्रों में वर्णित प्रकृति की महत्ता व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए सभी लोगों को इस विषय पर संवेदनशीलता से क्रियाशील होने की बात कही। डॉ. घोषाल ने प्राचीन जल संरक्षण की व्यवस्था को भी चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए लोगों को इस विषय पर संवेदनशील होने के लिए प्रेरित किया।

भूजल संसाधनों का संरक्षण विषय पर वक्ताओं ने रखे अपने विचार

इंटरनेशनल मदर अर्थ डे पर आयोजित वेबिनार में शामिल वक्तागण।

वेबिनार को संबोधित करती कार्यक्रम पदाधिकारी

जल संरक्षण की दिशा में हुए हैं सकारात्मक बदलाव

इस दौरान नोडल अधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में अपने दैनिकादिनी के क्रियाकलापों में व्यवहारिक परिवर्तन के माध्यम से जल संरक्षण के विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी बातों से हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं। जल संरक्षण के लिए और कई स्थानों पर इस तरह के प्रयोग हुए हैं जिसके माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में सकारात्मक बदलाव आया है। रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ. निधि त्रिपाठी ने भू जल संरक्षण की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विषय आज के समय में ही गंभीर समस्या बन चुका है। लेकिन दुर्भाग्य है कि वर्तमान में हम सभी इसके प्रति गंभीर रूप से सचेत नहीं हो पाए हैं।

सभी प्राकृतिक संसाधन हैं हमारे धरोहर

अगले वक्ता के रूप में सुजीत कुमार सिंह ने कहा पौराणिक हमारे जीवन को ग्रंथों के अनुसार पृथ्वी को मां का स्थान दिया गया है। प्रकृति द्वारा प्रदत सभी संसाधन हमारे धरोहर हैं। जल संरक्षण के लिए किए जाने वाले प्रयासों की ओर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि सूक्ष्म सिंचाई योजना के माध्यम से कृषि क्षेत्रों में और वन संरक्षण के अंतर्गत पौधारोपण आदि विषयों पर ध्यान देकर हम जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर सकते हैं। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एम. एम. शुक्ला ने कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस के मनाने के मूलभाव में प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्व के प्रति सजग होना है।

प्रकृति के सिद्धांतों को व्यवहार में लाने की आवश्यकता

प्राध्यापक सुशील कुमार सिन्हा ने कहा आज के कार्यक्रम का उद्देश्य है प्रकृति और पृथ्वी की रक्षा और उसके संसाधनों के प्रति अपने उत्तरदायित्व का वहन करते हुए समुचित उपयोग। हमें आज प्रकृति से संबंधित सिद्धांतों को व्यवहार में लाने की आवश्यकता है तभी हम सभी का अस्तित्व संरक्षित हो पाएगा। प्राध्यापक अनिल कुमार सिंह ने कहा प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और दुरुपयोग के कारण आज प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण महत्वपूर्ण विषय हो गया है। पूर्व काल में लोग अपने आचरण व्यवहार में प्रकृति के संसाधनों के प्रति जागरूक व्यवहार रखते थे परंतु आज मानव अंधाधुन वैज्ञानिक प्रगति के साथ साथ प्रकृति के प्रति भी उपेक्षा का भाव रख रहा है जिसका परिणाम प्राकृतिक आपदाओं के रूप में हम सभी के सामने हैं।

"इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स- चैलेंजिस एंड सॉल्यूशंस" पर वेबीनार

दिनांक- 29.04.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के आइक्यूएसी एवं व्यवसाय अध्ययन विभाग के तत्वावधान में "इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स- चैलेंजिस एंड सॉल्यूशंस" पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार के अंतर्गत बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न आयामों सहित वैश्विक एवं भारतीय परिपेक्ष में परिचर्चा आयोजित हुई। कार्यक्रम में प्रबंध विभाग के प्राध्यापक डॉ० सादात करीम ने कार्यक्रम संचालन करते हुए सभी वक्ताओं एवं अध्यक्ष का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का प्रारंभ किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के विभिन्न आयाम एवं इसके आर्थिक एवं सामाजिक महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि बौद्धिक संपदा का संरक्षण वर्तमान में प्रासंगिक विषय है और किसी भी देश के लिए वहां की बौद्धिक संपदा किसी अन्य संपदा से कमतर नहीं है।

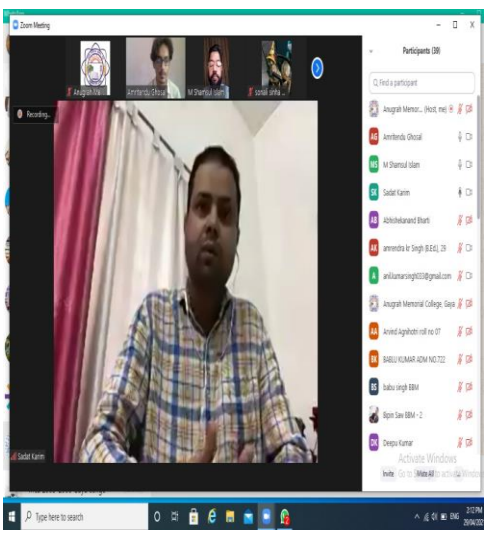

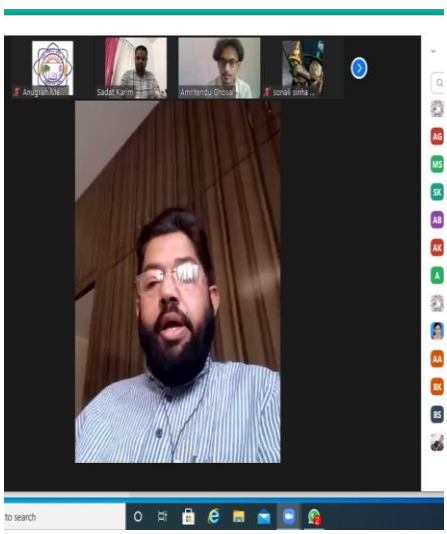

बौद्धिक संपदा का संरक्षण वर्तमान में प्रासंगिक विषय

➲ अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के आइक्यूएसी व व्यवसाय अध्ययन विभाग के तत्वाधान में हुआ वेबिनार

संवाददाता, गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के आइक्यूएसी व व्यवसाय अध्ययन विभाग के तत्वाधान में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स- चैलेंजिस एंड सॉल्यूशंस पर वेबिनार का आयोजन किया गया. वेबीनार के अंतर्गत बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न आयामों सहित वैश्विक एवं भारतीय परिपेक्ष्य में परिचर्चा आयोजित हुई. कार्यक्रम में प्रबंध विभाग के प्राध्यापक डॉ सादात करीम ने कार्यक्रम संचालन करते हुए सभी वक्ताओं एवं अध्यक्ष का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का प्रारंभ किया. कार्यक्रम में सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो (डॉ) एम शमसुल इस्लाम ने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के विभिन्न आयाम एवं इसके आर्थिक एवं सामाजिक महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि बौद्धिक संपदा का संरक्षण वर्तमान में प्रासंगिक विषय है और किसी भी देश के लिए वहां की बौद्धिक संपदा किसी अन्य संपदा से कमतर नहीं है. उन्होंने यह भी कहा कि हमारा देश बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में प्राचीन काल से ही संपन्न रहा है और हमें इसके संरक्षण के संदर्भ में विशेष कार्य करने की जरूरत है ताकि आर्थिक व सामाजिक क्षेत्र में कल्याणकारी योजनाओं को प्रतिस्थापित करते हुए देश को समृद्ध व विकसित बनाया जा सके. प्रधानाचार्य ने कहा कि संबंधित विषय में हम सभी की सहभागिता को सुनिश्चित करते हुए भावी पीढ़ी और भविष्य के लिए सभी को सार्थक प्रयास करने की आवश्यकता है.

नोडल अधिकारी ने जताया आभार : नोडल अधिकारी सह आइक्यूएसी सदस्य डॉ राजेश रंजन पांडेय ने सभी वक्ताओं सहित प्रधानाचार्य का विशेष आभार प्रकट करते हुए कहा कि वर्तमान में अत्यंत ही प्रासंगिक विषय पर आयोजित यह वेबिनार बौद्धिक संपदा और उसके संरक्षण विषय पर विद्यार्थियों व अन्य हितधारकों को इस विषय पर और अधिक जानकारी प्राप्त करने को बल प्रदान करेगा. उन्होंने कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाग ले रहे आइक्यूएसी के को-ऑर्डिनेटर एवं अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अमृतेंदु घोषाल, वक्ता के रूप में प्रबंध विभाग के प्राध्यापक सैफ अख्तर व नवनीत प्रिये सहित दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्वेता सिंह, रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ अनिल कुमार सिंह, आरती कुमारी, आदि सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व प्राध्यापकों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का आभार प्रकट किया.

प्राचीन काल से रहा है बौद्धिक संपदा का महत्व

कॉलेज के आइक्यूएसी के कोऑर्डिनेटर सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अमरितेंदु घोषाल ने बौद्धिक संपदा व उसके संरक्षण विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए विभिन्न आयामों पर विचार रखते हुए विषय परिचय कराते हुए विभिन्न केस स्टडीज के माध्यम से अपने विचार रखे . पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति देते हुए बताया कि बौद्धिक संपदा का विषय प्राचीन काल से ही वैश्विक स्तर पर देखा जा सकता है और भारतीय इतिहास से जुड़ी घटनाओं के साथ बौद्धिक संपदा संरक्षण संबंधित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की . डॉ घोषाल ने बौद्धिक व्यवस्था को भी चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए उसके महत्व व प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान समय में विकसित देशों के पास बौद्धिक संपदा के साथ–साथ उसके संरक्षण की व्यवस्था अत्यंत प्रासंगिक एवं अनुकरणीय विषय है .

प्रभात खबर
Fri, 30 April 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/60142474

वेबिनार • एएम कॉलेज में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स विषय पर वेबिनार आयोजित

देश को समृद्ध और विकसित बनाने को बौद्धिक संपदा के संरक्षण की है जरूरत

आइक्यूएसी और व्यवसाय अध्ययन विभाग ने आयोजित किया कार्यक्रम

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

विचार रखते नोडल अधिकारी।

वेबिनार में विचार व्यक्त करते प्रधानाचार्य व अन्य।

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के आइक्यूएसी और व्यवसाय अध्ययन विभाग के तत्वाधान में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स- चैलेंजिस एंड सॉल्यूशंस विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न आयामों सहित वैश्विक व भारतीय परिपेक्ष में परिचर्चा हुई। कार्यक्रम में प्रबंध विभाग के प्राध्यापक डॉ. सादात करीम ने कार्यक्रम संचालन करते हुए सभी वक्ताओं व अध्यक्ष का स्वागत किया। सबसे पहले अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के विभिन्न आयाम, इसके आर्थिक व सामाजिक महत्व की चर्चा की। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा का संरक्षण वर्तमान में प्रासंगिक विषय है और किसी भी देश के लिए वहां की बौद्धिक संपदा किसी अन्य संपदा से कमतर नहीं है। प्रधानाचार्य ने कहा कि हमारा देश बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में प्राचीन काल से ही संपन्न रहा है और हमें इसके संरक्षण के संदर्भ में विशेष कार्य करने की जरूरत है ताकि आर्थिक व सामाजिक क्षेत्र में कल्याणकारी योजनाओं को प्रतिस्थापित करते हुए देश को समृद्ध और विकसित बनाया जा सके। प्रधानाचार्य ने कहा कि संबंधित विषय में हम सभी की सहभागिता को सुनिश्चित करते हुए भावी पीढ़ी और भविष्य के लिए सभी को सार्थक प्रयास करने की आवश्यकता है।

डॉ. घोषाल ने विभिन्न केस स्टडीज के माध्यम से रखे अपने विचार

महाविद्यालय के आइक्यूएसी के को-ऑर्डिनेटर सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमरितेंदु घोषाल ने बौद्धिक संपदा व उसके संरक्षण विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने विभिन्न केस स्टडीज के माध्यम से अपने विचार रखे। साथ ही पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति देते हुए बताया कि बौद्धिक संपदा का विषय प्राचीन काल से ही वैश्विक स्तर पर देखा जा सकता है। उन्होंने भारतीय इतिहास से जुड़ी घटनाओं के साथ बौद्धिक संपदा संरक्षण संबंधित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। डॉ. घोषाल ने बौद्धिक व्यवस्था को भी चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए उसके महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कहा कि वर्तमान समय में विकसित देशों के पास बौद्धिक संपदा के स्वथ-साथ उसके संरक्षण की व्यवस्था अत्यंत प्रासंगिक व अनुकरणीय विषय है। मंच संचालन प्रबंध विभाग के प्राध्यापक डॉ. सादात करीम और कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग का दायित्व मुकेश कुमार ने निभाया।

नकारात्मक और सकारात्मक पहलुओं पर रखे गए विचार

व्यवसाय अध्ययन विभाग के प्राध्यापक सैफ अख्तर ने वैश्विक परिदृश्य में बौद्धिक संपदा व उसके संरक्षण संबंधित विषयों पर अपने विचार रखे। श्री सैफ ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बौद्धिक संपदा संरक्षण से जुड़े चुनौतियों व उसके निराकरण पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में जब पूरा विश्व एक गांव बन चुका है, ऐसे में एक पारदर्शी व विश्वसनीय व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। प्राध्यापक नवनीत प्रिये ने भारत के परिपेक्ष में बौद्धिक संपदा अधिकार एवं उसके संरक्षण के संदर्भ में अपने विचार रखते हुए भारतीय प्राचीन बौद्धिक क्षमता व उससे जुड़े घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने बौद्धिक संपदा के अधिकारों के नकारात्मक व सकारात्मक पहलुओं पर भी विचार रखे। कहा कि प्रस्तुत विषय में यह आवश्यक है कि समाज और लोक कल्याण से जुड़े बौद्धिक संपदा अधिकारों को संकुचित नहीं किया जाए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन को सबों का प्रकट किया आभार

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए नोडल अधिकारी सह आइक्यूएसी सदस्य डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय ने सभी वक्ताओं सहित प्रधानाचार्य का विशेष आभार प्रकट करते हुए कहा कि वर्तमान में अत्यंत ही प्रासंगिक विषय पर आयोजित यह वेबिनार विद्यार्थियों व अन्य हितधारकों को इस विषय पर और अधिक जानकारी प्राप्त करने को बल प्रदान करेगा। सफल आयोजन के लिए दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्वेता सिंह, रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ. निधि त्रिपाठी, सुजीत कुमार, शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एम. एम. शुक्ला, कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष आरिफ मोहम्मद सत्तार, प्राध्यापक डॉ. अनिल कुमार सिंह, श्रीमती आरती कुमारी, आदि सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व प्राध्यापकों, शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का आभार प्रकट किया गया।

'कोविड-19 महामारी के दौरान तनाव प्रबंधन एवं अवसर' विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबीनार

दिनांक- 08.05.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'कोविड-19 महामारी के दौरान तनाव प्रबंधन एवं अवसर'। वेबीनार व्यवसाय अध्ययन विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के समन्वय के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रबंध विभाग के प्राध्यापक श्री नवनीत प्रिये ने कार्यक्रम संचालन करते हुए सभी वक्ताओं एवं अध्यक्ष का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का प्रारंभ किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के कारण हमारी दिनचर्या प्रभावित हुई है और हम सभी तनाव महसूस कर रहे हैं लेकिन यह अवसर है सामाजिक सरोकार एवं सामाजिक दायित्वों की पूर्ति करते हुए विभिन्न माध्यमों से स्वयं को बेहतर बनाने का। उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं कैरियर के क्षेत्र में अपनी योग्यता और क्षमता को बढ़ाते हुए भविष्य के लिए खुद को तैयार करने का यह बेहतर अवसर भी है।

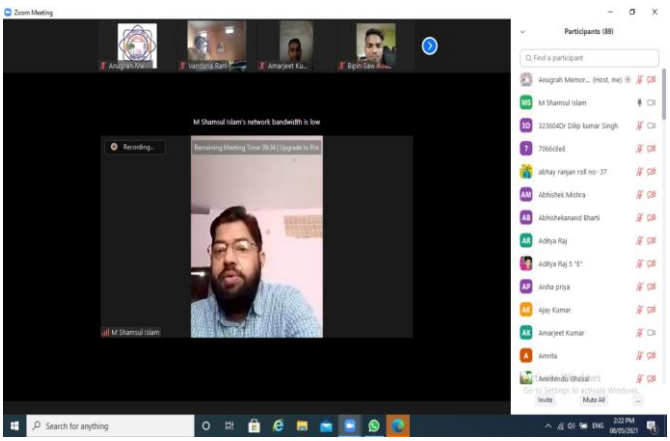

तनाव कम करने के लिए होती रही चर्चा

वेबिनार

गया | वरीय संवाददाता

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शनिवार को किया गया। विषय था ह्यकोविड-19 महामारी के दौरान तनाव प्रबंधन एवं अवसरह्व। वेबीनार व्यवसाय अध्ययन विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के समन्वय के साथ आयोजित हुआ।

वेबीनार में कॉलेज के विशेषज्ञों के अलावा पोलैंड से मुख्य वक्ता के रूप में पोलैंड ईडी एजुकेशन के फाउंडर, श्री गौतम कुमार भी जुड़े थे। उन्होंने कहा कि सामान्यता हम यह समझते हैं कि तनाव जीवन के लिए सही नहीं है जबकि मनुष्य के क्रियाशील होने के लिए तनाव आवश्यक है, लेकिन नियंत्रित और आवश्यक मात्रा में। वर्तमान में कोविड-19 महामारी के दौरान हमारे रूटीन में जो परिवर्तन आया है और भविष्य की अनिश्चिताओं के कारण हम अनियंत्रित मात्रा में तनाव झेल रहे हैं जिसका निदान हम विभिन्न प्रकार के सकारात्मक कार्यों में सहभागी बन कर सकते हैं। प्रबंध विभाग के विद्यार्थी खुशी तिवारी, प्रिया सिंह, विपिन कुमार सहित शिक्षा विभाग के कुमार मंगलम ने अपने अनुभव साझा करते हुए अपनी बातें रखी।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के कारण हमारी दिनचर्या प्रभावित हुई है और हम सभी तनाव महसूस कर रहे हैं लेकिन यह अवसर है सामाजिक सरोकार एवं सामाजिक दायित्वों की पूर्ति करते हुए विभिन्न माध्यमों से स्वयं को बेहतर बनाने का।

महाविद्यालय के सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० अमरितेंदु घोषाल ने कहा कि वर्तमान में विद्यार्थी अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रबंध विभाग के प्राध्यापक नवनीत प्रिय ने किया और धन्यवाद ज्ञापन दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष सह राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ० श्वेता सिंह ने किया। वेबीनार में डॉ० निधि त्रिपाठी, नोडल पदाधिकारी डॉ राजेश रंजन पाण्डेय, डॉ० नीरज कुमार कमल, डॉ अनंत कुमार सिन्हा, सुजीत कुमार आदि कई लोग शामिल हुए।

दैनिक भास्कर

गया

वेबिनार• कोविड-19 के दौरान तनाव प्रबंधन और अवसर विषय पर वक्ताओं ने रखे विचार

मनुष्य को क्रियाशील होने के लिए नियंत्रित रूप में तनाव भी जरूरी

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

गया के एएम कॉलेज में हुआ अंतरराष्ट्रीय वेबिनार, दी गई कई जानकारियां

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज गया में शनिवार को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें कोविड-19 महामारी के दौरान तनाव प्रबंधन और अवसर विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि मनुष्य के क्रियाशील होने के लिए नियंत्रित रूप में तनाव भी आवश्यक है। यह वेबिनार व्यवसाय अध्ययन विभाग व आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के समन्वय से आयोजित हुआ। प्रबंध विभाग के प्राध्यापक नवनीत प्रिये ने कार्यक्रम संचालन किया। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के कारण हमारी दिनचर्या प्रभावित हुई है और हम सभी तनाव महसूस कर रहे हैं। लेकिन यह सामाजिक सरोकार व सामाजिक दायित्वों की पूर्ति करते हुए विभिन्न माध्यमों से स्वयं को बेहतर बनाने का अवसर है। शिक्षा और कैरियर के क्षेत्र में योग्यता व क्षमता को बढ़ाते हुए भविष्य के लिए खुद को तैयार करने का यह बेहतर अवसर भी है। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थी, युवाओं और शिक्षकों को भी समयानुकूल रचनात्मक व शैक्षणिक कार्यों में सकारात्मक प्रयास करने के साथ कार्यशील रहकर तनाव को नियंत्रित करने की दिशा में अपने सुझाव दिए।

पोलैंड से जुडे ईडी एजुकेशन के फाउंडर गौतम कुमार

विचार व्यक्त करते प्रानाचार्य डॉ. शम्सुल इस्लाम

सोशल मीडिया भी है अस्वाभिक तनाव का कारण

अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमरितेंदु घोषाल ने कहा कि वर्तमान में विद्यार्थी व युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं और परिवार पास पड़ोस आदि में अस्वाभाविक समस्याओं के कारण लोग तनाव में हैं। डॉ. घोषाल ने ऑनलाइन माध्यमों से युवाओं व विद्यार्थियों के लिए जो अवसर उपलब्ध है उसके बारे में भी विस्तृत रूप से बताया। उन्होंने विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से स्वयं प्रसन्न रहने और अपने आसपास के लोगों को भी प्रसन्नचित्त रहने के तरीकों पर चर्चा की।

कार्यों में सहभागी बन कर सकते हैं तनाव का निदान

आज के वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में पोलैंड से जुडे ईडी एजुकेशन के फाउंडर गौतम कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि सामान्यता हम यह समझते हैं कि तनाव जीवन के लिए सही नहीं है जबकि मनुष्य के क्रियाशील होने के लिए तनाव आवश्यक है लेकिन नियंत्रित और आवश्यक मात्रा में। वर्तमान में कोविड-19 महामारी के दौरान हमारी दैनिकादिनी में जो परिवर्तन आया है और भविष्य की अनिश्चिताओं के कारण हम अनियंत्रित मात्रा में तनाव झेल रहे हैं।

तनाव प्रबंधन के विभिन्न आयामों की दी गई जानकारी

श्री गौतम ने तनाव प्रबंधन के विभिन्न आयामों की विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए अनेक उपायों को भी सभी के साथ साझा किया। विद्यार्थियों, शिक्षकों के विभिन्न प्रश्नों का भी उत्तर दिया। दैनिक जीवन से जुड़े तनाव, आर्थिक विषयों से जुड़े तनाव और कॅरियर से संबंधित विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से लोगों ने उनसे जानकारियां ली। साथ ही विभिन्न ऑनलाइन माध्यम से चल रहे कार्यक्रमों से जुड़ कर भी योग्यता को बढ़ाते हुए भविष्य के लिए खुद को तैयार करने की दिशा में विद्यार्थियों को निर्देशित किया।

वेबिनार में बताई गई बातें सबों के लिए महत्वपूर्ण

प्रबंध विभाग के विद्यार्थी खुशी तिवारी, प्रिया सिंह, विपिन कुमार सहित शिक्षा विभाग के कुमार मंगलम ने भी विषय पर अपने अनुभव साझा करते हुए अपनी बातें रखी। दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष सह एनएसएस की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. श्वेता सिंह ने पोलैंड से मुख्य वक्ता के रूप में जुड़े श्री गौतम कुमार का विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि आपके द्वारा बताई गई बातें न सिर्फ विद्यार्थी और युवाओं बल्कि शिक्षकों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं उच्च शिक्षा में संभावनाएं विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार दिनांक- 12.05.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में आज कोविड-19 महामारी के पश्चात राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं उच्च शिक्षा में संभावनाएं (पॉसिबिलिटी इन हायर एजुकेशन आफ्टर कोविड-19 इन लाइट ऑफ एनईपी-2020) विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम शमसुल इस्लाम ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रधानाचार्य ने नई शिक्षा नीति पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए इसके विभिन्न पहलुओं पर अपना विचार व्यक्त करते हुए महाविद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर और उपलब्ध संसाधनों के आलोक में इस नई शिक्षा नीति का इंप्लीमेंटेशन कैसे हो इस पर चर्चा विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए अपने विचार रखे। मुख्य प्रवक्ता के रूप में मीरा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सरदूलगढ़ मनसा, पंजाब के प्रधानाचार्य ने अपने विद्वत उद्बोधन में नई शिक्षा नीति और कोविड-19 के चर्चा करते हुए नई शिक्षा नीति पर विस्तृत दृष्टिकोण से अवगत कराया। तीसरे वक्ता के रूप में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड, रांची से डॉ० मनोहर कुमार दास सहायक अध्यापक, शिक्षा विभाग ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से नई शिक्षा नीति और और कोविड-19 महामारी के दौरान हुए परिवर्तनों पर विस्तृत से प्रकाश डालते हुए कहा की प्रारंभिक कक्षाओं और खासकर विद्यालय के बच्चों को ऑनलाइन एजुकेशन से देने से पहले उनके पेरेंट्स को भी इसकी जानकारी देनी चाहिए।

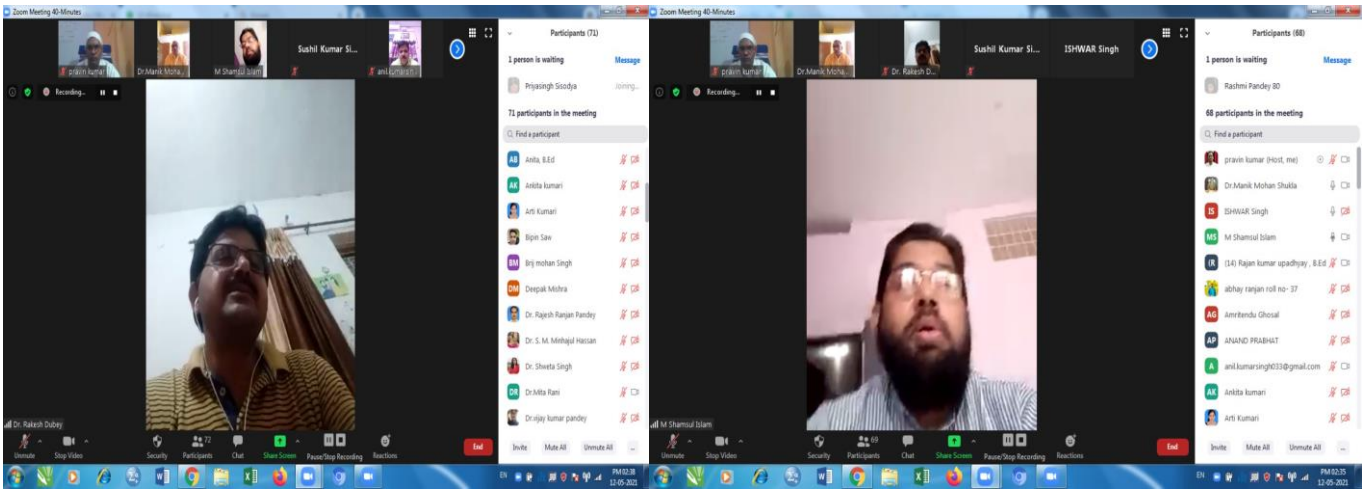

वेबिनार• एएम कॉलेज में कोविड-19 के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षा में संभावनाएं विषय पर वेबिनार

छात्रों को मिले प्राथमिक हेल्थ केयर की ट्रेनिंग

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में बुधवार को कोविड-19 महामारी के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व उच्च शिक्षा में संभावनाएं विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने इसकी अध्यक्षता की। प्रधानाचार्य ने नई शिक्षा नीति पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला और इसके विभिन्न पहलुओं पर अपना विचार व्यक्त किए। इस दौरान महाविद्यालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर और उपलब्ध संसाधनों के आलोक में इस नई शिक्षा नीति का इंप्लीमेंटेशन कैसे हो इस पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने बदलती हुई परिस्थिति व परिवेश में नवाचार को

वेबिनार में शामिल वक्ता

व्यवहारिक रूप से क्रियान्वित करते हुए शिक्षा के मूल्य उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में भी अपने विचार रखे। मुख्य प्रवक्ता के रूप में मीरा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सरदूलगढ़ मनसा, पंजाब के प्रधानाचार्य ने नई शिक्षा नीति और कोविड-19 के चर्चा करते हुए नई शिक्षा नीति पर विस्तृत दृष्टिकोण से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर से ही मूल्यपरक शिक्षा के साथ मूल्यांकन भी पूरा साल होना चाहिए, जिससे बच्चों में किसी भी स्थिति से नुकसान ना हो।

नई शिक्षा नीति बनाने में 2 लाख लोगों से ली राय

मुख्य वक्ता ने कहा कि महाविद्यालय व विश्वविद्यालय स्तर पर सभी छात्रों को प्राथमिक हेल्थ-केयर प्रशिक्षण देना चाहिए, जिससे आकस्मिक स्थिति में सभी छात्र कम से कम समाज और अपने परिवार की रक्षा कर सकें। सीयूएसबी गया के स्कूल ऑफ एजुकेशन के सहायक प्राध्यापक डॉ. नृपेंद्र वीर सिंह ने बताया कि नई शिक्षा नीति को बनाने में 2 लाख लोगों से राय ली गई और यह शिक्षा पॉलिसी दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा पॉलिसी है।

इस वेबिनार के संयोजक सचिव के रूप में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. माणिक मोहन शुक्ला और ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री को-ऑर्डिनेटर प्रोफेसर सुशील कुमार सिन्हा थे।

ऑनलाइन एजुकेशन पर अभिभावकों से करें चर्चा

सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड, रांची से डॉ. मनोहर कुमार दास सहायक अध्यापक, शिक्षा विभाग ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से नई शिक्षा नीति और और कोविड-19 महामारी के दौरान हुए परिवर्तनों पर विस्तृत से प्रकाश डालते हुए कहा की प्रारंभिक कक्षाओं और खासकर विद्यालय के बच्चों को ऑनलाइन एजुकेशन से देने से पहले उनके पेरेंट्स को भी इसकी जानकारी देनी चाहिए। ऑनलाइन एजुकेशन में क्या दिक्कतें आ सकती हैं और आ रही है इन सब पर हमें विचार करने की आवश्यकता है।

"विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया के प्रभाव" विषय पर वेबीनार का आयोजन

दिनांक- 20.05.2021

आईक्यूएसी की ओर से "विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया के प्रभाव" विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वर्तमान समय में जहां सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यम कोरोना महामारी के दौरान संचार के महत्वपूर्ण साधन के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं वहीं इसके नकारात्मक एवं सकारात्मक आयाम भी हैं। इस प्रासंगिक विषय पर वेबीनार में संचालन का दायित्व प्रबंध संकाय के प्राध्यापक डॉ० सादात करीम ने निभाया जिन्होंने स्वागत भाषण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वेबीनार में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो० डॉ० एम० शमसुल इस्लाम ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा के क्षेत्र में सोशल मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। लोग विभिन्न प्रकार की जानकारियां और ज्ञानअर्जन के लिए इन साधनों का प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन इसका नकारात्मक पहलू यह है कि सोशल मीडिया पर युवा अत्याधिक समय नष्ट कर रहे हैं जो बिल्कुल भी उचित नहीं। प्रधानाचार्य ने कहा कि युवा देश का भविष्य है और युवाओं की सहभागिता राष्ट्रप्रेम, समाज-कल्याण, आदि के लिए होनी चाहिए, क्षमता-विकास और कौशल-विकास के लिए होना चाहिए।

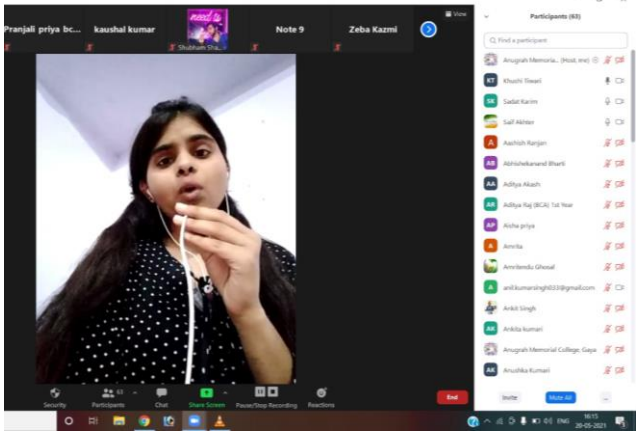

दैनिक भास्कर गया

वेबिनार • एएम कॉलेज के आईक्यूएसी की ओर से विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर वेबिनार आयोजित

जानकारी के लिए हो रहा है सोशल मीडिया का प्रयोग, पर उचित नहीं अधिक समय बर्बाद करना

चीफ रिपोर्टर | गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के आईक्यूएसी की ओर से विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वर्तमान समय में जहां सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यम कोरोना महामारी के दौरान संचार के महत्वपूर्ण साधन के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं वहीं इसके नकारात्मक व सकारात्मक आयाम भी हैं। प्रबंध संकाय के प्राध्यापक डॉ. सादात करीम ने वेबिनार का संचालन करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा के क्षेत्र में सोशल मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। लोग विभिन्न प्रकार की जानकारियां और ज्ञानअर्जन के लिए इन साधनों का प्रयोग कर रहे हैं। लेकिन इसका नकारात्मक पहलू यह है कि सोशल मीडिया पर युवा अत्याधिक समय नष्ट कर रहे हैं जो बिल्कुल भी उचित नहीं। प्रधानाचार्य ने कहा कि युवा देश का भविष्य है और युवाओं की सहभागिता राष्ट्रप्रेम, समाज-कल्याण, आदि के लिए होनी चाहिए, क्षमता-विकास और कौशल-विकास के लिए होना चाहिए। इसलिए विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वह सोशल मीडिया के साथ-साथ जो हमारे परिवेश व समाज के लिए हमारे उत्तरदायित्व हैं उसकी पूर्ति भी यथोचित तरीके से होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया से संबंधित सभी नकारात्मक पहलुओं को नियंत्रित करते हुए विद्यार्थियों को एक उन्नत पीढ़ी के रूप में निर्माण करने में हम सब की भूमिका आवश्यक है।

हम होंगे कामयाब एक दिन वीडियो की हुई ऑनलाइन लॉन्चिंग, साइबर क्राइम के लिए सजग रहने की अपील

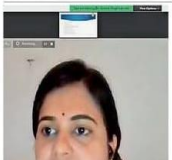

एनएसएस की कार्यक्रम पदाधिकारी

अपनी बातें रखती छात्रा।

वेबिनार को संबोधित करते प्रधाचार्य।

सोशल मीडिया से घट रही है पढ़ने-लिखने की प्रवृति

आइक्यूएसी के को-ऑर्डिनेटर सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमृतेंदू घोषाल ने कहा कि सोशल मीडिया ने हमारी दिनचर्या को बदल कर रख दिया है। कहा कि हम अपने दैनिक जीवन में इसके परिवर्तन को देख सकते हैं। बताया कि इससे पढ़ने की प्रवृत्ति घट रही है, साथ में लिखने की भी, जो विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी सूचना, समाचार व जानकारी के लिए सिर्फ सोशल मीडिया और इंटरनेट पर निर्भरता उचित नहीं है। उन्होंने अलग-अलग सोशल साइट द्वारा किए जा रहे प्रचार के नकारात्मक पहलुओं पर भी विस्तृत रूप से चर्चा की।

पीपीटी के जरिए विभिन्न पहलुओं की जानकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी सह दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्वेता सिंह ने पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति देते हुए सोशल मीडिया से जुड़े विभिन्न सकारात्मक व नकारात्मक पहलुओं के बारे में विस्तृत चर्चा की। कहा कि हम सभी के लिए यह आवश्यक है कि हम सोशल मीडिया पर अत्याधिक समय नष्ट ना करते हुए अपने को बेहतर बनाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में समय का बड़ा महत्व है जिसे विद्यार्थियों को समझते हुए सोशल मीडिया पर दिए जा रहे समय के संबंध में निर्णय लेने चाहिए।

सही तरीके से हो सोशल मीडिया का इस्तेमाल

प्रबंध विभाग के द्वितीय वर्ष के छात्र समरेश ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी योग्यता और विभिन्न जानकारियों को प्राप्त कर समय अनुरूप कौशल दक्षता प्राप्त करने पर चर्चा की और इसके नुकसान पर प्रकाश डाले। छात्रा प्रिया सिंह ने ने कहा कि सोशल मीडिया से लाभ अधिक और नुकसान कम है लेकिन अगर हम इसे सही तरीके से इस्तेमाल करें। वही प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी तिवारी ने सोशल मीडिया के नकारात्मक पक्षों की चर्चा करते हुए कहा कि हमें सीमित समय के लिए ही इस माध्यम का प्रयोग करना चाहिए।

मानसिक तनाव और शारीरिक बीमारियों के रूप में हो रहा दुष्प्रभाव

रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधि त्रिपाठी ने कहा कि सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से विद्यार्थियों को लाभ पहुंच रहा है। आज के समय में विद्यार्थी ज्ञान के विभिन्न आयामों को प्राप्त करने में सक्षम हो रहे हैं लेकिन इसके दुष्प्रभाव जो मानसिक तनाव और शारीरिक बीमारियों के रूप में हमारे सामने आ रहे हैं उनको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने विभिन्न पक्षों की विस्तृत चर्चा करते हुए सोशल मीडिया पर हो रहे साइबर क्राइम के प्रति भी सजग रहने की बात कही।

वीडियो के जरिए फ्रंट लाइन वर्करों को दिया धन्यवाद

आज के इस वेबीनार कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबंध विभाग के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों द्वारा बनाए गए "हम होंगे कामयाब एक दिन" विषय पर वीडियो की ऑनलाइन लॉन्चिंग की गई। इस वीडियो के माध्यम से कोरोना महामारी के इस निराशापूर्ण वातावरण में विद्यार्थियों द्वारा सकारात्मक प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में सेवा दे रहे स्वास्थ्य कर्मचारी, प्रशासन व पुलिसकर्मी सहित अन्य सभी लोगों को धन्यवाद दिया गया है। प्राध्यापक सैफ अख्तर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

विद्यार्थियों पर इंटरनेट मीडिया के प्रभाव विषय पर वेबिनार

जागरण संवाददाता, गया : अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के आईक्यूएसी की ओर से विद्यार्थियों पर इंटरनेट मीडिया के प्रभाव विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वर्तमान समय में जहां विभिन्न माध्यम कोरोना महामारी के दौरान संचार के महत्वपूर्ण साधन के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। वहीं, इसके नकारात्मक एवं सकारात्मक आयाम भी हैं। इस प्रासंगिक विषय पर वेबिनार में संचालन का दायित्व प्रबंध संकाय के प्राध्यापक डॉ. सादात करीम ने निभाया जिन्होंने स्वागत भाषण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. एम. शमसुल इस्लाम ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा के क्षेत्र में इंटरनेट की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। लोग विभिन्न प्रकार की जानकारियां और ज्ञानअर्जन के लिए इन साधनों का प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन इसका नकारात्मक पहलू यह है कि युवा अत्याधिक समय नष्ट कर रहे हैं जो बिल्कुल भी उचित नहीं। आइक्यूएसी के कोऑर्डिनेटर सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमृतेंदु घोषाल ने कहा कि हमारी दिनचर्या को बदल कर रख दिया है। हम अपने दैनिक जीवन में इसके परिवर्तन को देख सकते हैं जैसे पढ़ने की प्रवृत्ति घट रही है, साथ में लिखने की भी, जोकि विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी सूचना, समाचार एवं जानकारी के लिए सिर्फ इंटरनेट पर निर्भरता उचित नहीं है। दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्वेता सिंह ने पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति देते हुए विभिन्न सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलुओं के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए कहा कि हम सभी के लिए यह आवश्यक है कि हम अत्याधिक समय नष्ट ना करते हुए अपने को बेहतर बनाने का प्रयास करें। कार्यक्रम के समापन सत्र में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा संबंधित विषय पर प्रश्न भी पूछे गए जिसके प्रत्युत्तर विभिन्न वक्ताओं ने दिए और समाधान बताया।

विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया के प्रभाव विषय पर चर्चा करतीं वक्ता● जागरण

"विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया के प्रभाव" विषय पर वेबीनार का आयोजन

दिनांक- 23.05.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं आईटी विभाग के द्वारा "सॉफ्ट कंप्यूटिंग एंड इट्स एप्लीकेशंस" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित हुआ। नई तकनीक एवं नवाचार के क्षेत्र में इस प्रासंगिक विषय पर वेबीनार में संचालन का दायित्व प्रबंध संकाय के प्राध्यापक डॉ० सादात करीम ने निभाया जिन्होंने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए शुभारंभ किया। कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं आईटी विभाग के विभागाध्यक्ष आरिफ मोहम्मद सत्तार ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि इस वेबीनार के माध्यम से हम सभी सॉफ्ट कंप्यूटिंग और उसके एप्लीकेशन के बारे में अपनी समझ को बेहतर बनाएंगे और इस नवाचार तकनीक के माध्यम से वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों को भी जानेंगे। वेबीनार में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो० डॉ० एम० शमसुल इस्लाम ने कहा कि मानव जीवन में समस्याओं के समाधान में तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान है। आज कम लागत में उत्पादन, डाटा मैनेजमेंट और मानव जीवन को सुविधापूर्ण एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में सॉफ्ट कंप्यूटिंग एक महत्वपूर्ण विषय है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर खालिद रज़ा, प्राध्यापक कंप्यूटर साइंस विभाग जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने सॉफ्ट कंप्यूटिंग के विभिन्न आयामों की विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए बताया कि कम लागत में बेहतर परिणाम प्राप्त करने की दिशा में हमारी योग्यता को और बेहतर बनाएगा।

एएम कॉलेज में राष्ट्रीय वेबिनार

तकनीकी परिवर्तन से ही आयेगी सॉफ्ट कंप्यूटिंग

संवाददाता,गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में कंप्यूटर एप्लीकेशन व आइटी विभाग द्वारा सॉफ्ट कंप्यूटिंग एंड इट्स एप्लीकेशंस विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया. नयी तकनीक व नवाचार के क्षेत्र में इस प्रासंगिक विषय पर वेबिनार में संचालन का दायित्व प्रबंध संकाय के प्राध्यापक डॉ सादात करीम ने निभाया, जिन्होंने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए शुभारंभ किया. कंप्यूटर एप्लीकेशन व आइटी विभाग के विभागाध्यक्ष आरिफ मोहम्मद सत्तार ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि इस वेबिनार के माध्यम से हम सभी सॉफ्ट कंप्यूटिंग और उसके एप्लीकेशन के बारे में अपनी समझ को बेहतर बनायेंगे और इस नवाचार तकनीक के माध्यम से वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों को भी जानेंगे. मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ खालिद रजा ने कंप्यूटिंग के विभिन्न आयामों की विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए बताया कि कम लागत में बेहतर परिणाम प्राप्त करने की दिशा में यह नवाचार तकनीक के क्षेत्र में हमारी योग्यता को और बेहतर बनायेगा. उन्होंने सॉफ्ट कंप्यूटिंग के अंतर्गत हार्ड एंड सॉफ्ट कंप्यूटिंग व क्रिप्स एंड फज्जी के साथ-साथ विभिन्न चरणों के तुलनात्मक अध्ययन पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, यातायात, परिवहन, व्यवसाय, वित्त, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा आदि के क्षेत्रों में क्या लाभ हो सकते हैं, इन बातों पर भी विस्तृत रूप से चर्चा की. डॉ रजा ने विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों को इस क्षेत्र में विशेष कार्य करने की आवश्यकता पर भी बल देते हुए कहा कि आने वाले समय में सॉफ्ट कंप्यूटिंग और इससे जुड़े विषय बड़े तकनीकी परिवर्तन लाने में सक्षम हैं. कार्यक्रम के समापन सत्र में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा संबंधित विषय पर प्रश्न भी पूछे गये, जिसके जवाब वक्ताओं ने दिये और उनकी शंकाओं का समाधान किया. वेबिनार में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो डॉ एम शमसुल इस्लाम ने कहा कि मानव जीवन में समस्याओं के समाधान में तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान है. आज कम लागत में उत्पादन, डाटा मैनेजमेंट और मानव जीवन को सुविधापूर्ण व सुरक्षित बनाने की दिशा में सॉफ्ट कंप्यूटिंग एक महत्वपूर्ण विषय है.

प्रभात खबर Mon, 24 May 2021 https://epaper.prabhatkhabar.com/c/

सॉफ्ट कंप्यूटिंग और इससे जुड़े विषय बड़े तकनीकी परिवर्तन लाने में हैं काफी सक्षम

सॉफ्ट कंप्यूटिंग विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित, सॉफ्ट कंप्यूटिंग के विभिन्न आयामों पर चर्चा

एजुकेशन रिपोर्टर| गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के कंप्यूटर एप्लीकेशन और आईटी विभाग के द्वारा सॉफ्ट कंप्यूटिंग एंड इट्स एप्लीकेशंस विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में कंप्यूटर साइंस विभाग जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के प्राध्यापक डॉ. खालिद रजा ने सॉफ्ट कंप्यूटिंग के विभिन्न आयामों की चर्चा की। कहा कि कम लागत में बेहतर परिणाम प्राप्त करने की दिशा में यह नवाचार तकनीक के क्षेत्र में हमारी योग्यता को और बेहतर बनाएगा। उन्होंने सॉफ्ट कंप्यूटिंग के अंतर्गत हार्ड एंड सॉफ्ट कंप्यूटिंग व क्रिप्स एंड फज्जी के साथ-साथ विभिन्न चरणों के तुलनात्मक अध्ययन पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस दौरान कृषि, यातायात, परिवहन, व्यवसाय, वित्त, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आदि के क्षेत्रों में क्या लाभ हो सकते हैं इन बातों पर भी विस्तृत चर्चा की। डॉक्टर रजा ने विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों को इस क्षेत्र में विशेष कार्य करने की आवश्यकता पर भी बल देते हुए कहा कि आने वाले समय में सॉफ्ट कंप्यूटिंग और इससे जुड़े विषय बड़े तकनीकी परिवर्तन लाने में सक्षम है।

जामिया मिलिया इस्लामिया के डॉ खालिद रजा व डॉ शम्सुल इस्लाम।

तकनीक जीवन को बेहतर बनाने में सहायक

कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम.शमसुल इस्लाम ने कहा कि मानव जीवन में समस्याओं के समाधान में तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान है। आज कम लागत में उत्पादन, डाटा मैनेजमेंट और मानव जीवन को सुविधापूर्ण व सुरक्षित बनाने की दिशा में सॉफ्ट कंप्यूटिंग एक महत्वपूर्ण विषय है। प्रधानाचार्य ने मुख्य वक्ता डॉ. खालिद रजा का स्वागत करते हुए कहा कि वे अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के कंप्यूटर एप्लीकेशन डिपार्टमेंट में फर्स्ट बैच के विद्यार्थी रहे हैं और कंप्यूटर एप्लीकेशन के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। कंप्यूटर एप्लीकेशन व आईटी विभाग के प्राध्यापक मो. उमर फारूक ने कहा कि सॉफ्ट कंप्यूटिंग बहुआयामी तकनीक है जो जीवन के आर्थिक सामाजिक क्षेत्र में क्रांति का जनक होगा।

नवाचार तकनीक के माध्यम से बदलावों की मिलेगी जानकारी

प्रबंध संकाय के प्राध्यापक डॉ. सादात करीम ने वेबिनार का संचालन किया। कंप्यूटर एप्लीकेशन व आईटी विभाग के विभागाध्यक्ष आरिफ मोहम्मद सत्तार ने कहा कि वेबिनार के जरिए हम सभी सॉफ्ट कंप्यूटिंग और उसके एप्लीकेशन के बारे में अपनी समझ को बेहतर बनाएंगे और इस नवाचार तकनीक के माध्यम से वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों को भी जानेंगे। डॉ अमृतेंदू घोषाल, डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. निधि त्रिपाठी, डॉ. नीरज कुमार कमल, नवनीत प्रिये आदि इस वेबिनार में शामिल हुए।

बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर "महात्मा बुद्ध के उपदेशों की प्रासंगिकता" पर वेबीनार दिनांक- 26.05.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का विषय था "महात्मा बुद्ध के उपदेशों की प्रासंगिकता" जो दोपहर 1 बजे प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम संचालन करते हुए महाविद्यालय के नोडल पदाधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ० राजेश रंजन पाण्डेय ने बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर महात्मा बुद्ध के जन्म ज्ञान प्राप्ति एवं महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य, वक्ताओं एवं सभी सहभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम शुभारंभ किया। सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने महात्मा बुद्ध के जीवनी एवं उनके दर्शन की प्रासंगिकता पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए कहा कि उनके उपदेशों की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। प्रधानाचार्य के उद्बोधन के पश्चात दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष सह राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ० श्वेता सिंह ने महात्मा बुद्ध के चार आर्य सत्य एवं अष्टांगिक मार्ग, बुद्ध दर्शन के अंतर्गत दिए गए दिशा निर्देश की विस्तृत रूप से चर्चा की।

कार्यक्रम 'महात्मा बुद्ध और हमारा समय' विषय पर एमयू में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

बुद्ध ने दिखायी है पीड़ा और दुख से निदान की राह : वीसी

वरीय संवाददाता, बोधगया

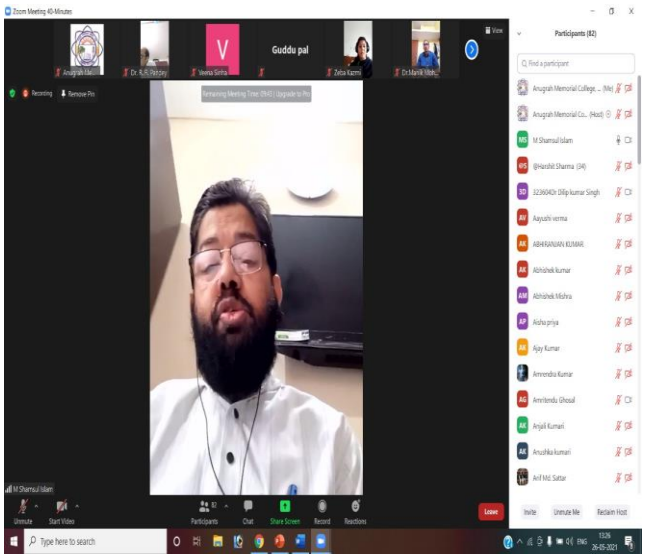

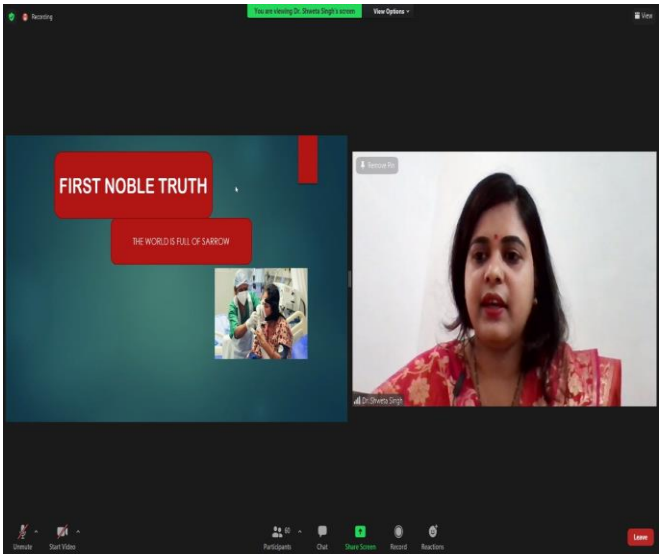

मगध विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन विभाग, दर्शनशास्त्र विभाग एवं जनसंचार समूह के संयुक्त तत्वावधान में "महात्मा बुद्ध और हमारा समय" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार के अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति प्रो राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा की शुरुआत आजादी के बाद 26 मई 1956 को की गई थी. उन्होंने कहा कि मनुष्यता के नैसर्गिक तत्व, जो हमारे मनीषियों ने सिद्धांत के रूप में प्रस्तुत किया था, बुद्ध ने अपने वचनों और दीक्षाओं से पूरे जीवन काल में प्रचार - प्रसार किया और इसका प्रसार उनके अनुयायियों ने संपूर्ण विश्व में किया. उन्होंने कहा कि यह सत्य है कि मनुष्य चाहे कितनी भी पुस्तकें पढ़ ले, लेकिन जीवन में उसे आत्मसात न करे तब उसका कोई लाभ नहीं है. महात्मा बुद्ध ने इसे ही स्पष्ट किया था. वीसी ने कहा कि आज के समय में जीवन के यथार्थ से परिचित कराने का काम बौद्ध धर्म करता है. पीड़ा और दुख सर्वत्र है. इसके कारण और निदान को बुद्ध ने रेखांकित किया था. सांसारिक बंधनों से मुक्ति ही परिनिर्वाण है. वर्तमान में प्रेम, अहिंसा, करुणा,त्याग, सहयोग, विश्वबंधुत्व और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के सभी सार्वभौमिक तत्व बुद्ध के दर्शन और शिक्षाओं में मानवता के कल्याण हेतु समाहित हैं.

सनातन धर्म में बुद्ध को विष्णु का नौवां अवतार माना गया है .विशिष्ट अतिथि वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुलपति प्रो डीपी तिवारी ने कहा कि सिद्धार्थ के जीवन में व्यक्तिगत रूप से कोई कष्ट नहीं था. उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में उन्हें विष्णु का नौवां अवतार माना जाता है. इसलिए आंध्र प्रदेश में भाव पूर्णिमा के रूप में इसे मनाया जाता है. प्रो तिवारी ने हीनयान में चार आर्य सत्य का विस्तार से वर्णन किया. मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा आयोग के अध्यक्ष प्रो ईश्वरशरण विश्वकर्मा ने बुद्ध को भगवान नहीं बल्कि असामान्य मानव बताया. उन्होंने बौद्ध धर्म को भारतीय मीमांसा से जोड़कर स्पष्ट किया व कहा कि मनुष्य के व्यवहार को समझने के लिए उनके विचार अत्यंत प्रासंगिक है. बुद्ध के सभी दृष्टिकोण को संपूर्ण विश्व को दिखाने की जरूरत है. बुद्ध को देखने के लिए सम्यक दृष्टि का होना जरूरी है.

विशिष्ट वक्ता महाबोधि मंदिर के पुजारी भंते डॉ मनोज ने सुत्तपाठ कर विश्वबंधुत्व और विश्व कल्याण की कामना की तथा कहा कि भगवान बुद्ध ने 45 वर्षों तक लोक कल्याण के लिए धम्म देशना देते हुए कुशीनगर में महापरिनिर्वाण को अंगीकार किया.

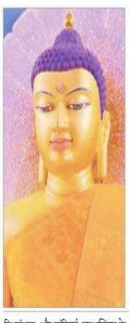

दूसरे विशिष्ट वक्ता डॉ गौतम सिन्हा ने बीज वक्तव्य में बुद्ध के दर्शन के विभिन्न पक्षों की बात की तथा दार्शनिक एवं आध्यात्मिक पक्ष को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया. संकायाध्यक्ष प्रो बीआर यादव ने सभी का स्वागत किया. शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो सुशील कुमार सिंह ने वेबिनार में शामिल अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के समय भगवान बुद्ध की करुणा, धैर्य और आत्मविश्वास काफी फलदायी हैं. जनसंचार समूह के समन्वयक डॉ शैलेंद्र मणि त्रिपाठी वेबिनार को संचालित करते हुए कहा कि आज का दिन हम सबके लिए न केवल भारत में बल्कि विश्व में उत्सव के रूप में मनाया जाता है.

पूरे विश्व ने किया बुद्ध के सिद्धांतों का अनुसरण

गया. बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर एएम कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से वेबिनार का आयोजन किया गया. विषय था महात्मा बुद्ध के उपदेशों की प्रासंगिकता. कॉलेज के नोडल पदाधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ राजेश रंजन पांडेय ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया. अध्यक्षीय संबोधन करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ एम शमशुल इस्लाम ने महात्मा बुद्ध की जीवनी व उनके दर्शन की प्रासंगिकता पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए कहा कि उनके उपदेशों की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है. प्राचार्य ने महात्मा बुद्ध के उपदेशों को आत्मसात करते हुए अपने जीवन को खुशहाल और समृद्ध बनाने की दिशा में हमें क्या प्रयास किये जाने चाहिए, इस पर भी अपने विचार व्यक्त किये. प्रधानाचार्य ने सभी लोगों सहित विद्यार्थियों को महात्मा बुद्ध के विचारों को जीवन में उतारने के लिए भी कहा. दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष सह राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ श्वेता सिंह ने महात्मा बुद्ध के चार आर्य सत्य एवं अष्टांगिक मार्ग की प्रस्तुति पीपीटी के माध्यम से करते हुए बुद्ध दर्शन के अंतर्गत दिये गये दिशा-निर्देश की विस्तृत रूप से चर्चा की. उन्होंने धम्मपद व गौतम बुद्ध के द्वारा जन सामान्य के लिए दिये गये उनके विचारों की भी चर्चा की. डॉ श्वेता सिंह ने सत्य की खोज और जीवन यात्रा में बुद्ध दर्शन की प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए कहा कि सफल जीवन एवं जीवन मरण चक्र से मुक्त होकर परिनिर्वाण की प्राप्ति करना मनुष्य का लक्ष्य होना चाहिए. सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अमरितेंदु घोषाल ने पीपीटी के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हुए विश्व संस्कृति में बुद्ध दर्शन की विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि प्रारंभिक अवस्था में बौद्ध दर्शन को यूरोप के चिंतकों द्वारा निराशाजनक समझते हुए स्वीकार नहीं किया गया, लेकिन बाद में लोगों ने इसके महत्व को समझते हुए आत्मसात किया. उन्होंने वैश्विक स्तर पर महात्मा बुद्ध के विचारों को विभिन्न साहित्यकारों, विद्वानों एवं चिंतकों द्वारा जीवन के मूल लक्ष्य की प्राप्ति में एवं भौतिक पदार्थों में आसक्ति का त्याग करते हुए पुनर्जन्म चक्र से मुक्त होने के सिद्धांत का अनुसरण करना बौद्ध दर्शन की प्रासंगिकता का प्रमाण बताया. डॉक्टर घोषाल ने बौद्ध धर्म अंतर्गत हीनयान, महायान, वज्रयान सहित विपश्यना व निर्वाण के संबंध में भी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की. कार्यक्रम में दूसरे वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे.

प्रभात खबर Thu, 27 May 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/60723135

महात्मा बुद्ध के उपदेशों को आत्मसात कर जीवन को बनाएं खुशहाल व समृद्ध

एएम कॉलेज में महात्मा बुद्ध की जीवनी व दर्शन की प्रासंगिकता पर वेबिनार

एजुकेशन रिपोर्टर| गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान महात्मा बुद्ध के उपदेशों की प्रासंगिकता विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. इस्लाम ने महात्मा बुद्ध की जीवनी व उनके दर्शन की प्रासंगिकता पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए कहा कि उनके उपदेशों की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। महात्मा बुद्ध के उपदेशों को आत्मसात करते हुए अपने जीवन को खुशहाल और समृद्ध बनाने की दिशा में हमें क्या प्रयास करने चाहिए, इसपर विचार व्यक्त किए। प्रधानाचार्य ने सभी लोगों सहित विद्यार्थियों को महात्मा बुद्ध के विचारों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। एनएसएस की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. श्वेता सिंह ने महात्मा बुद्ध के चार आर्य सत्य व अष्टांगिक मार्ग की प्रस्तुति पीपीटी के माध्यम से करते हुए बुद्ध दर्शन के अंतर्गत दिए गए दिशा निर्देश की विस्तृत रूप से चर्चा की। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमरितेंदु घोपाल ने पीपीटी के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हुए विश्व संस्कृति में बुद्ध दर्शन की विस्तृत चर्चा की। कहा कि प्रारंभिक अवस्था में बौद्ध दर्शन को यूरोप के चिंतकों ने निराशाजनक समझते हुए स्वीकार नहीं किया गया लेकिन बाद में लोगों ने इसके महत्व को समझते हुए आत्मसात किया। व्यवसाय अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष नवनीत प्रिये ने महात्मा बुद्ध के उपदेशों में जीवन शिक्षा की ओर प्रकाश डालते हुए जीवन को आशावादी दृष्टिकोण व सकारात्मकता के साथ जीने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय और धन्यवाद ज्ञापन रसायन शास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ. निधि त्रिपाठी ने किया।

वेबिनार को संबोधित करते प्राचार्य।

"वर्ल्ड नो टोबैको डे" के अवसर पर "तंबाकू छोड़ो, जीवन अपनाओ" विषय पर वेबीनार

दिनांक- 31.05.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के आईक्यूएसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से "वर्ल्ड नो टोबैको डे" के अवसर पर "तंबाकू छोड़ो, जीवन अपनाओ" विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का संचालन करते हुए महाविद्यालय के व्यवसाय अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष श्री नवनीत प्रिये ने "वर्ल्ड नो टोबैको डे" के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं सभी सहभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम शुभारंभ किया। सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तंबाकू निषेध के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि इस संदर्भ में वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास हो रहे हैं और हम सभी को इस विषय की गंभीरता को समझते हुए तंबाकू का सेवन और उसकी आदत को छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैंसर एवं अन्य गंभीर बीमारियों से लाखों लोगों की मृत्यु हो जाती है और कोरोना महामारी के दौरान भी देखा गया कि तंबाकू सेवन करने वालों को ज्यादा क्षति उठानी पड़ी साथ ही उनके शीघ्र स्वस्थ होने की समयाअवधि भी ज्यादा थी।

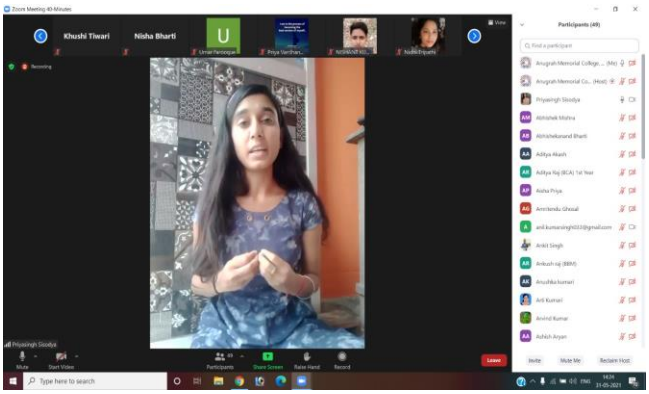

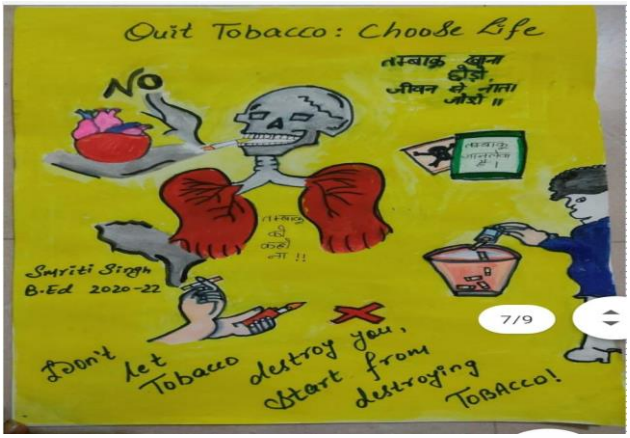

एएम कालेज में 'वर्ल्ड नो टोबैको डे' के अवसर पर 'तंबाकू छोड़ो, जीवन अपनाओ' विषयपर वेबीनार

गया। अनुग्रह मेमोरियल कालेज, गया के आईक्यूएसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से 'वर्ल्ड नो टोबैको डे' के अवसर पर 'तंबाकू छोड़ो, जीवन अपनाओ' विषय पर वेबीनारका आयोजन किया गया। वेबीनारका संचालन करते हुए महाविद्यालय के व्यवसाय अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष नवनीत प्रिये ने इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं सभी सहभागियोंका स्वागत करते हुए कार्यक्रम शुभारंभ किया। सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो. डा. एम शमसुल इस्लामने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तंबाकू निषेध के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि इस संदर्भमें वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास हो रहे हैं और हम सभीको इस विषयकी गंभीरताको समझते हुए तंबाकू का सेवन और उसकी आदतको छोड़ देना चाहिए।

इस विषयमें हमें स्वयं भी जागरूक और अन्य लोगोंको भी जागरूक करने की आवश्यकता है। दर्शनशास्त्र विभागकी विभागाध्यक्ष सह राष्ट्रीय सेवा योजनाकी कार्यक्रम पदाधिकारी डा. श्वेता सिंहने बताया कि भारतमें तंबाकू जनित रोगों से बड़े पैमानेपर लोग गंभीर बीमारियों से असमय कालके गाल में समा जाते हैं और परिवार के अन्य सदस्यों को भी उसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

उन्होंने तंबाकू कैसे छोड़ा जाए इस विषय पर विभिन्न उपायों की चर्चा करते हुए युवाओं की भूमिका एवं उनके योगदानको अति आवश्यक बताया।

वेबीनारके अंतर्गत विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर तंबाकू छोड़ो, जीवन अपनाओ विषयपर आनलाइन भाषण प्रतियोगिता एवं पोस्टर ड्राइंग प्रतियोगिताका भी आयोजन हुआ। भाषण प्रतियोगिताके अंतर्गत शिक्षा विभागकी छात्रा रागिनी रंजन को प्रथम स्थान, इंटरमीडिएटकी छात्रा शिवानी एवं बीबीएम की छात्रा प्रिया सिंह को संयुक्त रुप से द्वितीय स्थान तथा शिक्षा विभाग के छात्र कुमार मंगलम एवं इंटरमीडिएट की छात्रा निशा भारतीको संयुक्त रूप से तीसरे स्थान के लिए विजेता घोषित किया गया। तंबाकू छोड़ो जीवन अपनाओ विषय पर आयोजित पोस्टर ड्राइंग प्रतियोगिताके अंतर्गत विभिन्न विभागों के विद्यार्थियोंने भाग लिया। पोस्टर ड्राइंग प्रतियोगिताके अंतर्गत गणित विभागकी छात्रा आयशा ने प्रथम स्थान, शिक्षा विभाग की छात्रा स्मृति कुमारीने द्वितीय स्थान एवं बीबीएम डिपार्टमेंट के कुंतल किशोर कर्णने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य एवं आयोजक मंडल की ओर से सभी विजेता प्रतिभागियों सहित सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की गई। सभी प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए प्रतिभागियों के अलावा अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र, ट्रॉफी, आदि देकर सम्मानित किया जाएगा। समापन सत्रमें वक्ताओंके उद्बोधन की प्रासंगिकतापर अपने विचार एवं धान्यवाद ज्ञापन महाविद्यालयके सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी सह अंग्रेजी विभागके विभागाध्यक्ष डा. अमरितेंदु घोषालने किया।

तंबाकू छोड़ो, जीवन अपनाओ विषय पर वेबिनार आयोजित

जागरण संवाददाता, गया : अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के आईक्यूएसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से वर्ल्ड नो टोबैको डे पर तंबाकू छोड़ो, जीवन अपनाओ विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो.डॉ.एम.शमसुल इस्लाम ने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तंबाकू निषेध के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि इस संदर्भ में वैश्विक व राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास हो रहे हैं। हम सभी को इस विषय की गंभीरता को समझते हुए तंबाकू का सेवन और उसकी आदत को छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैंसर एवं अन्य गंभीर बीमारियों से लाखों लोगों की मृत्यु हो जाती है और कोरोना महामारी के दौरान भी देखा गया कि तंबाकू सेवन करने वालों को ज्यादा क्षति उठानी पड़ी। तंबाकू नहीं सेवन के लिए लोगों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है।

ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता व पोस्टर/ड्राइंग प्रतियोगिता : विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू छोड़ो, जीवन अपनाओ विषय पर ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता एवं पोस्टर/ड्राइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। भाषण प्रतियोगिता के अंतर्गत अंग्रेजी विभाग से अनुष्का, इंटरमीडिएट की छात्रा निशा एवं शिवानी, शिक्षा विभाग से रागिनी रंजन कुमार मंगलम तथा बीबीएम से समरेश, प्रिया सिंह, शिवानी बाबू सिंह सहित खुशी तिवारी ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रथम चरण में विद्यार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से भाषण के वीडियो भेजे जाने थे। जिनमें 10 प्रतिभागियों को चयनित किया गया था। भाषण प्रतियोगिता के अंतर्गत शिक्षा विभाग की छात्रा रागिनी रंजन को प्रथम स्थान, इंटरमीडिएट की छात्रा शिवानी व बीबीएम की छात्रा प्रिया सिंह को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान व शिक्षा विभाग के छात्र कुमार मंगलम व इंटरमीडिएट की छात्रा निशा भारती को संयुक्त रूप से तीसरे स्थान के लिए विजेता घोषित किया गया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्रतिभागियों के अलावा अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र, ट्रॉफी, आदि देकर सम्मानित किया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर "ग्रीन केमेस्ट्री" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

दिनांक- 05.06.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के रसायनशास्त्र विभाग की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का विषय था "ग्रीन केमेस्ट्री" जो दोपहर 1 बजे प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम संचालन करते हुए महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी सह दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ० श्वेता सिंह ने विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस वेबीनार के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य, वक्ताओं एवं सभी सहभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम शुभारंभ किया। सर्वप्रथम स्वागत भाषण देते हुए रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० (डॉ०) अजीत प्रसाद सिन्हा ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं आवश्यकता पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम के सभी वक्ताओं सहित प्रतिभागियों का स्वागत किया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने कहां कि जब तक पर्यावरण में मानवीय क्रियाकलापों का अतिक्रमण सीमित था तब तक इस विषय पर चर्चा और विमर्श आवश्यक नहीं थी परंतु मानव की आकांक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग के कारण वैश्विक स्तर पर उत्पन्न प्राकृतिक समस्याओं के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

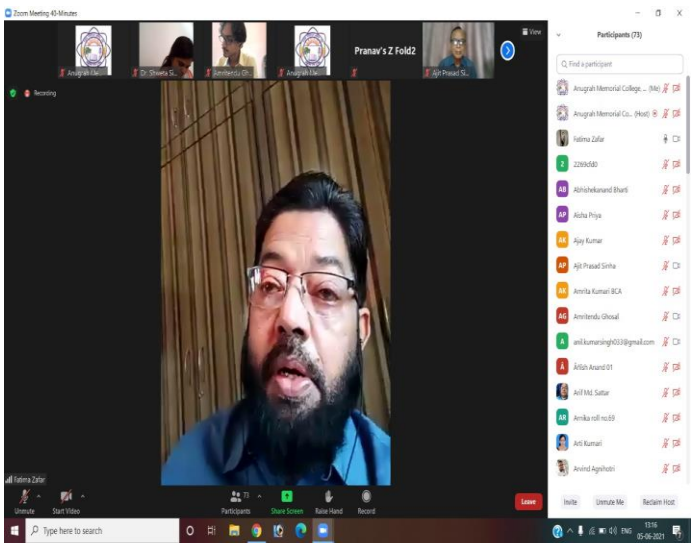

जिले भर में विभिन्न संगठनों की ओर से पर्यावरण दिवस के मौके पर लगाये गये पौधे, सरकारी कार्यालयों में आयोजित हुए कई कार्यक्रम

पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए ग्रीन केमेस्ट्री जरूरी

विश्व पर्यावरण दिवस

गया | वरीय संवाददाता

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के रसायनशास्त्र विभाग की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विषय था- ग्रीन केमेस्ट्री। वेबीनार में लगभग सभी वक्ताओं ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के दौर में ग्रीन केमेस्ट्री पर्यावरण के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्व है।

ग्रीन केमेस्ट्री का महत्व : महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी सह दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ० श्वेता सिंह के वक्तव्य के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० (डॉ०) अजीत प्रसाद सिन्हा ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर बल दिया। प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने कहा कि वैश्विक स्तर पर उत्पन्न प्राकृतिक समस्याओं के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधि त्रिपाठी ने ग्रीन केमेस्ट्री का परिचय देते हुए कहा की अपशिष्ट का उत्पादन सीमित एवं पर्यावरण को संरक्षित रखते हुए रसायन शास्त्र के लाभों को मानव जीवन हेतु प्रयोग लाना ही ग्रीन केमेस्ट्री है।

उन्होंने ग्रीन केमेस्ट्री के 12 सिद्धांतों की चर्चा करते हुए रासायनिक अभिक्रिया के अंतर्गत दुष्परिणामों, कम जोखिमों, स्वास्थ्य विषय, पर्यावरण एवं कम विषाक्तता के साथ उत्पादन करने की दिशा में कार्य करने की क्षमता विकसित करने के लिए क्या क्या कदम उठाए जाने चाहिए इस पर विस्तृत रूप से चर्चा की।

उन्होंने बताया कि उत्पादित पदार्थ न केवल पर्यावरण के लिए बेहतर हैं बल्कि धन एवं अन्य संसाधनों की भी बचत एवं संरक्षण कर रहे हैं। महाविद्यालय के नोडल पदाधिकारी डॉ० राजेश रंजन पांडेय ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में हानिकारक रसायनों के विकल्प के रूप में ग्रीन केमेस्ट्री से उत्पादित जैविक रसायनों एवं जैविक खाद का प्रयोग कर सकते हैं।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ० अमृतेंदु घोषाल ने की। कार्यक्रम में भौतिकी विभाग के डॉ अनंत कुमार सिन्हा, डॉ० अजय कुमार सिंह, डॉ० नीरज कुमार कमल, शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० एम० एम० शुक्ला एवं अन्य विभागों के प्राध्यापक डॉ० अनिल कुमार सिंह, प्राध्यापिका श्रीमती आरती कुमारी, श्रीमती मीता रानी, प्रवीण कुमार, डॉ० सैयद मिनहाजउल हसन, ... करीम, मो० उमर फारूक, ... कुमार, लाइब्रेरी साइंस विभाग ... कुमार, सुश्री बुशरा करीम, ... अभिषेक कुमार मिश्र सहित ... शामिल हुए।

बाराचट्टी में पौधरोपण करते सांसद विजय कुमार।

शहर के चिल्ड्रेन पार्क के पौधरोपण करते नगर आयुक्त सावन कुमार।

पर्यावरण दिवस पर सांसद ने लगाए पौधे

बाराचट्टी। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शनिवार को सोभ बाजार के समीप सब्जी मंडी में सांसद विजय कुमार की ओर से पेड़ लगाए गए। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के मकसद से चलाए जा रहे इस अभियान की सांसद ने पुरजोर सराहना करते हुए कहा कि बड़े पैमाने पर धरती पर पेड़ लगाए गए ताकि हरित भारत का निर्माण हो सके वहीं प्रखंड क्षेत्र के कई अन्य इलाकों में भी लोगों द्वारा पेड़ लगाकर इसे बचाने का संकल्प लिया गया।

मनरेगा के तहत जिले में लगेंगे 11 लाख पौधे

डीएम ने कहा

मॉर्निंग वॉक करने वालों ने लगाये पौधे

इंसानी आकांक्षा व संसाधनों के दुरुपयोग ने प्रकृति को पहुंचाया नुकसान : प्राचार्य

- पर्यावरण दिवस पर एएम कॉलेज में हुआ राष्ट्रीय वेबिनार

संवाददाता, गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के रसायन शास्त्र विभाग की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया. वेबिनार का विषय था ग्रीन केमेस्ट्री. कार्यक्रम का संचालन करते हुए कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी सह दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्वेता सिंह ने प्रधानाचार्य, वक्ताओं व सभी सहभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया. स्वागत भाषण देते हुए रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ) अजीत प्रसाद सिन्हा ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता व आवश्यकता पर चर्चा की और कार्यक्रम के सभी वक्ताओं सहित प्रतिभागियों का स्वागत किया. उन्होंने वेबिनार के आयोजन के लिए प्रधानाचार्य का विशेष आभार भी व्यक्त किया. अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो (डॉ) एम शमसुल इस्लाम ने कहा कि जब तक पर्यावरण में मानवीय क्रियाकलापों का अतिक्रमण सीमित था, तब तक इस विषय पर चर्चा और विमर्श की आवश्यक नहीं थी, परंतु मानव की आकांक्षा और प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग के कारण वैश्विक स्तर पर उत्पन्न प्राकृतिक समस्याओं के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है. उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ इकोसिस्टम के रिस्टोरेशन की महत्ता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि ग्रीन केमेस्ट्री के माध्यम से प्रकृति रक्षा के साथ-साथ रासायनिक गतिविधियों को मानव जीवन के कल्याण के लिए व्यावहारिक रूप से लाया जा सकता है. प्रधानाचार्य ने बिहार सरकार द्वारा जल, जीवन, हरियाली को द्वितीय सात निश्चय कार्यक्रम में शामिल करने को महत्वपूर्ण कदम बताते हुए आगामी दिनों में अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में प्रकृति संरक्षण के लिए पौधारोपण कार्यक्रम को आयोजित करने का संकल्प लेते हुए सभी की सहभागिता सहित विद्यार्थियों द्वारा वृक्षों के संरक्षण करने के लिए कार्यक्रम से जुड़ने का आह्वान किया. संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित 'पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्बहाली दशक' 2021-30' कार्यक्रम से जुड़ कर प्राकृतिक संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए भी सभी को आमंत्रित किया.

ग्रीन केमेस्ट्री को ऐसे समझें

प्रधानाचार्य के उद्बोधन के पश्चात रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधि त्रिपाठी ने ग्रीन केमेस्ट्री का परिचय देते हुए कहा कि अपशिष्ट का उत्पादन सीमित एवं पर्यावरण को संरक्षित रखते हुए रसायन शास्त्र के लाभों को मानव जीवन के लिए प्रयोग लाना ही ग्रीन केमेस्ट्री है. उन्होंने ग्रीन केमेस्ट्री के 12 सिद्धांतों की चर्चा करते हुए रासायनिक अभिक्रिया के अंतर्गत दुष्परिणामों, कम जोखिमों, स्वास्थ्य विषय, पर्यावरण व कम विषाक्तता के साथ उत्पादन करने की दिशा में कार्य करने की क्षमता विकसित करने के लिए क्या क्या कदम उठाये जाने चाहिए, इस पर विस्तृत रूप से चर्चा की. डॉ पांडेय ने रिनुअल फीडस्टॉक चक्र के माध्यम से बिना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए वैसे पदार्थों के निर्माण की चर्चा की, जो प्रकृति को किसी भी प्रकार से दूषित नहीं करता.

प्रभात खबर Sun, 06 June 2021 https://epaper.prabhatkhabar.com/c/60947004

"कोविड -19 महामारी के दौरान जैवचिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन" विषय पर वेबीनार

दिनांक- 10.06.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया की आईक्यूएसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में "कोविड -19 महामारी के दौरान जैवचिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन" विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रबंध विभाग के प्राध्यापक श्री सैफ अख़्तर ने कार्यक्रम संचालन करते हुए सभी वक्ताओं एवं अध्यक्ष का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का प्रारंभ किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने कहा की वर्तमान समय में जैव चिकित्सा अपशिष्ट बड़ी समस्या के रूप में पर्यावरण को दूषित और ना केवल मानव जीवन बल्कि अन्य जीवो के लिए भी खतरनाक साबित हो रहा है। प्रधानाचार्य ने बताया कि जागरूकता के अभाव और तकनीकी सुविधाओं का अभाव तो समस्या है परंतु इससे होने वाले जोखिमों की ओर हमारा ध्यान नहीं होना उसे बड़ी समस्या है। उन्होंने उपयुक्त प्रबंधन के अभाव में संक्रमण से होने वाली बीमारियों जैसे हेपेटाइटिस, एड्स एवं रेडियोधर्मी प्रभावों के कारण होनेवाली बीमारियां फैल रही है और इस गंभीर विषय पर संबंधित हितधारकों सहित आम लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है ताकि जोखिम से बचा जा सके।

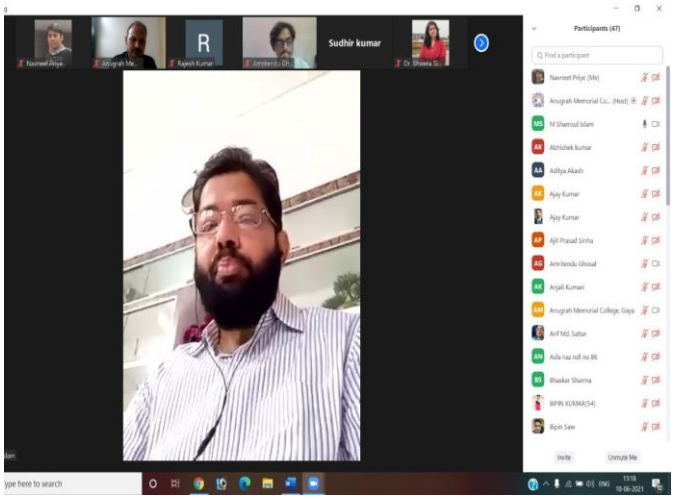

वेबिनार • एएम कॉलेज में जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर वेबिनार आयोजित, अपशिष्ट से होने वाले संक्रमण पर भी हुई चर्चा

जैव चिकित्सा अपशिष्ट मानव व अन्य जीवों के लिए भी है खतरनाक

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया की आईक्यूएसी और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में "कोविड -19 महामारी के दौरान जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने कहा कि वर्तमान समय में जैव चिकित्सा अपशिष्ट बड़ी समस्या के रूप में पर्यावरण को दूषित और ना केवल मानव जीवन बल्कि अन्य जीवो के लिए भी खतरनाक साबित हो रहा है। प्रधानाचार्य ने बताया कि जागरूकता का अभाव तो समस्या है लेकिन इससे होने वाले जोखिमों की ओर हमारा ध्यान नहीं होना उससे बड़ी समस्या है। उन्होंने उपयुक्त प्रबंधन के अभाव में संक्रमण से होने वाली बीमारियों जैसे हेपेटाइटिस, एड्स एवं रेडियोधर्मी प्रभावों के कारण होनेवाली बीमारियां फैल रही है और इस गंभीर विषय पर संबंधित हितधारकों सहित आम लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है ताकि जोखिम और खतरों से बचा जा सके। कार्यक्रम का संचालन प्रबंध विभाग के प्राध्यापक सैफ अख़्तर ने किया।

एएम कॉलेज में वेबिनार में शामिल वक्तागण

पीपीटी के जरिए दी गई जानकारी

रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय ने पीपीटी के माध्यम से अपने विचार रखते हुए गया शहर से जुड़ी समस्याओं और वायो मेडिकल वेस्ट के निष्पादन के लिए माध्यम व वैज्ञानिक तरीकों की विस्तृत चर्चा की। सुजीत कुमार सिंह ने भी इस विषय पर चर्चा की। एनएसएस की कार्यक्रम पदाधिकारी व दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्वेता सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

चिकित्सा अपशिष्ट से होने वाले संक्रमण पर चर्चा

महाविद्यालय के सूचना व जनसंपर्क पदाधिकारी सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमृतेंदु घोषाल ने अपने उद्बोधन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट से होने वाले संक्रमण स्तर की विस्तृत रूप से चर्चा की। डॉ. घोषाल ने बताया कि सरकारी स्तर पर जैव चिकित्सा प्रबंधन के नियम बनाए गए हैं और बहुत से अस्पतालों में इसके पालन भी किए जाते हैं। लेकिन इस विषय पर अधिक जागरूकता व स्वास्थ्यकर्मियों को विशेष रूप से प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

जैव चिकित्सा अपशिष्ट बड़ी समस्या

मनोसामाजिक सहयोग एवं कोविड़ टीकाकरण जागरूकता विषय पर कार्यशाला

दिनांक- 13.06.2021

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के तत्वावधान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के सहयोग से मनोसामाजिक सहयोग एवं कोविड़ टीकाकरण जागरूकता विषय पर ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में सुश्री अंकिता कुमारी उच्च शिक्षा विभाग भारत सरकार ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। कार्यशाला में संचालन का दायित्व राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ० श्वेता सिंह ने निभाया जिन्होंने स्वागत भाषण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य वक्ता के रूप में सुश्री अंकिता कुमारी ने कोरोना महामारी के दौरान उत्पन्न पारिवारिक, समाजिक, आर्थिक एवं अन्य समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए, सबके सहयोग से समाधान की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने उपायों की चर्चा करते हुए अपना उद्बोधन शुरू किया। उन्होंने सामाजिक दायित्व की पूर्ति के लिए बेहतर सहयोगी बनने के लिए इस प्रकार के गुणों की आवश्यकता है, इस विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि बेहतर श्रोता होना और सिंपैथी के जगह पर एंपैथी प्रस्तुत करते हुए हमें सहयोग करना चाहिए।

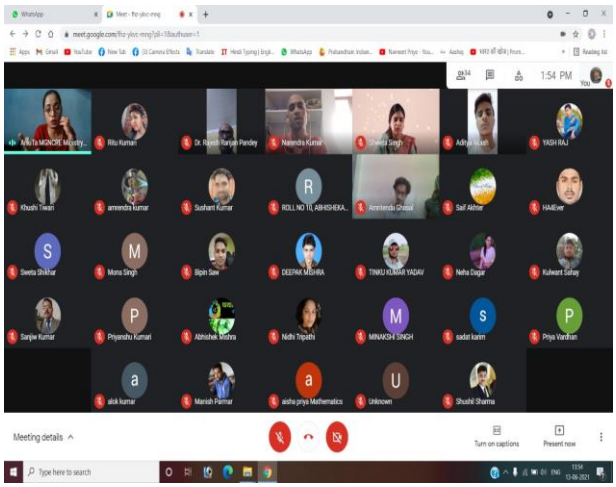

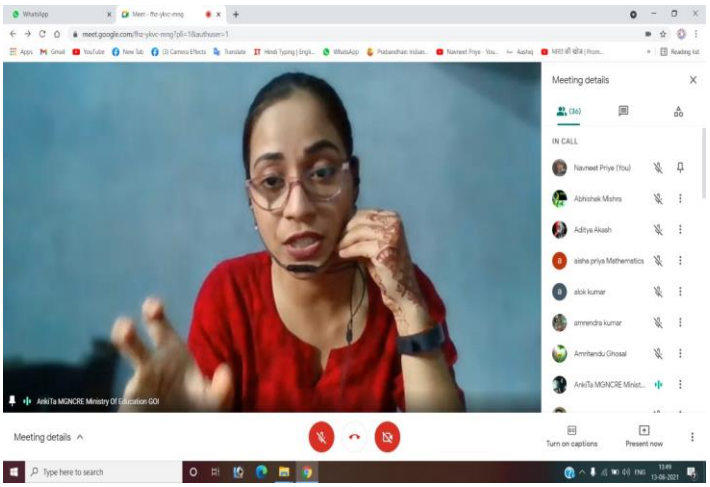

महामारी में मानसिक परेशानी झेल रहे लोगों की मदद करना सबों की जिम्मेवारी

एएन कॉलेज में कोरोना महामारी के दौरान सामाजिक सहयोग पर कार्यशाला

एजुकेशन रिपोर्टर। गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज की एनएसएस इकाई के तत्वावधान में रविवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के सहयोग से मनो सामाजिक सहयोग और कोविड टीकाकरण जागरूकता विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में अंकिता कुमारी उच्च शिक्षा विभाग भारत सरकार ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। कार्यशाला में संचालन एनएसएस की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. श्वेता सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस के स्वयंसेवकों सहित हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि कोविड महामारी के दौरान शारीरिक व मानसिक रूप से परेशानी झेल रहे लोगों को सहयोग करें। अंकिता ने कोरोना महामारी के दौरान उत्पन्न पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक व अन्य समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए, सबके सहयोग से समाधान की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने पर चर्चा की।

सामाजिक दायित्व की पूर्ति के लिए बेहतर सहयोगी बनना आवश्यक

मुख्य वक्ता ने कहा कि सामाजिक दायित्व की पूर्ति के लिए बेहतर सहयोगी बनने के लिए इस प्रकार के गुणों की आवश्यकता है। कहा कि बेहतर श्रोता होना और सिंपैथी के जगह पर एंपैथी प्रस्तुत करते हुए हमें सहयोग करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कोरोना से पीड़ित लोगों व उससे स्वस्थ हुए लोगों के स्वास्थ्य संबंधित विभिन्न कारकों की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सहयोग के पश्चात इस बात की पुष्टि करने पर भी विशेष बल दिया कि आपके द्वारा सहयोग करने के पश्चात पीड़ित को कितना लाभ पहुंचा इस की जानकारी आपको होनी चाहिए।

इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने संबंधित विषय पर कई प्रश्न भी पूछे। जिसके प्रत्युत्तर वक्ता ने दिए और समाधान बताया। धन्यवाद ज्ञापन नोडल पदाधिकारी डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ. अमृतेंदू घोषाल, डॉ. निधि त्रिपाठी, आरिफ मोहम्मद सत्तार) उमर फारूक, नवनीत प्रिये, स्वयंसेवकों में सुशील, खुशी, आदित्य आकाश, अंजली, रोहित, प्रियांशु, यशराज आदि शामिल हुए।

सोशल मीडिया की नकारात्मक छवि ने डराया

मगध यूनिवर्सिटी

बोधगया | निज संवाददाता

मगध विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग एवं पत्रकारिता व जनसंचार समूह के संयुक्त तत्वावधान में कोरोना का संघात सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार विषय पर रविवार को एक दिवसीय वेबिनार हुई। वेबिनार में वीसी प्रो राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि सोशल मीडिया ने कोरोना महामारी काल में सामाजिक सरोकारों को जोड़ने का काम किया है। लेकिन उसकी नकारात्मक छवि ने भय का वातावरण भी बनाया। जबकि प्रिंट मीडिया और दूरदर्शन की सकारात्मक भूमिका रही। सोशल साइंटिस्ट अपने आंकड़े जुटाकर वैज्ञानिकों के समक्ष रखें, जिससे मानव कल्याण के लिए नए शोध का मार्ग प्रशस्त हो सके। प्रो प्रसाद ने कहा कि इस बीमारी ने हमें सीख दी है, आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगी।

मुख्यअतिथि डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के पूर्व कुलपति प्रो मनोज दीक्षित ने कहा कि अत्याधिक सूचना नकारात्मक रहती है। उससे बचने की जरूरत है। सूचनाओं को डबल फिल्टर कर किसी को प्रेषित करें। मुख्यवक्ता उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो आर एन त्रिपाठी ने कहा कि कोरोना काल में समाज में विवाद के जगह संवाद शुरू हुआ। कम्युनिटी किचन की अवधारणा विकसित हुई। जब घूमने की पाबंदी लगी तो घर एक मंदिर बन गया। वरिष्ठ पत्रकार विनोद शील ने कहा कि आज के युग में इंटरनेट दुनिया की सबसे अच्छी संचार प्रणाली है यदि कोई चीज वरदान होती है तो कभी-कभी अभिशाप भी बन सकती है।

सोशल मीडिया का उपयोग अफवाहों के लिए काफी किया गया है। वरिष्ठ पत्रकार मयंक सिंह ने कहा कि भारत में 2030 तक सोशल सिक्योरिटी कमांड की नीव रखी गई है। यह अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि आज आपके फोन के डाटा का संचयन अमेरिका और चीन कर रहा है। इससे आने वाले दिनों में आंतरिक सुरक्षा की समस्या उत्पन्न हो सकती है। विशिष्ट अतिथि एस जी सी टी विश्वविद्यालय गुरुग्राम मास कम्युनिकेशन एवं मीडिया टेक्नोलॉजी के सहायक आचार्य डा. तेजी ईशा ने अपना अनुभव विस्तार से बताया।

समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो दीपक कुमार ने आधार वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्तमान सदी जनसंचार क्रांति का युग है। उन्होंने सोशल मीडिया के समाजिक दृष्टिकोण को रेखांकित किया। प्रो विनय कुमार ने कहा कि कोरोना ने लोगों को जीने की नई कला सिखाई है। समन्वयक डॉ शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने गोष्ठी को संचालित करते हुए कहा कि वेबीनार से शिक्षक, विद्यार्थी व समाज के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। वेब गोष्ठी में प्रो कुसुम कुमारी, प्रो सुशील सिंह, प्रो शमशुल इस्लाम, प्रो आरपीएस चौहान, प्रो के के सिंह, प्रो विनोद सिंह, प्रो एसएनपी यादव दीन, डॉ के के मिश्र, डॉ अंजनी घोष, डॉ दीपशिखा, डॉ रवि भारती, डॉ अलका मिश्र, डॉ रश्मि प्रियदर्शनी, अभिषा, पूनम कुमारी, डॉ परम प्रकाश राय, सुनीता, मदन मोहन महथा, रेणु कुमारी सहित देशभर से शिक्षक, विद्यार्थी जुड़े रहे।समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ प्रियम शर्मा ने स्वागत तथा डॉ वंदना कुमारी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। वेबीनार में नोडल अधिकारी डॉ संजय कुमार ने तकनीकी सहयोग प्रदान की।

कोरोना को हराने और टीकाकरण के लिए समाज को जागरूक करना जरूरी

गया | वरीय संवाददाता

वेबिनार

- अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में ऑन लाइन कार्यशाला
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के सहयोग से कार्यशाला

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के सहयोग रविवार को एक कार्यशाला हुई। कोरोना काल में मनोसामाजिक सहयोग और कोविड टीकाकरण जागरूकता विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला विशेषज्ञों ने अपनी राय रखी लगभग सभी लोगों ने कहा कि कोरोना को हराने के लिए टीकाकरण और सामाजिक जागरूकता जरूरी है ।

कोरोना को हराने के लिए : भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग से जुड़ी मुख्य वक्ता सुश्री अंकिता कुमारी ने कहा कि कोरोना काल में हमारा समाज परिवारिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक रुप से परेशान है। ऐसे में सबको सूझबूझ के साथ कार्य करने की जरूरत है । एक दूसरे का संबल बनने की जरूरत है । खुद को समझने और अपने समाज को जागरूक करने का समय है । खासकर टीकाकरण के लिए हो रहे दुष्प्रचार के प्रति लोगों को उदाहरण के साथ समझाने की जरूरत है कि कैसे दुनिया के देशों ने कोरोना की टीकाकरण के जरिए हराया। कैसे देशभर के लोग आगे बढ़कर टीकाकरण को बढ़ावा दे रहे हैं। कार्यशाला का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ० श्वेता सिंह ने किया। कार्यशाला के दौरान मानसिक रूप से संबल देने के लिए विभिन्न समूहों के निर्माण पर भी चर्चा हुई। स्वयंसेवकों सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता के लिए स्वयं को नामित भी करवाया। धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के नोडल पदाधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ० राजेश रंजन पाण्डेय ने किया।

"लैंगिक समानता" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित

दिनांक- 17.06.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के आईक्यूएसी एवं स्त्री शिक्षा विभाग द्वारा "लैंगिक समानता" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित हुआ। इस महत्वपूर्ण सामाजिक विषय पर वेबीनार में संचालन का दायित्व गणित विभाग के प्राध्यापक श्री अभिषेक कुमार मिश्र ने निभाया जिन्होंने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए शुभारंभ किया। वेबीनार में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने कहा कि वर्तमान समय में लैंगिक समानता महत्वपूर्ण विषय है जिसके लिए न्याय संगत व्यवस्था की आवश्यकता है। उन्होंने सिर्फ विषय पर विचार ना करते हुए हमारी दैनिक गतिविधियों एवं क्रियाकलापों में बराबरी का हक देने की आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि वर्तमान में इस विषय पर लोग गंभीर हुए हैं परंतु इस दिशा में अभी बहुत कार्य करने की आवश्यकता है। प्रधानाचार्य ने कहा की लैंगिक समानता के लिए आवश्यक है कि अभिभावकों द्वारा प्रारंभिक स्तर पर ही भेदभाव ना किया जाए और बच्चों में समानता का भाव उत्पन्न किया जाए।

प्रारंभिक स्तर पर ही बच्चों में तैयार हो समानता का भाव

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में लैंगिक समानता विषय पर वेबिनार

वरीय संवाददाता, बोधगया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के आईक्यूएसी व स्त्री शिक्षा विभाग द्वारा "लैंगिक समानता" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ. वेबीनार में अध्यक्षीय संबोधन में प्रधानाचार्य प्रो एमएस इस्लाम ने कहा कि वर्तमान समय में लैंगिक समानता महत्वपूर्ण विषय है, जिसके लिए न्याय संगत व्यवस्था की आवश्यकता है. उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस विषय पर लोग गंभीर हुए हैं. पर, इस दिशा में अभी बहुत कार्य करने की आवश्यकता है.

उन्होंने कहा कि लैंगिक समानता के लिए आवश्यक है कि अभिभावकों द्वारा प्रारंभिक स्तर पर ही भेदभाव न किया जाये और बच्चों में समानता का भाव उत्पन्न किया जाये. डॉ श्वेता सिंह, विभागाध्यक्ष स्त्री शिक्षा विभाग एवं दर्शनशास्त्र विभाग ने बताया कि परिवार में ही सर्वप्रथम लिंगभेद देखने को मिलता है, इसके परिणामस्वरूप दूषित व्यवहार जीवनपर्यंत अलग-अलग स्थानों पर हम देख सकते हैं. उन्होंने विभिन्न सामाजिक कुरीतियों को जिम्मेवार ठहराते हुए कहा कि किसी भी सामाजिक बदलाव के लिए आवश्यक है कि हम इसकी शुरुआत घर से करें. रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधि त्रिपाठी ने समानता विषय को परिभाषित करते हुए पीपीटी के माध्यम से इक्विटी तथा इक्वलिटी पर विस्तृत रूप से चर्चा की. उन्होंने विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा आदि क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति उदासीनता का भाव एवं घरेलू निर्णय तथा निजी जीवन से संबंधित फैसलों में उनकी सहभागिता और स्वीकृति का अभाव विषय पर अपना विचार रखा. मुख्य वक्ता के रूप में गया कॉलेज की अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ रुणु रवि ने लिंगभेद के व्यवहारिक समस्या पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए बताया कि बाल अवस्था में ही अभिभावकों, परिवार के सदस्यों एवं समाज द्वारा भेद-भाव प्रदर्शित किया जाता है, जोकि समय के साथ मानवीय व्यवहार में परिलक्षित होने लगता है. इस विषय आधारित अन्य कारकों की चर्चा करते हुए विभिन्न वीडियो की प्रस्तुति के माध्यम से विषय की गंभीरता पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आइक्यूएसी के कोऑर्डिनेटर सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अमृतेंदु घोषाल ने कहा की इस महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित वेबिनार के माध्यम से विद्यार्थी, शोधार्थियों तथा शिक्षकों को बहुत लाभ मिलेगा.

Admission Open

प्रभात खबर Fri, 18 June 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/61225

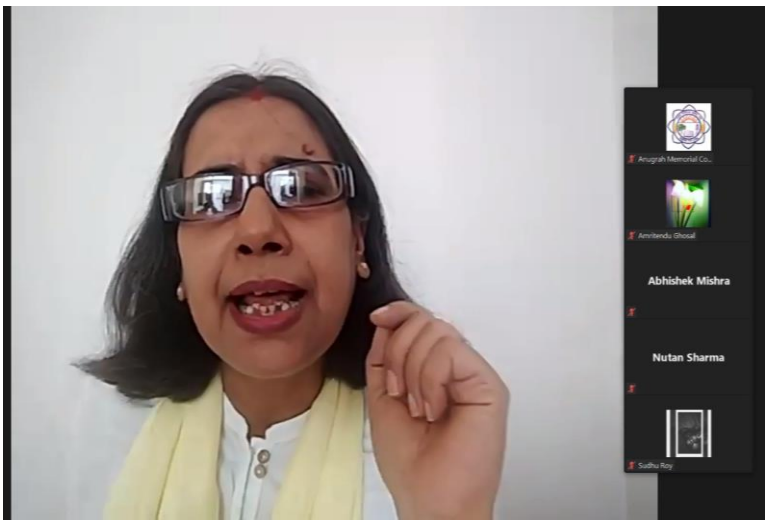

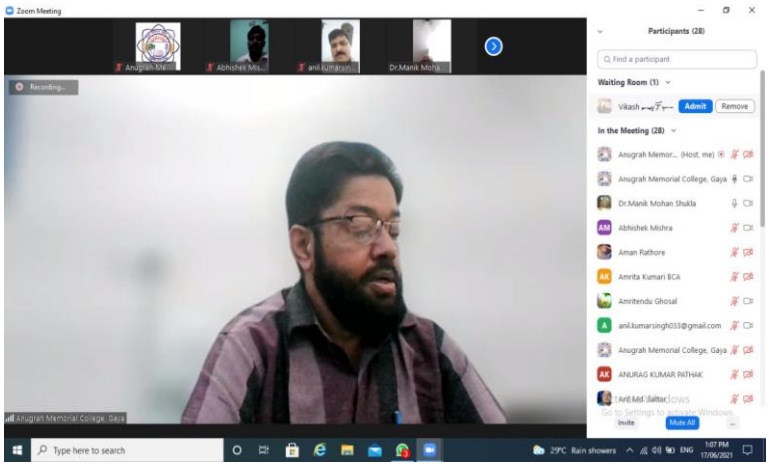

लैंगिक समानता विषय पर व्यवहारिक रूप से कार्य करने की आवश्यकता: डॉ. शमसुल

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के आईक्यूएसी और स्त्री शिक्षा विभाग ने गुरुवार को लैंगिक समानता विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में अध्यक्षीय उद्बोधन में कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने कहा कि वर्तमान समय में लैंगिक समानता महत्वपूर्ण विषय है। जिसके लिए न्याय संगत व्यवस्था की आवश्यकता है। उन्होंने हमारी दैनिक गतिविधियों व क्रियाकलापों में बराबरी का हक देने की आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि वर्तमान में इस विषय पर लोग गंभीर हुए हैं। लेकिन इस दिशा में अभी बहुत कार्य करने की आवश्यकता है। प्रधानाचार्य ने कहा कि लैंगिक समानता के लिए आवश्यक है कि अभिभावकों द्वारा प्रारंभिक स्तर पर ही भेदभाव ना किया जाए और बच्चों में समानता का भाव उत्पन्न किया जाए। इस महत्वपूर्ण सामाजिक विषय पर आयोजित वेबिनार का संचालन गणित विभाग के प्राध्यापक अभिषेक कुमार मिश्र ने किया।

सबसे पहले परिवार में ही देखने को मिलता है लिंग भेद: स्त्री शिक्षा विभाग और दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्वेता सिंह ने कहा कि परिवार में ही सर्वप्रथम लिंग भेद देखने को मिलता है। जिसके परिणामस्वरूप दूषित व्यवहार जीवनपर्यंत अलग-अलग स्थानों पर हम देख सकते हैं। उन्होंने विभिन्न सामाजिक कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा, वंश वृद्धि के लिए पुत्र होना ही आवश्यक, आदि को इस समस्या के लिए जिम्मेवार ठहराया। कहा कि किसी भी सामाजिक बदलाव के लिए आवश्यक है कि हम इसकी शुरुआत घर से करें। उन्होंने कहा कि अक्सर शिक्षा प्रदान करने में हम लड़के व लड़कियों में भेदभाव देख सकते हैं, जो किसी भी सभ्य समाज के विकास में स्वाभाविक रूप से बाधक सिद्ध होता है। मुख्य वक्ता के रूप में गया कॉलेज, गया की अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. रुणु रवि ने लिंगभेद के व्यवहारिक समस्या पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए बताया कि बाल अवस्था में ही अभिभावकों परिवार के सदस्यों व समाज द्वारा भेद-भाव प्रदर्शित किया जाता है। रसायन विभाग की डॉ. निधी त्रिपाठी ने समानता विषय को परिभाषित करते हुए इक्विटी और इक्वलिटी पर विस्तृत चर्चा की।

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

करते हुए हमारी दैनिक गतिविधियों एवं क्रियाकलापों में बराबरी का हक देने की आवश्यकता। —— एक रिपोर्ट

'लैंगिक समानता' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

गया (एसएनबी)। अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के आईक्यूएसी एवं स्त्री शिक्षा विभाग द्वारा "लैंगिक समानता" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित हुआ। इस महत्वपूर्ण सामाजिक विषय पर वेबीनार मे संचालन का दायित्व गणित विभाग के प्राध्यापक अभिषेक कुमार मिश्र ने निभाया जिन्होंने कार्यक्रम मे सभी का स्वागत करते हुए शुभारंभ किया।

वेबिनार मे अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो (डॉ) एम शमसुल इस्लाम ने कहा कि वर्तमान समय मे लैंगिक समानता महत्वपूर्ण विषय है जिसके लिए न्याय संगत व्यवस्था की आवश्यकता है। उन्होंने सिर्फ विषय पर विचार ना करते हुए हमारी दैनिक गतिविधियो एवं क्रियाकलापो मे बराबरी का हक देने की आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि वर्तमान मे इस विषय पर लोग गंभीर हुए है परंतु इस दिशा मे अभी बहुत कार्य करने की आवश्यकता है। प्रधानाचार्य ने कहा की लैंगिक समानता के लिए आवश्यक है कि अभिभावको द्वारा प्रारंभिक स्तर पर ही भेदभाव ना किया जाए और बच्चो मे समानता का भाव उत्पन्न किया जाए।

डॉ श्वेता सिंह, विभागाध्यक्ष स्त्री शिक्षा विभाग एवं दर्शनशास्त्र विभाग ने बताया कि परिवार मे ही सर्वप्रथम लिंग भेद देखने को मिलता है जिसके परिणामस्वरूप दूषित व्यवहार जीवनपर्यंत अलग-अलग स्थानो पर हम देख सकते है। रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधी त्रिपाठी ने समानता विषय को परिभाषित करते हुए पीपीटी के माध्यम से इक्विटी तथा इक्वलिटी पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने विभिन्न आयामो की चर्चा करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा, आदि क्षेत्रो मे महिलाओ के प्रति

वेबिनार में भाग लेते वक्ता।

उदासीनता का भाव एवं घरेलू निर्णय तथा निजी जीवन से संबंधित फैसलो मे उनकी सहभागिता और स्वी.ति का अभाव विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कार्यस्थलो पर भेदभाव के नकारात्मक परिणामो की चर्चा करते हुए कहा कि संगठन का विकास तब तक नही हो सकता जब तक समान दायित्वो के साथ समान सम्मान ना मिले।मुख्य वक्ता के रूप मे गया कॉलेज, गया कि अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ रुणु रवि ने लिंगभेद के व्यवहारिक समस्या पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए बताया की बाल अवस्था मे ही अभिभावको परिवार के सदस्यो एवं समाज द्वारा भेद-भाव प्रदर्शित किया जाता है जोकि समय के साथ मानवीय व्यवहार मे परिलक्षित होने लगता है। इस विषय आधारित अन्य कारको की चर्चा करते हुए विभिन्न वीडियो की प्रस्तुति के माध्यम से विषय की गंभीरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज मे लैंगिक समानता के लिए किए जा रहे राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के द्वारा किए जा रहे प्रयासो से हो रहे सकारात्मक बदलाव की चर्चा की।

आइक्यूएसी के कोऑर्डिनेटर सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अमृतेंदु घोषाल ने कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान गाकर किया। आज के वेबीनार मे मंच संचालन का दायित्व गणित विभाग के प्राध्यापक श्री अभिषेक कुमार मिश्र ने निभाया एवं तकनीकी सहयोग शिक्षा विभाग के श्री मुकेश कुमार ने दिया। आज के इस वेबीनार के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम मे विभिन्न विभागो के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं शिक्षको सहित शिक्षकेत्तर कर्मचारियो की सहभागिता रही साथ ही विद्यार्थियो ने भी काफी संख्या मे वेबीनार मे भाग लिया।

"बिहार विभूति" डॉ0 अनुग्रह नारायण सिंह की 134 वी जयंती एवं वेबिनार

दिनांक- 18.06.2021

बिहार विभूति डॉक्टर अनुग्रह नारायण सिंह की 134 वी जयंती मनाई गई। इस समारोह के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में भौतिक दूरी एवं कोविड-19 के लिए जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए बिहार विभूति की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं वृक्षारोपण किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम उप प्राचार्य डॉ अजीत प्रसाद सिन्हा, बर्सर डॉ० राजेश कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ अजय कुमार सिंह, सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ० नीरज कमल, प्रधान सहायक श्री अमरेश कुमार सिंह, आदि सहित कई विभागों के विभागाध्यक्ष प्राध्यापक, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अनुग्रह बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जिसके पश्चात महाविद्यालय के संस्थापक सचिव रामा वल्लभ प्रसाद सिंह की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इस जयंती समारोह के अंतर्गत इन महापुरुषों की याद में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किया गया। माल्यार्पण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात ऑनलाइन माध्यम से "बिहार विभूति डॉ० अनुग्रह नारायण सिंह: आधुनिक बिहार के निर्माता" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबीनार में संचालन का दायित्व गणित विभाग के प्राध्यापक श्री अभिषेक कुमार मिश्र ने निभाया।

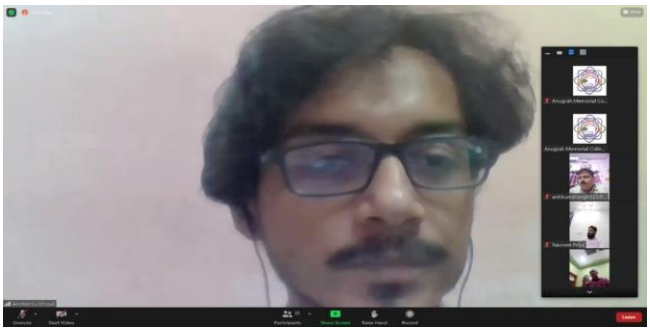

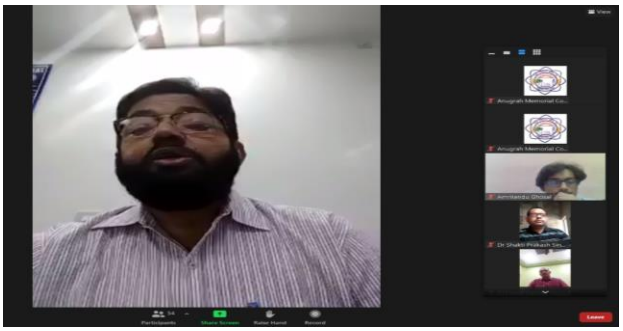

दैनिक भास्कर | गया

याद किए गए अनुग्रह बाबू • एएम कॉलेज में मनाई गई अनुग्रह बाबू की 134वीं जयंती, वेबिनार व पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

बिहार के लिए समर्पित था अनुग्रह बाबू का जीवन स्वतंत्रता आंदोलन में भी निभाई थी अहम भूमिका

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

एएम कॉलेज, गया में शुक्रवार को बिहार विभूति डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह की 134 वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान कॉलेज कैंपस में कोविड-19 के लिए जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए बिहार विभूति की प्रतिमा पर माल्यार्पण व वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान बिहार विभूति डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह: आधुनिक बिहार के निर्माता विषय पर वेबिनार हुआ। कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने कहा कि अनुग्रह बाबू का जीवन बिहार के लिए समर्पित था। उन्होंने जीवन पर्यंत राज्य की सर्वांगीण विकास के लिए अथक प्रयास किए। कहा कि वे अपने प्रयासों के माध्यम से शिक्षा, सामाजिक समरसता और जन कल्याण, आदि के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य करते हुए आज हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। प्रधानाचार्य ने कॉलेज के संस्थापक सचिव रामा वल्लभ प्रसाद सिंह की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के स्थापना से लेकर उत्कृष्टता की ओर ले जाने में उनकी भूमिका की चर्चा की। प्रधानाचार्य ने कहा कि महाविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बना कर ही हमसभी इन महापुरुषों के प्रति अपनी सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। वेबिनार का संचालन गणित विभाग के प्राध्यापक अभिषेक कुमार मिश्र ने किया।

स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण थी उनकी भूमिका

अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अमृतेंदु घोषाल ने अनुग्रह बाबू के जीवन के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी। प्राध्यापिका डॉ. निधी त्रिपाठी ने समाज कल्याण व समाज के वंचित तबके के लिए अनुग्रह बाबू द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत चर्चा की। प्राध्यापक अनिल कुमार सिंह और डॉ. सादात करीम ने बिहार विभूति और कॉलेज के संस्थापक सचिव रामा वल्लभ प्रसाद सिंह के योगदान की चर्चा करते हुए नई पीढ़ी को उनका अनुसरण करने का आवाह्न किया।

कांग्रेस कार्यालय में नेताओं व कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि, उनके व्यक्तित्व पर की चर्चा

अनुग्रह बाबू को श्रद्धासुमन अर्पित करते प्राचार्य।

अनुग्रह बाबू को श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोग।

अनुग्रह बाबू को दी गई श्रद्धांजलि

प्रधानाचार्य प्रो. शमसुल समेत उप प्राचार्य डॉ. अजीत प्रसाद सिन्हा, बर्सर डॉ. राजेश कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ अजय कुमार सिंह, सहायक नियंत्रक डॉ. नीरज कमल, प्रधान सहायक अमरेश कुमार सिंह आदि सहित सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अनुग्रह बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। फिर कॉलेज के संस्थापक सचिव रामा वल्लभ प्रसाद सिंह की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। व्यवसाय अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष श्री नवनीत प्रिये ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

अनुग्रह बाबू का मगध के प्रति था लगाव

शहर के अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह की 134 वीं जयंती मनाई गई। उनके जीवन चरित्र की चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बिहार के विकास में अनुग्रह बाबू का काफी योगदान है। बिहार के साथ उनका मगध के लगाव इसी से पता चलता है कि मगध के एक मात्र मेडिकल कॉलेज का नाम अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज, अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया शहर के पॉश कॉलोनी अनुग्रह पूरी कॉलोनी व अन्य अनुग्रह बाबू के नाम पर है। मौके पर विजय कुमार मिट्ठू, जमीर शहीदी, मो. नवाब अली, सुभाष यादव, विकास कुमार शर्मा, मो. खुर्रम अली, विनय कुमार सिन्हा व अन्य थे।

बिहार विभूति डॉ. अनुग्रह सिंह की मनाई जयंती

गया सदर | शहर के विभिन्न जगहों पर बिहार विभूति व स्वतंत्रता सेनानी डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह की जयंती मनाई गई। राजेन्द्र आश्रम स्थित कांग्रेस कार्यालय में नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर माल्यापर्ण कर श्रद्धांजलि दी। उनके व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कहा कि बिहार विभूति व स्वतंत्रता सेनानी डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह ने महात्मा गांधी के साथ आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया। महात्मा गांधी के रास्तों पर चलने वाले सच्चे कांग्रेसी नेता थे। बिहार सरकार में उप मुख्यमंत्री व अन्य पदों पर रहते हुए बिहार के सर्वांगीण विकास में अहम योगदान दिया। बिहार के मगध के इस लाल को कभी भूलाया नहीं जा सकता। उनके व्यक्तित्व को आम लोगों को भी अपनाने पर बल दिया। मौके पर पार्टी जिलाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव, बाबूलाल प्रसाद सिंह, प्रदीप शर्मा, रामप्रमोद सिंह, मो. खैरुद्दीन, धर्मेन्द्र निराला व अन्य थे।

अनुग्रह नारायण सिंह की जयंती मनी

गया (एसएनबी)। शुक्रवार को अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में बिहार विभूति डॉक्टर अनुग्रह नारायण सिंह की 134 वी जयंती मनाई गई। इस समारोह के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में भौतिक दूरी एवं कोविड-19 के लिए जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए बिहार विभूति की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं वृक्षारोपण किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो (डॉ) एम.शमसुल इस्लाम उप प्राचार्य डॉ अजीत प्रसाद सिन्हा, बर्सर डॉ राजेश कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ अजय कुमार सिंह, सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ नीरज कमल, प्रधान सहायक श्री अमरेश कुमार सिंह, आदि सहित कई विभागों के विभागाध्यक्ष प्राध्यापक, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अनुग्रह बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जिसके पश्चात महाविद्यालय के संस्थापक सचिव रामा वल्लभ प्रसाद सिंह की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इस जयंती समारोह के अंतर्गत इन महापुरुषों की याद में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किया गया।

माल्यार्पण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात ऑनलाइन माध्यम से 'बिहार विभूति डॉ अनुग्रह नारायण सिंह: आधुनिक बिहार के निर्माता" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबीनार में संचालन का दायित्व गणित विभाग के प्राध्यापक अभिषेक कुमार मिश्र ने निभाया जिन्होंने कार्यक्रम मे सभी का स्वागत करते हुए शुभारंभ किया।वेबीनार में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो (डॉ) एम शमसुल इस्लाम ने कहा कि अनुग्रह बाबू का जीवन बिहार के लिए समर्पित था उन्होंने जीवन पर्यंत राज्य की सर्वांगीण विकास के लिए अथक प्रयास किए।

श्रद्धांजलि अर्पित करते प्राचार्य।

1987: में लुई चतुर्थ की फ्रांस के राजा के रूप में ताजपोशी हुई।

हिन्दुस्तान 06 गया • शनिवार • 19 जून 2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में मनाई गई बिहार विभूति डॉक्टर अनुग्रह नारायण सिंह की 134वीं जयंती

'जीवन भर विकास के लिए कार्य करते रहे'

जयंती पर वेबिनार

गया | वरीय संवाददाता

राजेंद्र आश्रम में डा अनुग्रह नारायण सिंह की जयंती मनाते कांग्रेसी नेता। • हिन्दुस्तान

जनकल्याण और बिहार के निर्माण अनुग्रह बाबू की बड़ी भूमिका रही।

इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ अजीत प्रसाद सिन्हा, बर्सर डॉ० राजेश कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ अजय कुमार सिंह, सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ० नीरज कमल, प्रधान सहायक श्री अमरेश कुमार सिंह, आदि सहित कई विभागों के विभागाध्यक्ष प्राध्यापक, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अनुग्रह बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात महाविद्यालय के संस्थापक सचिव रामा वल्लभ प्रसाद सिंह की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इस जयंती समारोह के अंतर्गत इन महापुरुषों की याद में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किया गया।

अनुग्रह नारायण की मनी जयंती

गया। कांग्रेस कार्यालय राजेन्द्र आश्रम के सभागार में बिहार विभूति स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर अनुग्रह नारायण सिंह की 134वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान किसान प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ व अन्य प्रकोष्ठ के लोगों ने अलग-अलग समारोह कर उन्हें याद किया। राजेन्द्र आश्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव ने की। सर्व प्रथम अध्यक्ष के द्वारा उनके चित्र पर पुष्प माला चढ़ाकर श्रद्धांजली अर्पित करते हुए उनके जीवन चरित्र पर विस्तृत चर्चा की और कहा कि स्वतंत्रता सेनानी के साथ महात्मा गांधी जी के रास्ते पर चलने वाले सच्चे कांग्रेसी नेता थे। इनके कार्यकलाप को देखते हुए इन्हें बिहार विभूति से नवाजा गया। भारत की आजादी में इन्होंने अथक प्रयास कर महात्मा गांधी के साथ देश को आजाद कराने में लगे रहे। नि.सं.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्वप्रातः सामान्य योग अभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

दिनांक- 20.06.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रातः सामान्य योग अभ्यास क्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय के निर्देशानुसार अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम गणित विभाग के प्राध्यापक श्री अभिषेक कुमार मिश्र ने राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी एवं दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्वेता सिंह, योग प्रशिक्षिका सुश्री कृति शर्मा तथा ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में जुड़े सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकों, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए योग की महत्ता पर प्रकाश डाला। स्वागत कार्यक्रम के पश्चात योग प्रशिक्षिका सुश्री कृति शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को योग विषय पर उद्बोधन देते हुए योग प्रशिक्षण करवाया।

एएम कालेज में योग महोत्सव के अंतर्गत प्रशिक्षण

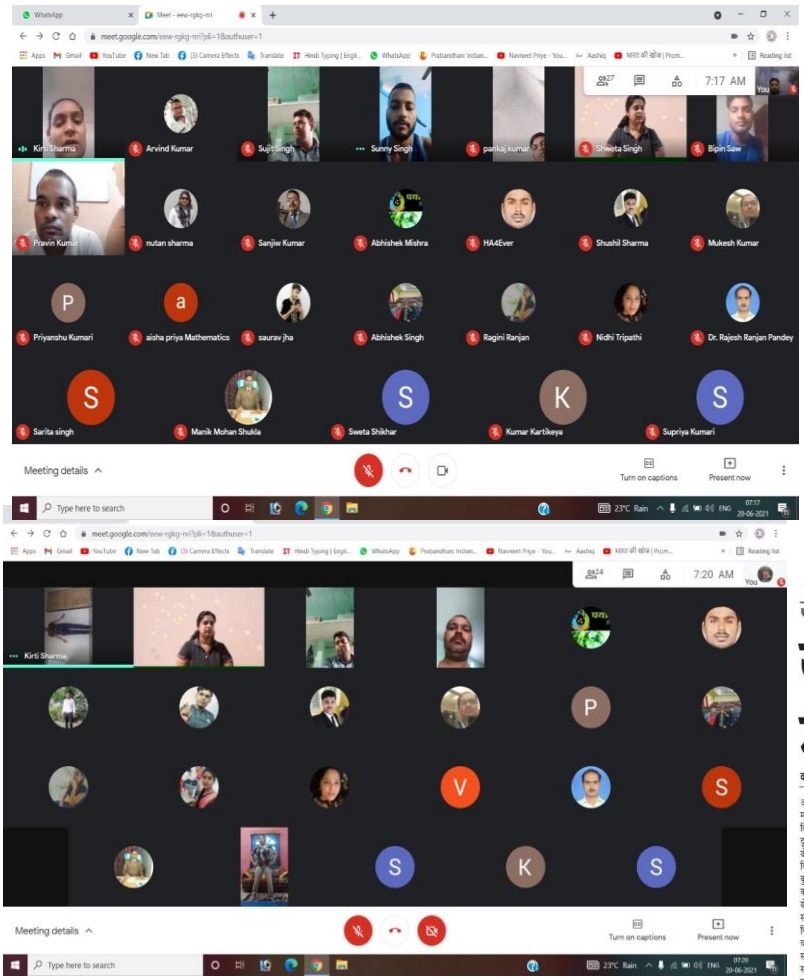

गया। अनुग्रह मेमोरियल कालेज, गया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसके पूर्व प्रात: सामान्य योग अभ्यास क्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय के निर्देशानुसार अनुग्रह मेमोरियल कालेजकी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। आनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रममें सर्वप्रथम गणित विभागके प्राध्यापक अभिषेक कुमार मिश्रने राष्ट्रीय सेवा योजनाकी कार्यक्रम पदाधिकारी एवं दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डा. श्वेता सिंह, योग प्रशिक्षिका कृति शर्मा तथा आनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में जुड़े सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकों, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों सहित राष्ट्रीय सेवा योजनाके स्वयं सेवकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए योगकी महत्ता पर प्रकाश डाला। स्वागत कार्यक्रमके पश्चात योग प्रशिक्षिका कृति शर्माने सभी प्रतिभागियों को योग विषय पर उद्बोध न देते हुए योग प्रशिक्षण करवाया। सुश्री शर्मा ने मंत्र उच्चारण एवं सामान्य अवस्थासे योगाभ्यासकी अवस्थामें जाने की प्रक्रिया और योग के लिए आवश्यक बिंदु की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत वज्रासन, शवासन, कपालभाति, ध्यान, भ्रास्तिका, चक्रासन, आदि सहित कई अन्य आसनो एवं योग क्रियाओंके बारेमें महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षिकाने विद्यार्थियों सहित अन्य सहभागीयों को योग करनेके लाभ एवं योग करते समय क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए इस विषय र भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि योग न सिर्फ शरीरको निरोग रखता है बल्कि मनुष्यको सकारात्मक रूपसे ऊर्जान्वित भी करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रमके पश्चात व्यवसाय अध्ययन विभागके विभागाध्यक्ष नवनीत प्रिये ने आयुष मंत्रालय, भारत सरकारके द्वारा जारी योगा प्रोटोकोल वीडियो की आनलाइन प्रस्तुति सबके साथ साझा की। प्रधानाचार्य प्रो. डा. एम. शमसुल इस्लामने कार्यक्रमके सफल आयोजनके लिए सबको बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे पूरी आशा है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसपर अनुग्रह मेमोरियल कालेज द्वारा आयोजित दो दिवसीय योग महोत्सव ना सिर्फ राष्ट्रीय सेवा योजनाके स्वयंसेवक एवं विद्यार्थियों बल्कि शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारियों सहित हम सभी के लिए योगके माध्यमसे स्वस्थ रहनेके लिए जागरूक करेगा साथ ही उत्साह और उमंग के साथ जोड़ेगा। कार्यक्रमके समापन सत्रमें राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी एवं दर्शनशास्त्र विभागकी विभागाध्यक्ष डा. श्वेता सिंहने सभी सहभागियोंको धन्यवाद दिया। कार्यक्रमका समापन राष्ट्रगान गाकर किया गया। आज के वेबीनारमें मंच संचालनका दायित्व गणित विभाग के प्राधयापक अभिषेक कुमार मिश्रने निभाया एवं तकनीकी सहयोग शिक्षा विभागके मुकेश कु ने दिया।

गुरपा में बौद्ध भिक्षुओंने गरीब असहायोंके बीच राशन बांटा

फतेहपुर (आससे)। प्रखंडके जंगल-पहाड़ोंसे अच्छादित गुरपा वन प्रक्षेत्रमें निवास करने वाले बिरहोर और आदिवासी परिवार सहित यहां के गरीब-असहाय लोगोंके बीच रविवार को बौद्ध भिक्षुओंने राशन का वितरण किया। जापान के बौद्ध भिक्षु राहुल भंते के नेतृत्व में बौद्ध भिक्षुओंका दल मिनी ट्रकसे राशन भरा पैकेट लेकर गुरपा पहुंचे। वे युवा कार्यकर्ता सत्येंद्र यादव, गुरपा ओपी प्रभारी प्रमोद कुमार और एसएसबी कैम्प गुरपा के इंचार्ज विकास चंद्र घोष के सहयोग से बिरहोर, आदिवासी और जरूरतमंद गरीबों को राशन पैकेट उपलब्ध कराया। राशन पैकेटमें आटा, चावल, सरसो तेल, साबुन, मसाला आदि खाद्य सामग्री शामिल है। बौद्ध भिक्षुओंने खाद्य सामग्रीके साथ जरूरतमंदोंको मास्क भी उपलब्धा कराया। बौद्ध भिक्षु राहुल भंते ने कहा कि गरीबों-असहायोंकी मदद कर काफी सुकून मिलता है। मौके पर रविंद्र कुमार, प्रिंस कुमार, हर्ष राज, शंभू कुमार, छोटु, राहुल, राजेंद्र मिस्त्री आदि का भी भरपूर सहयोग रहा।

योग की वैदिक परंपरा और वर्तमान संदर्भ विषय पर वेब गोष्ठी का आयोजन

योग के नियमित अभ्यास से बदल जाता है आचरण व व्यवहार : वीसी

वरीय संवाददाता, बोधगया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में मगध विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबगोष्ठी के क्रम में दूसरे दिन रविवार को संस्कृत विभाग ने योग की वैदिक परंपरा और वर्तमान संदर्भ विषय पर चर्चा हुई. अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि योग की वैदिक परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है. योग में वैज्ञानिक दृष्टिकोण है, इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे महत्व दिया और विश्व के 177 देशों ने स्वीकार किया है. वर्तमान समय में मानव मात्र की बहुत सारी समस्याएं है, उसमें योग विद्या साधन के रूप में कार्य कर सकती है. मन, कर्म और वचन की चेतना से जुड़ कर चेतना के उच्च स्तर को धारण करने में योग की महती भूमिका हो सकती है और उसका व्यापक असर उसके जीवन पर पड़ता है. उन्होंने कहा कि गीता के 18वें अध्याय में योग का ही निरूपण है. योग एक ऐसी विद्या है जो जीवन जीने का कल्याणमय मार्ग दिखाता है. आज के सांसारिक समस्या का समाधान यम और नियम में बहुत कुछ कही गयी है. इसका अभ्यास किया जाए तो मनुष्य के स्वभाव में परिवर्तन आ जायेगा. उसका आचरण और वाह्य व्यवहार भी बदल जायेगा. नैतिक साधना के लिए यम और नियम का पालन करना जरूरी है.

गीता के माध्यम से श्रीकृष्ण ने योग को किया पुनर्स्थापित : मुख्य अतिथि कोल्हान विश्वविद्यालय, जमशेदपुर के कुलपति प्रो गंगाधर पंडा ने कहा कि जब आसन और प्राणायाम में इतना लाभ मिल रहा है तो अष्टांग योग में कितना लाभ मिलेगा, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है. उन्होंने कहा कि आज हम अगली पीढ़ी के लिए जो धन संग्रह कर रहे हैं, वह अपरिग्रह है. सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात के कुलपति प्रो गोपबंधु मिश्र ने कहा कि दुख के संजोग से विमुक्ति होना ही योग है. उन्होंने कहा कि वर्तमानता कभी नष्ट नहीं होता. संदर्भ, स्वरूप, समय, रंग और परिस्थिति बदल सकता है.

भारत में वैदिक काल से ही प्रचलित है योग : मनोज तिवारी : विशिष्ट अतिथि दिल्ली के सांसद, अभिनेता मनोज तिवारी मृदुल ने कहा कि मगध विश्वविद्यालय हमारे दिल के करीब है. और जहां तक योग का प्रश्न है, इस कोरोना काल में इसे सभी ने स्वीकार किया है. योग का प्रचार केवल योग दिवस के मौके पर ही नहीं, अपितु सालों भर होना चाहिए.

वैदिक परंपरा से जुड़ा है योग : विशिष्ट वक्ता फिरोज गांधी कॉलेज, पटना के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ मुकेश कुमार ओझा ने कहा कि सात्विक प्रवृत्ति को धारण करना भी योग है. चित्त वृत्तियों को रोक लेना भी योग है. विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के आचार्य प्रो उमा रानी त्रिपाठी ने कहा कि योग वाणी का विषय नहीं है. योग साधना का विषय है और योग वैदिक परंपरा से जुड़ा है. विभागाध्यक्ष संस्कृत प्रो कमला कुमारी उपाध्याय ने कहा कि योग विश्व की सबसे पुरानी विधा है. योग से काया के साथ मन पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है. वेबिनार में प्रो बीआर यादव, प्रो आरएस जमुआर, प्रो पीके शास्त्री, प्रो जीएन शर्मा, प्रो जावेद अशरफ, प्रो सुशील सिंह, प्रो शम्सुल इस्लाम, डॉ केके मिश्र, प्रो आरपीएस चौहान, डॉ श्याम देव पासवान, प्रो विनोद कुमार सिंह, पुणे से रचना अग्रवाल, डॉ रामदेव प्रसाद, डॉ दीप शिखा, डॉ पल्लवी, डॉ कविता सहाय, डॉ सत्यनारायण एच के, डॉ तेजी ईशा, डॉ मीनाक्षी, ज्योति प्रभा, निकिता नयन, सीमा, पूनम तथा तकनीकी सहयोग के साथ नोडल अधिकारी डॉ संजय कुमार सहित देश भर से शिक्षक विद्यार्थी जुड़े रहे.

एएम कॉलेज : सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है योग

गया. अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज में रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रातः सामान्य योग अभ्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ. कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया. ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम गणित विभाग के प्राध्यापक अभिषेक कुमार मिश्र ने राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी एवं दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्वेता सिंह, योग प्रशिक्षिका कृति शर्मा तथा ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में जुड़े सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकों, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए योग की महत्ता पर प्रकाश डाला. स्वागत कार्यक्रम के पश्चात योग प्रशिक्षिक कृति शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को योग विषय पर उद्बोधन देते हुए योग प्रशिक्षण करवाया. प्रशिक्षण कार्यक्रम के पश्चात व्यवसाय अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष नवनीत प्रिये ने आयुष मंत्रालय द्वारा जारी योगा प्रोटोकोल वीडियो की ऑनलाइन प्रस्तुति सबके साथ साझा की. प्रधानाचार्य प्रोफेसर (डॉ) एम शमसुल इस्लाम ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सबको बधाई दी. उन्होंने कहा कि मुझे पूरी आशा है कि योग दिवस पर अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज द्वारा आयोजित दो दिवसीय योग महोत्सव ना सिर्फ राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं विद्यार्थियों बल्कि शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारियों सहित हम सभी के लिए योग के माध्यम से स्वस्थ रहने के लिए जागरूक करेगा साथ ही उत्साह और उमंग के साथ जोड़ेगा.

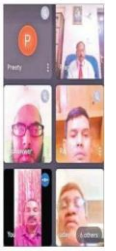

एसएन सिन्हा कॉलेज : योग एक व्यापक शब्द

टिकारी. एसएन सिन्हा कॉलेज टिकारी में योग दिवस के मौके पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन एनएसएस इकाई द्वारा किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ सत्येंद्र प्रजापति ने कहा कि योग एक व्यापक शब्द है. निरोगी शरीर में ही स्वस्थ्य मन का निवास होता है. इसके नित्य अभ्यास से मन व शरीर दोनों स्वस्थ्य होते हैं. खासकर विद्यार्थियों के लिए योग जरूरी है. क्योंकि मन शांत होकर एकाग्र हो जाता है. कार्यक्रम का संचालन एन एस एस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ दीन दयाल गुप्ता ने किया. कार्यक्रम को सफल बनाने मे वर्सर डॉ उदय पासवान, डॉ कुमार गौरव, डॉ आनंद कुमार, मनोज कुमार, मनौअर आलम, राज कुमार, कुणाल कुमार, धनंजय कुमार, आदि का योगदान सराहनीय था.

सीयूएसबी : योगासन व प्राणायाम के महत्व के बारे में बताया गया

टिकारी. दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के नव संचालित शारीरिक शिक्षा विभाग व खेल-कूद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग ई-कार्यशाला" के छठे दिन विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किये. जन सम्पर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मो. मुदस्सीर आलम ने बताया कि ई-कार्यशाला के छठे दिन दिन रविवार को मुख्य वक्ता मिस वेरा, योगप्रशिक्षक, मास्को (रूस) थी. इन्होंने योगासन व प्राणायाम के महत्व को बताया. प्रतिभागियों को विभिन्न आसनों व प्राणायाम की विभिन्न तकनीक को समझाया व अभ्यास भी कराया. डॉ. विवेक नारायण ने योग के चिकित्सीय पहलू पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि नियमित योग करने से न सिर्फ हम विभिन्न प्रकार के रोगों को होने से रोक सकते है. अपितु रोगों का उपचार भी कर सकते है. कार्यक्रम की सफलता के लिए शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार सिंह व खेल-कूद विभाग के सहायक निदेशक डॉ. जितेंद्र प्रताप सिंह को शुभकामनाएं दी. इस मौके पर डॉ. उषा तिवारी, डॉ. पिंटू लाल मंडल, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. गौरव कुमार सिंह, डॉ. जितेंद्र प्रताप सिंह राकेश रंजन सहित अन्य लोग शामिल थे.

प्रभात खबर Mon, 21 June 2021 https://epaper.prabhatkhabar.com/c/61285190

कोरोना इफेक्ट• अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिले में अलग-अलग संगठनों ने डिजिटल तरीके से योग दिवस मनाने का लिया है निर्णय

ऑनलाइन करें योग का अभ्यास, एप से जुड़ सीखें योगासन

भास्कर न्यूज | गया

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून यानि आज है। योग दिवस पर भी कोविड 19 का इफेक्ट देखने को मिला है। वैश्विक आपदा कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए अलग-अलग संगठनों ने योग दिवस ऑनलाइन तरीके से मनाने का निर्णय लिया है, ताकि लोग अपने घर में भी योगा का अभ्यास करें और बीमारियों से दूर रहे। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा भी इस साल योग दिवस पर ऑनलाइन योगाभ्यास कार्यक्रम होगा। आरसेटी के डायरेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि वैश्विक आपदा के कारण इस बार डिजिटल तरीके से योग दिवस मनाया जाएगा। सुबह 08:30 से 09:30 बजे तक योगा होगा। उन्होंने बताया कि मोबाइल नंबर 9708458353, 9934191203 पर 9955994012 संपर्क कर ऑनलाइन योग से जुड़ सकते है। आज स्वस्थ रहने के लिए योग बहुत जरूरी है। पतंजलि की अर्चना पुण्यार्थ योग प्रशिक्षक होगी।

21 जून को फ्री योगा क्लास

फिटनेस एंड एचडी ग्रुवी के माध्यम से 21 जून को ऑनलाइन योग दिवस मनाया जाएगा। सभी को फ्री में योगा की क्लास दी जाएगी। योग के जरिये स्वस्थ्य रहने की जानकारी मिलेगी। फ्री में योग सीखने के लिए 21 जून को ज्वाइंन करें। मीटिंग आईडी 83529844236 और पासवर्ड asdgroovy है। इससे जुड़कर ऑनलाइन योग सीख सकते है।

एएम कॉलेज में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गया | अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रातः सामान्य योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय के निर्देशानुसार कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम गणित विभाग के प्राध्यापक अभिषेक कुमार मिश्र ने राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ श्वेता सिंह, योग प्रशिक्षिका कृति शर्मा ने योग की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस दौरान वज्रासन, शवासन, कपालभाति, ध्यान, भ्रास्तिका, चक्रासन, आदि सहित कई अन्य आसनो व योग क्रियाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

प्रशिक्षिका ने विद्यार्थियों सहित अन्य सहभागियों को योग करने के लाभ एवं योग करते समय क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए इस विषय पर भी अपने विचार रखे। हम ही लोगों ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद व्यवसाय अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष नवनीत प्रिये ने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा जारी योगा प्रोटोकोल वीडियो की ऑनलाइन प्रस्तुति सबके साथ साझा की। प्रधानाचार्य प्रोफेसर (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सबको बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे पूरी आशा है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज द्वारा आयोजित दो दिवसीय योग महोत्सव ना सिर्फ राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और विद्यार्थियों बल्कि शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारियों सहित हम सभी के लिए योग के माध्यम से स्वस्थ रहने के लिए जागरूक करेगा साथ ही उत्साह और उमंग के साथ जोड़ेगा।

"अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के अवसर पर दो दिवसीय 'योग उत्सव' के अंतर्गत वेबीनार

दिनांक- 21.06.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय 'योग उत्सव' के अंतर्गत वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का संचालन करते हुए महाविद्यालय के व्यवसाय अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष श्री नवनीत प्रिये ने "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के अवसर पर आयोजित इस वेबिनार में प्रधानाचार्य, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं सभी सहभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम शुभारंभ किया। सर्वप्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने और वैश्विक स्तर पर इसके प्रचार-प्रसार होने, भारतवर्ष के लिए गौरवपूर्ण विषय बताते हुए केंद्र सरकार द्वारा इसके प्रति जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने की योजना के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने योग के इतिहास एवं महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि विभिन्न धर्म एवं पंथों में इसे अलग-अलग रूपों में देखा जा सकता है। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में योग दर्शन के विद्वान श्री आनंद कुमार ने योग को परिभाषित करते हुए कहा कि गीता के अनुसार कर्मों में कुशलता का नाम योग है एवं मन एवं मस्तिष्क को सरलता से नियंत्रित करने का माध्यम योग है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग विद्वानों ने योग को परिभाषित किया है जिसमें महर्षि पतंजलि द्वारा अष्टांग योग्य की विशेष चर्चा है। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि मन से ही सकारात्मक एवं नकारात्मक भाव उत्पन्न होते हैं और वैसी बीमारियां जिनके लिए एलोपैथिक एवं अन्य क्षेत्रों में निवारण के साधन उपलब्ध नहीं वहां योग महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

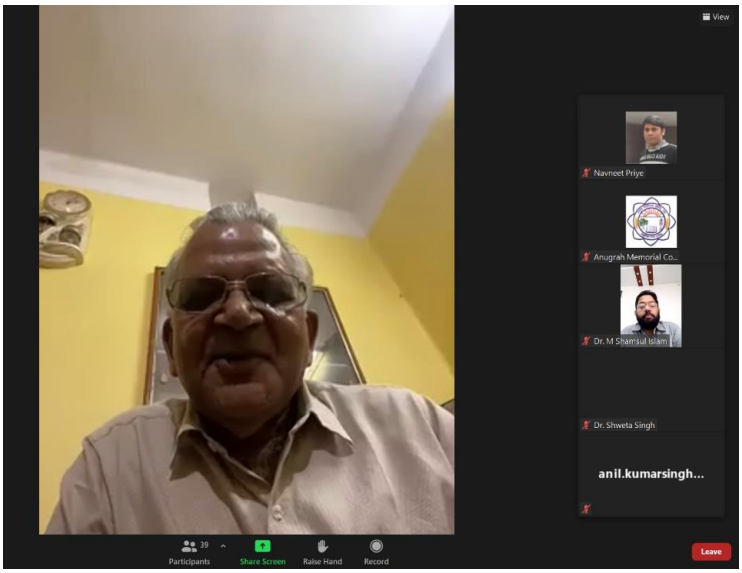

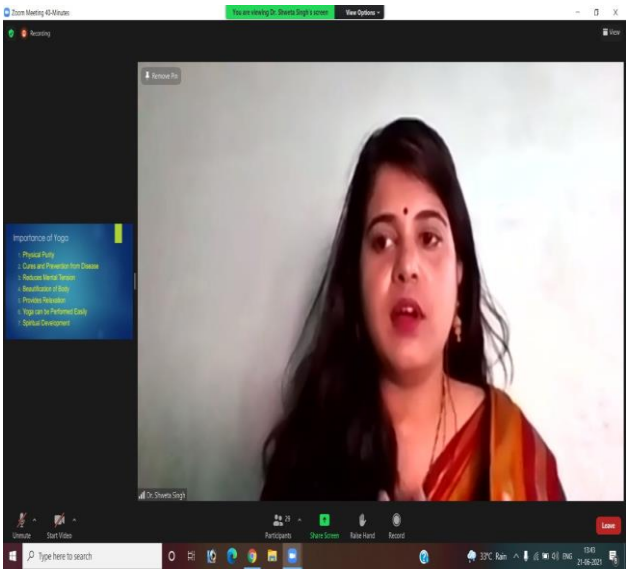

हिन्दुस्तान - 22-6

योग मानव कल्याण की कुंजी, इससे रहेंगे निरोग

वेबिनार

गया | वरीय संवाददाता

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर गया महाविद्यालय में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हुआ। शिक्षा विभाग गया कॉलेज के द्वारा आयोजित वेबिनार के उद्घाटन सत्र में मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि योग की उत्पत्ति भारत में हुई है। आदि काल से ही ऋषि मुनियों की सतत साधना व प्रबल तप का फल है योग। वास्तव में योग मानव कल्याण की कुंजी है।

योग का महत्वः उन्होंने कहा कि पुष्यमित्र शुंग के काल में ही पतंजलि ने योग दर्शन का उपहार दिया। योग पुरातन भी है और नवीनतम भी है। योग से मानव का संपूर्ण कल्याण संभव है । योग से प्राणियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वास्तव में योग शरीर से आत्मा का मिलन है। प्रधानाचार्य डॉ दिनेश प्रसाद सिन्हा ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि देश के युवाओं के लिए योग वरदान है। स्वास्थ्य शरीर एवं स्वास्थ्य मानसिकता को प्राप्त करने का सरल मार्ग है। स्कूल व कॉलेज स्तर पर योग को पर्याप्त महत्व दिया जाना चाहिए।

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज की ओर से वेबिनार

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर वेबिनार का आयोजन हुआ। वेबिनार में नवनीत प्रिये ने कहा कि आज पूरी दुनिया योग के महत्व को स्वीकार कर रही है। योग के जरिए सुखद जीवन के लिए प्रयत्नशील है। प्राचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने कहा कि योग के द्वारा आंतरिक विकारों को दूर करते हुए सदाचार और शाकाहार अपनाते हुए हम स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। चिकित्सा विज्ञान ने भी योग के महत्व एवं इसकी व्याख्या वैज्ञानिकता को स्वीकार किया है। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ० श्वेता सिंह ने कहा कि योग मानसिक तनाव के लिए सर्वोत्तम औषधि है,इसके माध्यम से मन की शांति एवं शारीरिक शुद्धि करते हुए आनंद पूर्ण जीवन जी सकते है।

विदेश के वक्ताओं ने कहा

वियतनाम अंतरराष्ट्रीय साधन सेवी विप्लव मंडल बीफिट योगा ने कहा कि योग और व्यायाम में अंतर है। व्यायाम मात्र शरीर क्रिया के लिए होता है, परंतु योग से मन एवं शरीर दोनों को लाभ होता है। अमेरिका से जुड़ी अंकिता श्रीवास्तव ने कहा की योग के प्रति महिलाओं को जागरूक करने की जरूरत है। एक महिला अगर योग करेगी,तो पूरी पीढ़ी योग के प्रति जागरूक होगी।

जीबीएम कॉलेज में ऑनलाइन संगोष्ठी

गौतम बुद्ध महिला कॉलेज, गया की एन एस एस इकाई द्वारा प्रधानाचार्य प्रो.(डॉ) जावेद अशरफ की अध्यक्षता तथा एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रियंका कुमारी के समन्वयन में मानव तंदुरुस्ती और कल्याण के लिए योग पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में प्रो उषा राय, डॉ शगुफ्ता अंसारी, डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी, डॉ जया चौधरी, डॉ अमृता घोष, प्रीति शेखर तथा डॉ रुखसाना परवीन ने जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ रश्मि ने कहा कि संगीत आत्मा का परमात्मा से मिलन का एक प्रबल माध्यम है। संगीत भी एक योग ही है जो मस्तिष्क, हृदय तथा आत्मा के मध्य समन्वय स्थापित करने में पूर्णतया सक्षम है। डॉ रुखसाना परवीन ने पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न योगासनों की झांकी प्रस्तुत की।

एएम कॉलेज में दो दिवसीय योग उत्सव का हुआ समापन

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय योग उत्सव के अंतर्गत वेबिनार का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने और वैश्विक स्तर पर इसके प्रचार-प्रसार होने, भारतवर्ष के लिए गौरवपूर्ण विषय बताते हुए केंद्र सरकार द्वारा इसके प्रति जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने की योजना के लिए आभार प्रकट किया। योग दर्शन के विद्वान आनंद कुमार, कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. श्वेता सिंह आदि ने अपने विचार रखे।

बोधगया मठ में योग करते साधु

भावनात्मक एवं मनोसामाजिक सहयोग विषय पर ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला

दिनांक- 25.06.2021

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के तत्वावधान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के द्वारा भावनात्मक एवं मनोसामाजिक सहयोग विषय पर ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में श्री नवीन कुमार, शिक्षा विभाग, भारत सरकार ने विभिन्न आयामों पर विस्तृत रूप से चर्चा की। कार्यशाला में संचालन का दायित्व महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, शिक्षा विभाग, भारत सरकार की श्रीमती संध्या तूती ने निभाते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए श्री बी० एस० सी० नवीन कुमार ने बताया कि हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि कोविड महामारी के दौरान मानसिक एवं भावनात्मक रूप से टूट चुके और सामाजिक, आर्थिक रूप से परेशानी झेल रहे लोगों को सहयोग करें।

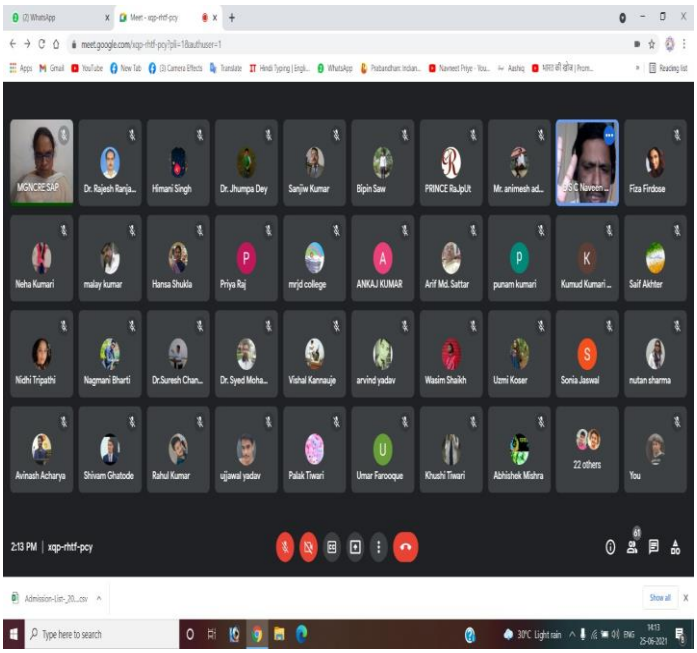

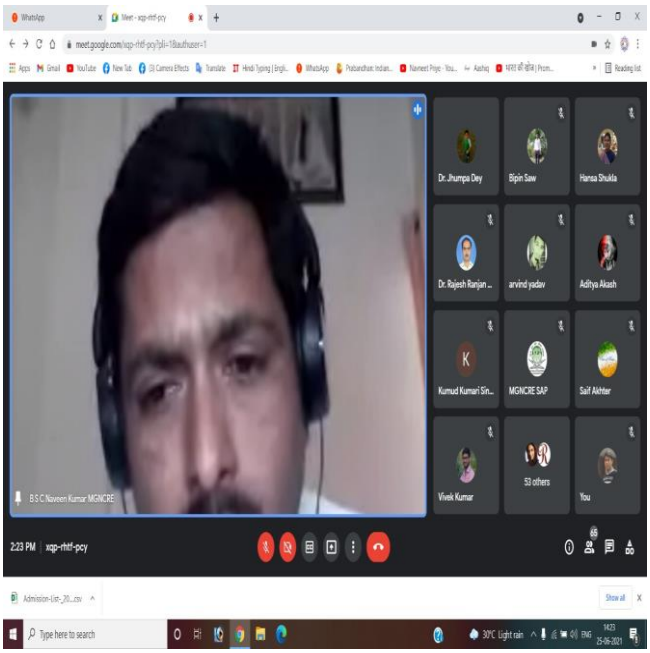

कोविड हेल्पर के रूप में पीड़ितों का स्किल डेवलप कर दें सपोर्ट

- एमएम कॉलेज में भावनात्मक व मनो सामाजिक सहयोग विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता, गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के द्वारा भावनात्मक व मनोसामाजिक सहयोग विषय पर ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला आयोजित की गयी. इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में नवीन कुमार ने विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की. कार्यशाला में संचालन का दायित्व महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद संध्या तूती ने निभाते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया. कार्यक्रम में प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए नवीन कुमार ने बताया कि हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि कोविड महामारी के दौरान मानसिक एवं भावनात्मक रूप से टूट चुके और सामाजिक, आर्थिक रूप से परेशानी झेल रहे लोगों को सहयोग करें. प्रशिक्षक श्री कुमार ने साइकोसोशल सपोर्ट व इमोशनल सपोर्ट के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ते हुए पीड़ितों को सफल बनाने की दिशा में कोविड हेल्पर के रूप में कार्य करते हुए क्या-क्या कार्य करने चाहिए इस दिशा में प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान उत्पन्न पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक एवं अन्य समस्या उत्पन्न हुई है जिसके लिए हम बेस्ट कॉविड हेल्पर के रूप में अपने स्किल डेवलप करते हुए लोगों की मदद कर सकते हैं. उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सामाजिक व्यावहारिक परिवर्तन के कारण लोग अत्यधिक तनाव के माहौल में जीवन व्यतीत कर रहे हैं जिसके लिए हमारा सकारात्मक प्रयास उनको सक्षम एवं सक्षम बनाने की दिशा में लोक कल्याण के लिए सार्थक सिद्ध होगा.

पीड़ित के भाव को समझने का करें प्रयास

उन्होंने कोविड पीड़ित से संवाद करते हुए अपनी श्रवण योग्यता को बेहतर बनाते हुए बताया कि कान को कैमरे के रूप में प्रयोग करते हुए पीड़ित के हृदय के भावों को देखना और समझते हुए यथोचित निदान करना बेस्ट कोविड हेल्पर का प्रमुख गुण होना चाहिए. श्री कुमार ने आकस्मिक घटनाएं घटित होने पर पीड़ित परिवार को किस प्रकार सहयोग कर सकते हैं एवं हेल्पलाइन द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और अन्य विद्यार्थियों को कैसे सहयोग करना चाहिए इस विषय पर रोल प्ले इन के माध्यम से तृप्तांत रखते हुए प्रस्तुतियां दी. इस विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान स्वयं सेवकों व विद्यार्थियों के विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्होंने अलग-अलग परिस्थितियों में हमें क्या बात करनी है इस विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा की. कार्यशाला के दौरान विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भी अपने विचार रखें और सेवा कार्य में श्रेष्ठता प्राप्त करने के लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी. कार्यक्रम में कॉलेज के नोडल पदाधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ राजेश रंजन पांडेय, राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्वेता सिंह, रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधि त्रिपाठी, कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष आरिफ मोहम्मद सत्तार, उमर फारूक, संजीव कुमार, मलय कुमार, प्रबंध विभाग के विभागाध्यक्ष नवनीत प्रिये, सैफ अख्तर, डॉ सादात करीम, शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एमएम शुक्ला, मीता रानी प्रवीण कुमार व अन्य उपस्थित थे.

कोविड महामारी में मानसिक व आर्थिक रूप से टूट चुके लोगों के सहयोग को आएं आगे

'भावनात्मक और मनो सामाजिक सहयोग' विषय पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में हुई विस्तृत चर्चा

एजुकेशन रिपोर्टर| गया

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के तत्वावधान में शुक्रवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के द्वारा भावनात्मक व मनो सामाजिक सहयोग विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में नवीन कुमार, शिक्षा विभाग, भारत सरकार ने विभिन्न आयामों पर विस्तृत रूप से चर्चा की।

कार्यशाला में प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए श्री कुमार ने कहा कि हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि कोविड महामारी के दौरान मानसिक व भावनात्मक रूप से टूट चुके और सामाजिक, आर्थिक रूप से परेशानी झेल रहे लोगों को सहयोग करें। उन्होंने साइकोसोशल सपोर्ट व इमोशनल सपोर्ट के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ते हुए पीड़ितों को सफल बनाने की दिशा में कोविड हेल्पर के रूप में कार्य करने की अपील की ओर इसके लिए हमें क्या-क्या कार्य करने चाहिए इसपर प्रकाश डाला। कहा कि कोरोना महामारी के दौरान उत्पन्न पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक व अन्य समस्या उत्पन्न हुई है जिसके लिए हम बेस्ट कोविड हेल्पर के रूप में अपने स्किल डेवलप करते हुए लोगों की मदद कर सकते हैं। कार्यशाला में संचालन का दायित्व महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, शिक्षा विभाग, भारत सरकार की संध्या तूती ने निभाया। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) शमसुल इस्लाम ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सबों को धन्यवाद दिया।

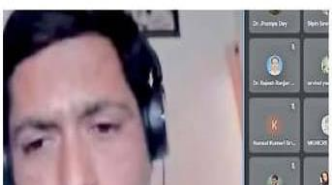

अपने विचार रखते मुख्य वक्ता व अन्य

लोगों की मदद को बनाए गए पांच समूह

कार्यशाला के दौरान विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भी अपने विचार रखें और सेवा कार्य में श्रेष्ठता प्राप्त करने के लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस कार्यशाला के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ-साथ जो भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं या फिर कोरोना बीमारी से ठीक होकर आने के बाद भी जो लोग भयभीत हैं उनको मानसिक रूप से सबल बनाने की दिशा में कार्य करने के लिए विभिन्न समूहों के निर्माण पर भी चर्चा हुई। सहयोग कार्यों के लिए बने पांच विभिन्न समूहों में एनएसएस के स्वयंसेवकों सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता के लिए स्वयं को नामित करवाया। नोडल पदाधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय ने प्रशिक्षक, समन्वयक, आदि सहित सभी सहभागियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में हमारी सकारात्मक भूमिका होनी चाहिए। स्वयं सेवकों में सुशील कुमार, खुशी तिवारी, आदित्य आकाश, अंजली, रोहित, ताहिरी आदि सराहनीय भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय वेबीनार "केमस्ट्री इन डे-टू-डे लाइफ" का आयोजन

दिनांक- 28.06.2021

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के रसायनशास्त्र विभाग की ओर से राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का विषय था "केमस्ट्री इन डे-टू-डे लाइफ" जो दोपहर 1 बजे प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम संचालन करते हुए महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ० निधि त्रिपाठी ने वेबीनार के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य, वक्ताओं एवं सभी सहभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम शुभारंभ किया। सर्वप्रथम स्वागत भाषण देते हुए रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० (डॉ०) अजीत प्रसाद सिन्हा ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं आवश्यकता पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम के सभी वक्ताओं सहित प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने वेबीनार के आयोजन के लिए प्रधानाचार्य का विशेष आभार भी व्यक्त किया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ०) एम० शमसुल इस्लाम ने दैनिक जीवन में रसायन विषय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विषय के अंतर्गत विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की। प्रधानाचार्य ने इकोलॉजी सिस्टम एवं स्वच्छता तथा अन्य क्षेत्रों में इस विषय की महत्ता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

आयोजन• अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, में रसायाशास्त्र विभाग की ओर से हुआ राष्ट्रीय वेबिनार

भोज्य पदार्थों के स्वादिष्ट और पौष्टिक होने में रासायनिक अभिक्रियाएं की सहभागिता अहम

एजुकेशन रिपोर्टर | गया

अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के रसायनशास्त्र विभाग की ओर से सोमवार को राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें केमिस्ट्री इन डे-टू-डे लाइफ विषय पर वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) एम. शमसुल इस्लाम ने दैनिक जीवन में रसायन विषय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विषय के अंतर्गत विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में दवाओं व अन्य परीक्षण के लिए क्रियाकलापों में रसायन विषय की भूमिका पर कहा कि मानव जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में रसायन विषय की अहम भूमिका है। प्रधानाचार्य ने भोज्य पदार्थों के बनने व उसके स्वादिष्ट व पौष्टिक होने और उसके संरक्षण में रासायनिक अभिक्रियाएं की सहभागिता के बारे में बताया। कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए रसायन व इसके अंतर्गत आने वाली प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानाचार्य ने इकोलॉजी सिस्टम, स्वच्छता और अन्य क्षेत्रों में इस विषय की महत्ता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम संचालन रसायन शास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ. निधि त्रिपाठी ने किया। उन्होंने वेबिनार में प्रधानाचार्य, वक्ताओं व सभी सहभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। स्वागत भाषण में रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अजीत प्रसाद सिन्हा ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता व आवश्यकता पर चर्चा की।

केमेस्ट्री इन डे-टू-डे लाइफ विषय पर वक्ताओं ने रखे अपने विचार

वेबिनार में विचार व्यक्त करते लोग।

वेबिनार में विचार व्यक्त करती महिला।

ज्ञान की अभिवृद्धि के साथ समाज कल्याण के लिए भी कार्य करें युवा

वेबिनार में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े विद्यार्थियों को धन्यवाद करते हुए डॉ. घोषाल ने कहा कि युवाओं को इस प्रकार के कार्यक्रमों में सहभागिता लेकर ज्ञान की अभिवृद्धि के साथ-साथ समाज कल्याण के लिए भी कार्य करने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में भौतिकी विभाग के वरीय प्राध्यापक डॉ. अनंत कुमार सिन्हा, डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. नीरज कुमार कमल, शिक्षा विभाग के डॉ. एम. एम० शुक्ला, व्यवसाय अध्ययन विभाग के नवनीत प्रिये, डॉ. सादात करीम, कंप्यूटर एप्लिकेशन विभाग के आरिफ़ मोहम्मद सत्तार, मो० उमर फारूक, संजीव कुमार, मलय कुमार, प्रवीण कुमार आदि ने भी हिस्सा लिया।

केमिस्ट्री ऑफ इमोशन के अंतर्गत रासायनिक अभिक्रिया की दी जानकारी

नोडल पदाधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय ने पीपीटी के माध्यम से दैनिक प्रयोग की वस्तुओं में रासायनिक तत्वों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए अपमार्जक और अन्य उपयोगी सामग्रियों के बारे में बताया। उन्होंने केमेस्ट्री ऑफ इमोशन के अंतर्गत रसायनिक अभिक्रिया अंतर्गत हारमोंस में परिवर्तन सहित प्रकाश संश्लेषण, पाचन क्रिया आदि में रसायन विषय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए इसकी उपयोगिता की भी जानकारी दी। डॉ. राजेश रंजन पाण्डेय ने क्षारीय व अम्लीय तत्व सहित प्लास्टर ऑफ पेरिस, सीमेंट, आदि के निर्माण में रसायन विषय की भूमिका के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ. धनंजय कुमार ने अपने विचार रखते हुए परफ्यूम और सौंदर्य प्रसाधन की सामग्रियों में रसायनिक अभिक्रिया और इस विषय के संबंधों पर चर्चा की।

हारमोंस के आधार पर मानव व्यवहार की भी विस्तार पूर्वक हुई चर्चा

डॉ. धनंजय कुमार ने ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, बायोमास की चर्चा करते हुए हारमोंस के आधार पर मानव व्यवहार और अन्य जीवो पर भी रसायन के प्रभाव के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। वक्ताओं द्वारा दिए गए उद्बोधन की समीक्षा व धन्यवाद ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमरितेंदु घोषाल ने वक्ता के रूप में सभागिता कर रहे शिक्षकों व प्रधानाचार्य का विशेष आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह वेबिनार वर्तमान समय में अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। हम सभी को इस विषय के अंतर्गत वेबिनार के माध्यम से प्राप्त जानकारियों के अनुरूप कार्य करने की आवश्यकता है। वेबिनार का समापन राष्ट्रगान गाकर किया गया। मंच संचालन रसायन डॉ. त्रिपाठी जबकि तकनीकी सहयोग का दायित्व व्यवसाय अध्ययन विभाग के प्राध्यापक सैफ अख्तर ने निभाया।

बेहतरी का रास्ता तैयार करता है रसायन शास्त्र

- केमस्ट्री इन डे-टू-डे लाइफ विषय पर वेबिनार का आयोजन

गया. अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज के रसायन शास्त्र विभाग की ओर से राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया. वेबिनार का विषय था केमस्ट्री इन डे-टू-डे लाइफ. कार्यक्रम संचालन करते हुए कॉलेज के रसायन शास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधि त्रिपाठी ने वेबिनार के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य, वक्ताओं व सभी सहभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम शुभारंभ किया. सर्वप्रथम स्वागत भाषण देते हुए रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ) अजीत प्रसाद सिन्हा ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं आवश्यकता पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम के सभी वक्ताओं सहित प्रतिभागियों का स्वागत किया. उन्होंने वेबिनार के आयोजन के लिए प्रधानाचार्य का विशेष आभार भी व्यक्त किया. अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो (डॉ) एम शमसुल इस्लाम ने दैनिक जीवन में रसायन विषय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विषय के अंतर्गत विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की. उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में दवाओं व अन्य परीक्षण के लिए क्रियाकलापों में रसायन विषय की भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि मानव जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में रसायन विषय की अहम भूमिका है. प्रधानाचार्य ने भोज्य पदार्थों के बनने एवं उसके स्वादिष्ट एवं पौष्टिक होने तथा उसके संरक्षण में रासायनिक अभिक्रियाएं की सहभागिता की चर्चा करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए रसायन एवं इसके अंतर्गत आने वाली प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है. प्रधानाचार्य ने इकोलॉजी सिस्टम एवं स्वच्छता तथा अन्य क्षेत्रों में इस विषय की महत्ता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की.

प्रो डॉ एम शमसुल इस्लाम.

प्रत्येक वस्तु में हैं रासायनिक तत्व : कॉलेज के नोडल पदाधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ राजेश रंजन पांडेय ने पीपीटी के माध्यम से दैनिक प्रयोग की वस्तुओं में रासायनिक तत्वों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए अपमार्जक व अन्य उपयोगी सामग्रियों के बारे में चर्चा की. उन्होंने केमिस्ट्री ऑफ इमोशन के अंतर्गत रसायनिक अभिक्रिया अंतर्गत हारमोंस में परिवर्तन सहित प्रकाश संश्लेषण, पाचन क्रिया आदि में रसायन विषय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए इसकी उपयोगिता के बारे में बताया. डॉ राजेश रंजन पांडेय ने क्षारीय एवं अम्लीय तत्व सहित प्लास्टर ऑफ पेरिस, सीमेंट, आदि के निर्माण में रसायन विषय की भूमिका के बारे में विस्तारपूर्वक बताया. रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ० धनंजय कुमार ने अपने विचार रखते हुए परफ्यूम और सौंदर्य प्रसाधन की सामग्रियों में रसायनिक अभिक्रिया और इस विषय के संबंधों पर चर्चा की. उन्होंने फूड एवं बेवरेज के रखरखाव संरक्षण में रसायन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए इसे महत्वपूर्ण विषय बताया. डॉ० धनंजय कुमार ने ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, बायोमास की चर्चा करते हुए हारमोंस के आधार पर मानव व्यवहार और अन्य जीवों पर भी रसायन के प्रभाव के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की.

प्रभात खबर Tue, 29 June 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/61466848

मानव जीवन में रसायन विषय की अहम भूमिका : प्रधानाचार्य

गया (एसएनबी)। अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के रसायनशास्त्र विभाग की ओर से राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का विषय था "केमस्ट्री इन डे-टू-डे लाइफ" था। कार्यक्रम संचालन करते हुए महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधि त्रिपाठी ने वेबीनार के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम मे प्रधानाचार्य, वक्ताओ एवं सभी सहभागियो का स्वागत करते हुए कार्यक्रम शुभारंभ किया।

सर्वप्रथम स्वागत भाषण देते हुए रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ) अजीत प्रसाद सिन्हा ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं आवश्यकता पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम के सभी वक्ताओं सहित प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने वेबीनार के आयोजन के लिए प्रधानाचार्य का विशेष आभार भी व्यक्त किया।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए प्रधानाचार्य प्रो (डॉ) एम शमसुल इस्लाम ने दैनिक जीवन मे रसायन विषय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विषय के अंतर्गत विभिन्न आयामो पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र मे दवाओ एवं अन्य परीक्षण हेतु क्रियाकलापो मे रसायन विषय की भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि मानव जीवन को बेहतर बनाने की दिशा मे रसायन विषय की अहम भूमिका है। प्रधानाचार्य ने भोज्य पदार्थो के बनने एवं उसके स्वादिष्ट एवं पौष्टिक होने तथा उसके संरक्षण मे रासायनिक अभिक्रियाएं की सहभागिता की चर्चा करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए रसायन एवं इसके अंतर्गत आने वाली प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानाचार्य ने इकोलॉजी सिस्टम एवं स्वच्छता तथा अन्य क्षेत्रो मे इस विषय की महत्ता पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। प्रधानाचार्य के उद्‌बोधन के पश्चात नोडल पदाधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ राजेश रंजन पाण्डेय ने पीपीटी के माध्यम से दैनिक प्रयोग की वस्तुओ मे रासायनिक तत्वो की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए अपमार्जक एवं अन्य उपयोगी सामग्रियो के बारे मे चर्चा की। उन्होंने केमिस्ट्री ऑफ इमोशन के अंतर्गत रसायनिक अभिक्रिया अंतर्गत हारमोंस मे परिवर्तन सहित प्रकाश संश्लेषण, पाचन क्रिया आदि मे रसायन विषय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए इसकी उपयोगिता के बारे मे बताया।

वेबिनार में भाग लेते प्रधानाचार्य।

वक्ताओं द्वारा दिए गए उदबोधन की समीक्षा एवं धन्यवाद ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी सह अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अमरितेंदु घोषाल ने वक्ता के रूप मं सभागिता कर रहे नोडल पदाधिकारी सह रसायन विभाग के प्राध्यापक डॉ राजेश रंजन पाण्डेय, प्राध्यापक डॉ धनंजय कुमार एवं कार्यक्रम का संचालन कर रही रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ निधि त्रिपाठी सहित प्रधानाचार्य का विशेष आभार प्रकट करते हुए कहा यह वेबीनार वर्तमान समय मे अत्यंत ही महत्वपूर्ण है।

SEMINAR

Department of English

Anugrah Memorial College, Gaya

Venue: Conference Hall

Ecological Crisis: Contemporary Discourses and Future Possibilities

Date: 18-09-2019

Time: 11:00 A.M. – 02:30 P.M.

Patron: Honourable Vice-Chancellor
Magadh University, Bodh Gaya.

Convener: Dr. Shailaj Kumar Shrivastava
Principal, A.M. College, Gaya.

Organizing Secretary: Dr. Amritendu Ghosal
Associate Professor, Department of English
A.M. College, Gaya.

Guest of Honour: Prof. Neeraj Kumar
Department of English,
Magadh University, Bodh Gaya.

Keynote Address: Dr. Parth Sarathi
Associate Professor,
Department of History,
A.M.College, Gaya.

Media In charge: Dr. Parth Pratim Das
Assistant Professor in Chemistry
A.M. College, Gaya.

Rapporteurs: Dr. Kishore Kumar Paswan
Assoc. Prof. in Political Science
A.M. College, Gaya
&
Dr. Amritendu Ghosal
Assistant Professor in English
A.M. College, Gaya.

Registration: Dr. Dhaneshwar Ram
Assoc. Professor cum Head
Department of Psychology
A.M. College, Gaya
&
Mr. Prashant Shrivastava,
Assistant Professor in Economics,
A.M. College, Gaya

Refreshments In charge: Shri Amresh Kumar Singh
Head Assistant, A. M. College, Gaya.

Concept Note

This seminar intends to address the various issues regarding the crisis of the climate. It invites scholars of different disciplines to pool their ideas to arrive at an understanding of the issue. The discourses of literature, culture, sociology, politics and the sciences have already engaged with this topic and this seminar is a way to bring all of them together on one platform. Analyses of the traditional discourses of the ecology along with radical visions for the future are invited. The seminar will be addressing but will not be limited to the following sub-themes:

- Theories and Practices in Ecocriticism
- Environment and Children's Literature
- Science Fiction and Environment
- Environment and the Media
- Environment and Government Policy
- Eco-feminism and Gender Studies
- Environment and History
- Post-colonialism and Environment
- Translation and Environment
- Tourism and Environment
- Theology and Environment
- Poverty and Environmental Issues
- Environment-based Education

Programme Schedule

Inaugural Session:

11:00 A.M.- Welcome and felicitation of the Guest of Honour and Principal.

11:10 A.M.- Introduction of the topic by Dr. Amritendu Ghosal.

11:20 A.M. Key Note Address by Dr. Parth Sarathi

11:30 A.M.- Address by the Guest of Honour.

12:20 P.M. -Vote of Thanks by Principal

12:30 P.M.- End of Inaugural Session.

12:30P.M.- 01:00 P.M.- Tea Break

Technical Session:

01:00 -2:30- Paper Presentation and Discussion

Chair: Dr. Ajay Kumar Singh, Assoc. Professor., Department of Physics

A.M. College, Gaya.

CO-Chair: Dr. Partha Pratim Das, Assistant Professor, Department of Chemistry

A.M. College, Gaya.

Report

In the papers and the discussions it was found that over the past few decades the changes in the earth's eco-systems have been so rapid and so perceptible that debates regarding the urgency of an ecological crisis have dwindled. That our natural environment is undergoing a major shift is no secret. The significant question regarding this crisis is no longer whether climate change is real or whether the ecology can cope with the current form of industry. The question here is whether the Earth will remain capable of supporting the modern civilization as we know it. The problem of eco-crisis is dualistic in nature, in that the human-centred view considers nature as an instrument for human benefit, whereas the eco-centred view rejects nature as merely instrumental, ascribing value to its intrinsic worth apart from its benefit to humanity. The pollution levels are at an all time high in the oceans, the underground water reserves are drying up, the air pollution is sickening people with respiratory illnesses, oil-spills, radioactive leakages and forest fires are wreaking havoc on wildlife. Coupled with the rising population of human beings the perils of global warming threat our future generations with unparalleled political and social violence.

We stand at such a turning point in history that our awareness and efforts will decide the fate of humanity and other species on the planet. A large part of the ecological crisis is manmade which is further aggravated by lax follow up on environmental laws, political unwillingness to curb large scale polluting agents and negligence of far reaching ecological consequences in favour of short-term monetary goals. At the same time there are international organisations such as the United Nations (UN), Intergovernmental Panel on Climate Change (IPCC), International Union for Conservation of Nature (IUCN) etc. that are involved with negotiations with the various stake-holders regarding the climate change issue. At the national level the governments are trying to minimise the damage but in a world dictated by market concerns, state based efforts can barely catch up with the international influences of industrialisation.

Two Day National Webinar
on
CONTEMPORARY CONCERNS OF ENGLISH STUDIES IN INDIA

To be organised by
Department of English
ANUGRAH MEMORIAL COLLEGE, GAYA
A Constituent Unit of Magadh University, Bodh Gaya

Chief Patron

Prof. Rajendra Prasad
Vice Chancellor
Magadh University
Bodh Gaya

Chief Guest

Prof. Shanker A. Dutt
Retd. Head
Department of English
Patna University

Guest of Honour

Prof. Banibrata Mahanta
Department of English
Banaras Hindu
University

Patron

Prof. Shailaj Kr. Shrivastava
Principal
Anugrah Memorial College
Gaya

Guest of Honour

Dr. Basabdatta Ghosh
Assistant Professor
Department of English
Uluberia College
University of Calcutta

Guest of Honour

Kunal Dutt
Senior
Journalist
New Delhi

Dates- 1st & 2nd August, 2020
Time- 10 AM - 2 PM

Free Registration Link - forms.gle/2BN2pcmNcsws8rk99 (Click/Tap on link)

The Webinar will be conducted on Google Meet.

After registration please join ONE the following Whatsapp Groups for Meeting ID-
English Studies Webinar 1, English Studies Webinar 2 (Click/Tap to join)

Made with PosterMyWall.com

E-Certificates will be provided

CONCEPT NOTE

English Studies in India is a curious umbrella term that encompasses multiple areas in higher education. The language itself is variously associated with the ideas of identity, history, power, class, education, employment, communication etc. This has resulted in the never-ending English versus vernacular language debate. As differences in opinions continue, as they should in any living

democracy, today we see English Departments offering numerous courses on Canonical English literature, Indian Writings in English, World Literature, Translations, Critical Theory, Media Studies, Creative Writing, Functional English and so on. We cannot, at the same time, forget the millions of job aspirants who labour to learn English as a language in coaching institutes for the sake of employment. Standing at this complex position where English makes its presence felt at innumerable places in the lives of the Indian people of the twenty-first century we ask the question: How can Departments of English approach the issues of language, literature, politics, identity, business, pedagogy, social equity, media, policies of higher education, online education and funding in the present times.

SCHEDULE

DAY- 1

10:30 AM: Welcome Address by Dr. Shailaj Kr.Shrivastava, Principal, A.M.College, Gaya

10:45 AM: Introduction to the Topic by Dr. Amritendu Ghosal, Assistant Professor, Dept. of English, A.M. College, Gaya

11:15 AM: Prof. Shanker Ashish Dutt

Title- “English Studies in India: History, Politics and Pedagogy”

12:00 PM: Question & Answer Session

12:15 PM: Dr. Basabdatta Ghosh

Topic: “Addressing the Students of the Grassroot Level: Challenges and Strategies”

01:00 PM: Questions

01:15 PM: Discussion and Audience Response

02:00 PM: End of Day 1

DAY – 2

10:30 AM: Mr. Kunal Dutt

Topic: “Semantics of the Media: Deconstructing Language, Demystifying Perceptions”

11:15 AM: Questions

11:30 AM: Prof. Banibrata Mahanta

Title- "The Draft National Education Policy 2019 and Higher Education: An English Studies Perspective"

12:15 PM: Questions

12:30 PM: Discussion and Audience Response

01:30 PM: Vote of Thanks by Principal, A.M. College, Gaya

CORE COMMITTEE

Convenor: Dr. Amritendu Ghosal, Assistant Professor, Dept. of English, A.M. College, Gaya

Organizing Secretary: Mr. Prashant Shrivastava, Assistant Professor, Dept. of Economics, A.M.College, Gaya.

Technical Support: Dr. Partha Pratim Das, Assistant Professor, Dept. of Chemistry, Magadh University, Bodh Gaya.

ADVISORY COMMITTEE

Dr.Parth Sarathi, Associate Professor, Dept. of History, A.M. College, Gaya.

Dr. Kishore Paswan, Associate Professor, Dept. of Political Science, A.M. College, Gaya.

Dr. Ajay Kumar Singh, Associate Professor, Dept. of Physics, A.M. College, Gaya.

REPORT

A Two-Day Webinar was organized by Department of English, Anugrah Memorial College, Gaya (A Constituent Unit of Magadh University, Bodh Gaya) on "Contemporary Concerns of English Studies in India" on 1st and 2nd August, 2020. The Chief- Patron of the webinar was the Honourable Vice Chancellor of Magadh University Prof. Rajendra Prasad. The webinar was attended online by more than 250 participants from across the nation. The event hosted special lectures by eminent academicians and professionals from various institutions. On the first day of the webinar Prof. Shailaj Kr Shrivastava, Principal, A. M. College, Gaya welcomed the guests with his thought provoking address. Prof. Shrivastava analysed the relevance of English Studies in present times and also pointed out the importance of the co-existence of many languages in harmony. The topic of the webinar was put into perspective by Dr. Amritendu Ghosal, Assistant Professor, Department of English, A.M. College, Gaya. Professor Shanker Ashish Dutt, Retd. Head, Department of English, Patna University, spoke on the History and Politics of English Studies in India and suggested ways to overcome the academic problems faced by teachers and students. In her address Dr. Basabdatta Ghosh, Assistant Professor, Department of English, Uluberia College, University of Calcutta mentioned methods of making the pedagogic approach more accessible to all students. On the second day, Prof. Banibrata Mahanta, Department of English, Banaras Hindu University spoke on the NEP 2020 and how it can be used to make quality higher education accessible to the most number of students. Mr. Kunal Dutt, Senior Journalist based in New Delhi spoke on language, media and how all languages have their importance. The participants of the webinar raised some pertinent points and questions regarding English Studies and higher education in general. The webinar was moderated by Dr. Amritendu Ghosal, Assist. Prof. Dept of English, A.M. College, Gaya. Dr. Parth Pratim Das, Assist. Prof. Dept. of Chemistry, Magadh University and Mr. Prashant Shrivastava, Assist. Prof. Dept. of Economics, A.M. College, Gaya played important roles as core members of the organizing committee. The event was concluded with the Vote of Thanks delivered by Prof. Shailaj Kr. Shrivastava, Principal, A.M. College, Gaya.

SEMINAR

Department of History

Anugrah Memorial College, Gaya

Venue: Conference Hall

Higher Education: Past, Present and Future (A Historical Perspective)

Date: 27-08-2019 Time: 11:00 A.M. – 02:30 P.M.

Patron: Honourable Vice-Chancellor
Magadh University, Bodh Gaya.

Convener: Dr. Shailaj Kumar Shrivastava
Principal, A.M. College, Gaya.

Organizing Secretary: Dr. Parth Sarathi
Associate Professor in History, A.M. College, Gaya.

Guest of Honour: Prof. Piyush Kamal Sinha
Ex. Head of the Department of History &
In charge, Promotion Cell (Teachers'), Magadh University, Bodh Gaya.

Keynote Address: Dr. M.M. Shukla
Head, Faculty of Education, A.M.College, Gaya.

Theme

Right since the human species developed the skill to write and read, it has scored a quantum jump in the progressive march of civilization. This achievement accelerated the momentum of progress in all the secrets of its nature and scope. Gradually the scale became institutionalized in a form which we call education. From the ancient days till date the institution has witness remarkable/significant changes in its organisation and purpose. Thus, in the Indian context it began in the Gurukuls located away from the habitational areas to temples and monasteries, to autonomous universities and colleges located within urban hubs and now the online virtual educational system. At the same time the purpose of education has also undergone drastic changes

depending on the views of different regimes. Above all, the contemporary search of democratic spirit has done an unimaginable quantitative revolution in its spread and percolation towards ending the hegemony/ privilege of a limited population over it and making accessible to the masses in general. We often come across a few expressions such as 'value based education', 'need based education' and 'outcome based education' which speak a lot about the interface of visions of the policy makers and the society in regard with the concept of education.

This seminar proposes to discuss the various issues related to higher education in historical perspective in order to identify problems inflicting it and also to find out suggestive measures for a better future. The sub-themes are as following:

1. Concept of education.
2. Educational organisation.
3. Purpose of education.
4. Educational psychology.
5. History of education.
6. Education and religion.
7. Democracy and education.
8. Technological innovations and education.
9. Online education system.
10. Any other issue and the scholar views as relevant to the main theme.

Invitation and Call for Papers:

Faculty members, research scholars, students and freelance educationists are hereby invited to enrich deliberations of the seminar with their valuable views through participation, presentation and discussion.

Date of submission of Abstract/Full length paper: 26-08-2019

***

Media In charge: Dr. Parth Pratim Das,
Assistant Professor in Chemistry, A.M. College, Gaya.

Rapporteurs: Dr. Kishore Kumar Paswan
Assoc. Prof. in Political Science, A.M. College, Gaya &
Dr. Amritendu Ghosal, Assistant Professor in English, A.M. College, Gaya.

Registration: Dr. Dhaneshwar Ram
Assoc. Professor cum Head
Department of Psychology,
A.M. College, Gaya.

&

Mr. Prashant Shrivastava
Assistant Professor in Economics,
A.M. College, Gaya.